वर्ष 69 ▸ अंक 222 ▸ पृष्ठ 12
भोपाल, सोमवार 11 मई, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 09, विक्रम संवत् 2083
महानगर ▸ मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

> दृढ़ता वह कठिन मेहनत है, जो आप तब करते हैं जब पहले की गई कठिन मेहनत से आप थक चुके होते हैं।
> -न्यूट गिनग्रिच

ऑफ बीट

एल्विश यादव से मांगी 10 करोड़ की रंगदारी

यूट्यूबर एल्विश यादव को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। इस बार धमकी कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर दी गई है। यूट्यूबर से 10 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई है और पैसे न देने पर गोली मारने की धमकी दी गई है। एल्विश और उनके पिता के पास एक धमकी भरा मैसेज आया, जिसमें कहा गया कि दो दिन के भीतर 10 करोड़ रुपये दे दिए जाएं, नहीं तो उन्हें जान से मार दिया जाएगा। इसके बाद एल्विश ने गुरुग्राम के सेक्टर-56 थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एल्विश ने पुलिस को बताया कि 5 मई को उनके पास एक विदेशी नंबर से व्हाट्सएप कॉल आई थी, जिसे वे रिसीव नहीं कर पाए। इसके कुछ देर बाद उसी नंबर से मैसेज आया, जिसमें 10 करोड़ रुपये की मांग की गई। धमकी देने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का करीबी बताया है।

आईपीएल में आज

दिल्ली बनाम पंजाब
समय : रात 7.30 बजे से
प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर

परिणाम: चेन्नई ने लखनऊ को 5 विकेट से हराया।
बेंगलुरु ने मुंबई को 2 विकेट से हराया।

देशवासियों से पीएम की अपील: अगले एक साल तक ना खरीदें सोना

पेट्रोल-डीजल का कम करें इस्तेमाल, विदेश यात्रा टालें

बेंगलुरु, हैदराबाद, जेएनएन। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से विशेष अपील की है। रविवार को हैदराबाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने लोगों से पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने, विदेशी मुद्रा बचाने और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाने को कहा। प्रधानमंत्री ने कोरोना महामारी के दौरान अपनाई गई 'वर्क फ्रॉम होम' और वर्चुअल मीटिंग जैसी व्यवस्थाओं को फिर से शुरू करने की सलाह दी। उन्होंने लोगों से गैर-जरूरी विदेश यात्राएं टालने, सोने की खरीद कम करने और स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देने का भी आग्रह किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बढ़ते वैश्विक संकट और पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच देशवासियों से पेट्रोल-डीजल, गैस और अन्य आयातित वस्तुओं के इस्तेमाल में संयम बरतने की अपील की है। रविवार को हैदराबाद और बेंगलुरु के कार्यक्रमों में पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया में तेल और ईंधन की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं और इसका असर भारत पर भी पड़ रहा है, क्योंकि देश के पास अपने बड़े तेल भंडार नहीं हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अब समय आ गया है कि देश एकजुट होकर जिम्मेदारी निभाए। उन्होंने लोगों से वर्क फ्रॉम होम, ऑनलाइन मीटिंग, मेट्रो यात्रा और कार पूलिंग जैसी व्यवस्थाओं को अपनाने की अपील की। प्रधानमंत्री ने कहा कि देशहित में लोग यह संकल्प लें कि अगले एक साल तक शादी-ब्याह या अन्य कार्यक्रमों में सोना नहीं खरीदेंगे।

> भारत के पास तेल के बड़े कुएं नहीं। कोरोना काल जैसी वर्क फ्रॉम होम, ऑनलाइन मीटिंग, मेट्रो यात्रा और कार पूलिंग जैसी व्यवस्थाओं को अपनाएं।

मेट्रो का करें उपयोग

पीएम मोदी ने कहा कि जिन शहरों में मेट्रो सुविधा उपलब्ध है, वहां लोग निजी वाहनों के बजाय मेट्रो का उपयोग करें। उन्होंने कार पूलिंग को भी बढ़ावा देने की बात कही ताकि ईंधन की खपत कम हो सके।

खाद्य तेल और उर्वरकों पर भी जोर

प्रधानमंत्री ने कहा कि हर परिवार खाने के तेल की खपत थोड़ी कम करे तो इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी और सेहत भी बेहतर होगी। उन्होंने रासायनिक खाद पर निर्भरता कम कर प्राकृतिक खेती अपनाने की अपील की।

विपक्ष पर हमला: कहा- सिर्फ झूठ और धोखे की राजनीति करती है कांग्रेस

बेंगलुरु में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सिर्फ झूठ और धोखे की राजनीति करती है। पीएम ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की गारंटियां सिर्फ चुनावी वादे बनकर रह जाती हैं। उन्होंने द्रविड़ मुनेत्र कझगम (डीएमके) और कांग्रेस के रिश्तों पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि सत्ता का समीकरण बदलते ही कांग्रेस ने अपने सहयोगियों की 'पीठ में छुरा घोंप दिया'।

उन्होंने कहा कि भारत बड़ी मात्रा में सोना आयात करता है, जिससे विदेशी मुद्रा पर भारी दबाव पड़ता है। यदि लोग कुछ समय तक सोने की खरीद कम करें तो देश की अर्थव्यवस्था को राहत मिल सकती है। भारतीय घरों और मंदिरों में लगभग 50 हजार टन सोना मौजूद है, जिसकी कीमत दुनिया के कई बड़े केंद्रीय बैंकों के कुल भंडार से भी अधिक है। प्रधानमंत्री ने लोगों से अनावश्यक यात्राएं टालने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि विदेश यात्राओं को कुछ समय के लिए टालना देशहित में होगा। देश को रासायनिक उर्वरकों की खपत आधी करने का लक्ष्य रखना चाहिए। इससे खेती की लागत कम होगी और पर्यावरण को भी फायदा मिलेगा।

कार्यक्रम स्थल से 3 किमी दूर मिलीं जिलेटिन की छड़ें

कर्नाटक के बेंगलुरु में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे से पहले सुरक्षा जांच के दौरान दो जिलेटिन छड़ें बरामद हुई। अधिकारियों के मुताबिक, ये मुख्य कार्यक्रम स्थल से करीब तीन किलोमीटर दूर फुटपाथ के किनारे मिलीं। डीआईजी सेंट्रल रेंज बेंगलुरु ने बताया कि शुक्रवार सुबह पीएम मोदी के पहुंचने से पहले इलाके में चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान दो जिलेटिन छड़ें बरामद की गईं। सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि छड़ें वहां कैसे पहुंचीं। खबर लिखे जाने तक किसी संदिग्ध की गिरफ्तारी या किसी साजिश की पुष्टि नहीं हुई है।

भैरुंदा: ग्राम सड़क योजना और पीएम जन-मन के कार्यों का शुभारंभ

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ने बदली गांवों की तस्वीर: सीएम

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कांग्रेस के शासनकाल में गांवों के विकास की ओर कोई भी ध्यान नहीं देता था। विकास की रफ्तार इतनी धीमी थी कि आम ग्रामीण परेशान था और जीविका के लिए पलायन करने को मजबूर था। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकारों ने गांवों की तस्वीर बदली है। जिसमें प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का विशेष योगदान है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को सीहोर जिले के भैरुंदा में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेज-4 एवं प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाभियान (पीएम जन-मन) के कार्यों के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश-प्रदेश के छोटे-बड़े कस्बों, गांव-देहात, टोले-मजरों की अंतिम सीमा तक पक्की सड़कों की पहुंच हो गई है। उन्होंने कहा कि छोटे-बड़े कस्बों, गांव-देहात, टोले-मजरे और अंतिम छोर तक पक्की सड़कें पहुंच चुकी हैं। जिससे वहां का आवागमन बेहद आसान हो गया है और विकास को नई रफ्तार मिली है। गांव-देहात की सड़क एक रास्ता भर नहीं होती, यह विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सम्मानजनक जीवन की आधार रेखा होती है।

डॉ. यादव ने कहा कि हमारा मध्यप्रदेश ग्रामीण कनेक्टिविटी के मामले में देश में पहले स्थान पर है। प्रदेश में बीते कुछ सालों में 90 हजार 150 किमी सड़कों का निर्माण कर 17 हजार 540 से अधिक बसाहटों को मुख्य मार्गों से जोड़ा गया है। पिछले 25 सालों में सड़कों से मंडियों तक किसानों की पहुंच आसान हुई है। बच्चों की शिक्षा नियमित हुई और स्वास्थ्य सेवाओं में भी व्यापक सुधार हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समारोह के जरिए मध्यप्रदेश को 5 हजार करोड़ रुपये से अधिक की सौगातें मिली हैं।

इस दौरान केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री कमलेश पासवान ने कहा कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के माध्यम से गांव और शहर की दूरी कम हुई है। आज किसान अपना अनाज शहर की मंडियों में बेच रहा है। गर्भवती महिलाएं समय पर अस्पताल और बच्चे पढ़ाई के लिए स्कूल जा रहे हैं। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्यमंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्पासानी ने कहा कि मध्यप्रदेश केन्द्र सरकार की योजनाओं को अक्षरशः लागू करने के साथ इनका लक्ष्य भी हासिल करता है। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना-4 में हम देश में 2500 किलोमीटर की नई सड़कें बनाएंगे और बस्तियों से सम्पर्क सुधारेंगे।

आवंटन और स्वीकृत पत्र सौंपा

केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पीएमजीएसवाय-फोर एवं पीएम-जन-मन योजनाओं के स्वीकृति आदेश एवं वर्तमान वित्त वर्ष 2026-27 के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से संबंधित निधि का 830 करोड़ रुपये सांकेतिक आवंटन मुख्यमंत्री डॉ. यादव को सौंपा। उन्होंने भारत सरकार द्वारा मूंग एवं सरसों की फसल समर्थन मूल्य में खरीदे जाने का स्वीकृति पत्र भी डॉ. यादव सौंपा।

प्रदेश के सभी गांवों में बनेंगी पक्की सड़कें: चौहान

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव संकल्प के धनी हैं। प्रदेश के विकास में वे कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। उनके नेतृत्व में प्रदेश में विकास का महायज्ञ चल रहा है। प्रदेश में 973 सड़कों को मंजूरी दी गई है। प्रदेश का कोई गांव पक्की सड़कों ने वंचित नहीं रहेगा। पीएम जनमन के अंतर्गत भी पीएम जनमन योजना के अंतर्गत 261 करोड़ लागत की नई सड़कों की सौगात मिली है। प्रदेश का कोई गरीब बिना छत के नहीं रहेगा।

भारत सरकार
सोमनाथ
अनंत ऊर्जा का अनुभव
सोमलिङ्गं नरो दृष्ट्वा सर्वपापैः प्रमुच्यते।
लभते फलं मनोवाञ्छितं मृतः स्वर्गं समाश्रयेत्॥
सोमनाथ
विरासत के 75 साल
सोमनाथ भारत की अजेय सभ्यता का प्रतीक है। 1000 वर्षों के विनाशकारी प्रहारों के बाद भी, सोमनाथ आज हमारे आत्म-सम्मान और साहस की मिसाल बनकर खड़ा है। 75 वर्ष पहले लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के संकल्प से आधुनिक सोमनाथ का मार्ग प्रशस्त हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, आज यह पावन भूमि भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान का उद्घोष कर रही है।
इस स्वर्णिम अवसर के साक्षी बनें
मुख्य गतिविधियां
कलश यात्रा | भजन संध्या | ॐकार मंत्र का जाप
सोमनाथ पुस्तिका में मंत्र लेखन | सोमनाथ से जुड़ी कथाओं का वाचन
श्री सोमनाथ मंदिर परिसर, प्रभास पाटन | 8 से 11 मई, 2026
"सोमनाथ आशा का वह गीत है जो हमें सिखाता है कि सृजन की शक्ति विनाश से कहीं अधिक प्रबल होती है।"
प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी (अध्यक्ष, श्री सोमनाथ ट्रस्ट)
सोमनाथ की दिव्यता एवं भव्यता में दें योगदान और बनें गौरवशाली इतिहास का हिस्सा।
स्कैन करें।
मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी
D-11020/26

वर्ष 69 अंक 222 पृष्ठ 12
भोपाल, सोमवार 11 मई, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 09, विक्रम संवत् 2083
महानगर मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

राजनीति इतनी गंभीर चीज है कि इसे केवल राजनेताओं के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता।
- चार्ल्स द गुले

अब विजय तमिलनाडु के मास्टर

सीएम व नौ मंत्रियों ने ली शपथ, फिलहाल सहयोगी दलों को कैबिनेट में जगह नहीं, कल शाम तक फ्लोर टेस्ट

चेन्नई, जेएनएन। अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'मास्टर' से करोड़ों दर्शकों के दिलों पर राज करने वाले सी जोसेफ विजय अब तमिलनाडु की राजनीति के भी 'मास्टर' बन गए हैं। पर्दे पर सिस्टम से लड़ने वाले विजय ने रविवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर असली सत्ता की कमान संभाल ली है। अभिनेता से नेता बने विजय ने शपथ लेते ही साफ संकेत दे दिए कि उनकी सरकार सख्त फैसलों और मजबूत नेतृत्व के साथ आगे बढ़ेगी। 200 यूनिट मुफ्त बिजली, महिला सुरक्षा बल और एंटी-ड्रग्स तंत्र जैसे बड़े फैसलों के साथ उन्होंने अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत की, जबकि अपने पहले भाषण में यह कहकर कड़ा संदेश भी दिया कि 'सत्ता का सिर्फ एक केंद्र होगा और वो मैं हूं।'

विजय के साथ टीवीके के 9 विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली। इनमें एन आनंद, आधव अर्जुन, डॉ. केजी अरुणराज, केए सेंगोट्टैयन, पी वेंकटरमणन, आर निर्मलकुमार, राजमोहन, डॉ. टीके प्रभु और सेल्वी एस कीर्तना शामिल हैं। फिलहाल सहयोगी दलों के किसी भी विधायक को मंत्रिमंडल में जगह नहीं दी गई है। विजय की अगुवाई वाले गठबंधन में कांग्रेस, सीपीआई, सीपीएम, वीसीके और आईयूएमएल शामिल हैं। अब विजय को 13 मई से पहले विधानसभा में बहुमत साबित करना होगा।

पद संभालने के बाद विजय ने अपने पहले सार्वजनिक संबोधन में बेहद सख्त राजनीतिक संदेश भी दिया। उन्होंने कहा, 'अब कोई यह न सोचे कि सत्ता में आने के बाद मनमानी कर सकते हैं। ऐसी सोच दिमाग से निकाल दें। सत्ता का सिर्फ एक केंद्र होगा और वो मैं हूं।'

शपथ लेते ही किए 3 बड़े ऐलान

- घरेलू उपभोक्ताओं को मिलेगी 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली
- महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष सुरक्षा बल और हेल्पलाइन
- पूरे राज्य में नशे के खिलाफ विशेष तंत्र बनाने का फैसला

"अब कोई यह न सोचे कि सत्ता में आने के बाद मनमानी कर सकते हैं। ऐसी सोच दिमाग से निकाल दें। सत्ता का सिर्फ एक केंद्र होगा और वो मैं हूं।"

बोले- गरीबी और भूख देखी है

अपने भाषण में विजय ने खुद को आम लोगों से जोड़ने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि वे किसी राजघराने या बड़े राजनीतिक परिवार से नहीं आते। उन्होंने अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए कहा कि उन्होंने गरीबी और भूख दोनों देखी हैं। विजय ने कहा, 'मैं एक सहायक निर्देशक के बेटे के रूप में बड़ा हुआ हूं। मैंने अपमान और मुश्किलें देखी हैं। मैं आपका बेटा हूं, आपका भाई हूं। आपने मुझे अपने दिल में जगह दी।'

भावुक हुए माता-पिता

- तमिलनाडु की राजनीति में नेता आमतौर पर पारंपरिक वेष्टी और सफेद शर्ट पहनकर शपथ लेते रहे हैं। लेकिन विजय ने इस परंपरा को तोड़ते हुए मॉडर्न फॉर्मल लुक चुना। वे सफेद शर्ट और ब्लैक पैंट पहनकर समारोह में पहुंचे।
- विजय के शपथ लेते समय उनके माता-पिता बेहद भावुक नजर आए। दोनों हाथ जोड़कर बेटे को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते हुए सुनते रहे।
- विजय के पिता एसए चंद्रशेखर तमिल फिल्मों के प्रसिद्ध निर्देशक और निर्माता हैं। उनकी मां शोभा चंद्रशेखर जानी-मानी गायिका और लेखिका हैं।
- तमिलनाडु की राजनीति में आमतौर पर शपथ समारोह खुले मैदान या राजभवन परिसर में आयोजित होते रहे हैं। लेकिन इस बार पहली बार किसी सरकार ने स्टेडियम को चुना।

पिछली सरकार पर कर्ज का आरोप

मुख्यमंत्री बनने के बाद विजय ने पूर्ववर्ती द्रमुक सरकार पर राज्य को आर्थिक संकट में छोड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार जल्द ही तमिलनाडु की वित्तीय स्थिति पर श्वेत पत्र जारी करेगी। विजय ने दावा किया कि पिछली सरकार राज्य पर 10 लाख करोड़ रुपये का कर्ज छोड़ गई है। उन्होंने कहा, 'राज्य बहुत खराब हालत में छोड़ा गया है। हम सबसे पहले वित्तीय स्थिति का श्वेत पत्र जारी करेंगे।' उन्होंने कहा कि उनकी सरकार पारदर्शी प्रशासन देगी और जनता के पैसे की लूट नहीं होने देगी।

शपथ के दौरान राज्यपाल ने टोका

शपथ ग्रहण समारोह के दौरान एक दिलचस्प घटना भी देखने को मिली। विजय शपथ के निर्धारित शब्दों से आगे बढ़कर चुनावी सभा की तरह भाषण देने लगे। इस पर तमिलनाडु के राज्यपाल ने उन्हें बीच में रोकते हुए कहा कि वे केवल वही पढ़ें जो शपथपत्र में लिखा हुआ है। इसके बाद विजय ने सिर हिलाकर सहमति जताई और आधिकारिक शपथ पूरी की। उन्होंने शपथ के बाद तुरंत पद भार ग्रहण किया। इसके बाद उन्होंने अपने आधिकारिक भाषण में 'झूठे वादे' न करने का भी वादा किया।

राहुल गांधी भी समारोह में पहुंचे

समारोह में राहुल गांधी की मौजूदगी खास रही। कांग्रेस ने टीवीके सरकार को समर्थन दिया है। दोनों नेताओं की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुईं।

त्रिची ईस्ट सीट से दिया इस्तीफा

विजय ने पद संभालने के बाद तिरुचिरापल्ली ईस्ट (त्रिची ईस्ट) विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया है। अब वे पेरम्बूर सीट को अपने मुख्य निर्वाचन क्षेत्र के रूप में बनाए रखेंगे। विजय के इस्तीफे के बाद त्रिची ईस्ट सीट पर अगले छह महीने के भीतर उपचुनाव कराया जाएगा।

'वर्चुअल वॉरियर्स' को शुक्रिया कहा

अपने भाषण में विजय ने डिजिटल अभियान चलाने वाले समर्थकों को 'वर्चुअल वॉरियर्स' कहकर धन्यवाद दिया। उन्होंने राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, डी राजा और थोल तिरुमावलवन सहित सहयोगी नेताओं का नाम लेकर आभार जताया। तमिलनाडु में विजय का शपथ ग्रहण सिर्फ राजनीतिक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक बड़े जनउत्सव जैसा नजर आया। फिल्मी दुनिया की चमक, राजनीतिक जोश और समर्थकों की भारी भीड़ ने समारोह को ऐतिहासिक बना दिया। सुबह से ही स्टेडियम में तमिलगा वेट्टी कझगम यानी टीवीके कार्यकर्ताओं, फिल्म प्रशंसकों और सहयोगी दलों के नेताओं की भीड़ उमड़ने लगी थी।

केरलम: सीएम के चेहरे पर घमासान

सड़कों पर आई कांग्रेस की गुटबाजी, राहुल गांधी नाराज

तिरुवनंतपुरम, जेएनएन। केरलम में भारी जीत के बाद भी कांग्रेस मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर उलझन में फंस गई है। पार्टी नेतृत्व नई दिल्ली में हुई लंबी बैठक के बाद भी किसी एक नाम पर सहमति नहीं बना सका। मुख्यमंत्री पद की दौड़ में नेता प्रतिपक्ष वीडी सतीशन, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला अपने-अपने दावे पर अड़े हुए हैं।

सूत्रों के मुताबिक, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी इस गुटबाजी से बेहद नाराज हैं। उन्होंने नेताओं से कहा कि भारी जनादेश मिलने के बाद इस तरह का शक्ति प्रदर्शन जनता के फैसले का अपमान है। पार्टी नेतृत्व तीनों नेताओं को सड़क पर शक्ति प्रदर्शन रोकने के लिए मनाने में सफल रहा। बैठक के बाद तीनों नेताओं और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सन्नी जोसेफ ने संयुक्त अपील जारी कर कार्यकर्ताओं से प्रदर्शन बंद करने को कहा। वी डी सतीशन ने समर्थकों से राज्यभर में लगाए गए पोस्टर और बैनर हटाने की अपील भी की। उन्होंने कथित तौर पर कहा कि यदि उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया तो वे कोई दूसरा पद स्वीकार नहीं करेंगे।

केसी वेणुगोपाल | वीडी सतीशन | रमेश चेन्निथला

मुख्यमंत्री पद के तीन दावेदार

- केसी वेणुगोपाल को कांग्रेस विधायक दल के अधिकांश विधायकों का समर्थन हासिल है।
- रमेश चेन्निथला ने वरिष्ठता के आधार पर दावा पेश किया है।
- सतीशन का कहना है कि उन्हें सहयोगी दलों और जनता का व्यापक समर्थन प्राप्त है।

असम: हिमंता फिर बनेंगे सीएम, कल लेंगे शपथ

गुवाहाटी, जेएनएन। असम में हिमंता बिस्व सरमा लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। रविवार को भाजपा विधायक दल की बैठक में उनके नाम पर औपचारिक मुहर लग गई। पूर्व भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने विधायक दल की बैठक में हिमंता के नाम का ऐलान किया। वे 12 मई को सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

4 मई को आए विधानसभा चुनाव परिणामों में भारतीय जनता पार्टी ने 126 सदस्यीय विधानसभा में 82 सीटें जीतकर शानदार बहुमत हासिल किया था। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन ने राज्य में मजबूत प्रदर्शन किया है। शपथ ग्रहण समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी, भाजपा के वरिष्ठ नेताओं समेत एनडीए के कई प्रमुख सहयोगी शामिल होंगे। असम भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने कहा कि पार्टी जल्द ही राज्यपाल को सरकार गठन का दावा पेश करेगी।

पुडुचेरी: फिर रंगासामी सरकार, 13 को शपथ

पुडुचेरी, जेएनएन। केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में एक बार फिर एन रंगासामी के नेतृत्व में एनडीए सरकार बनने जा रही है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रंगासामी को पुडुचेरी का मुख्यमंत्री नियुक्त कर दिया है। गृह मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि उनकी नियुक्ति शपथ ग्रहण की तारीख से प्रभावी होगी। सूत्रों के मुताबिक, एन रंगासामी 13 मई को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। केंद्र सरकार की अधिसूचना जारी होने के बाद पुडुचेरी के उपराज्यपाल के कैलाशनाथन ने उन्हें सरकार बनाने का औपचारिक न्योता दे दिया है। इससे पहले रंगासामी ने उपराज्यपाल से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया था। मुख्यमंत्री के रूप में यह उनका पांचवां कार्यकाल होगा। इससे पहले भी वे चार बार पुडुचेरी की सरकार का नेतृत्व कर चुके हैं। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिला था।

बरगी क्रूज हादसा

अब न्यायिक आयोग करेगा हादसे की जांच

क्रूज संचालन के लिए एसओपी भी बनाएगा आयोग

विशेष प्रतिनिधि, भोपाल। बरगी क्रूज हादसे की विस्तृत जांच करने के लिए राज्य सरकार ने एक सदस्यीय न्यायिक आयोग का गठन किया है। हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज संजय द्विवेदी हादसे के कारणों की जांच करेंगे। यह जांच पांच बिंदुओं पर होगी। जस्टिस द्विवेदी तीन माह में रिपोर्ट सरकार को सौंपेंगे। इसमें हादसे के कारणों, जिम्मेदारी और बचाव कार्यों के साथ ही प्रदेश में पर्यटन स्थलों पर क्रूज, बोट संचालन सहित जल क्रीड़ा गतिविधियों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) भी शामिल होगी।

ये होंगे जांच के बिंदु

कारण और जवाबदेही: वास्तविक कारणों की जांच करना और जवाबदेही का निर्धारण करना।

बचाव कार्य की समीक्षा: दुर्घटना के दौरान और बाद में किए गए बचाव उपायों और राहत कार्यों की समीक्षा।

सुरक्षा ऑडिट: प्रदेश में संचालित सभी नौकाओं, क्रूज और जल क्रीड़ा गतिविधियों का ऑडिट। गाइडलाइंस व्यवस्था देखना।

मानक प्रक्रिया: सुरक्षित नौकायन संचालन और रखरखाव के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) बनाना।

त्वरित प्रतिक्रिया दल: जल परिवहन और पर्यटन वाले सभी स्थानों पर क्विक रिस्पांस टीम के गठन की व्यवस्था सुनिश्चित करना।

आईएसआई से जुड़े प्रदेश के तीन युवक गिरफ्तार

मंदिर, ढाबा और सैन्य कैंप पर थी हमले की साजिश

भोपाल, जेएनएन। प्रदेश के टीकमगढ़ और ग्वालियर से दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि ये युवक पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े मॉड्यूल के संपर्क में थे और दिल्ली के एक ऐतिहासिक मंदिर, दिल्ली-सोनीपत हाईवे के एक प्रसिद्ध ढाबे तथा हरियाणा के सैन्य कैंप पर हमले की साजिश रच रहे थे।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान टीकमगढ़ जिले के नेगुवां निवासी 24 वर्षीय अनमोल राय, ग्वालियर के डबरा निवासी 21 वर्षीय राजवीर और 19 वर्षीय विवेक बंजारा के रूप में हुई है। दिल्ली पुलिस की टीम शुक्रवार रात तीनों को उनके गांवों से पकड़कर दिल्ली ले गई।

पुलिस के अनुसार तीनों आरोपी गरीब परिवारों से आते हैं और दिल्ली में मजदूरी कर चुके हैं। उनके मोबाइल फोन से संदिग्ध ई-मेल, ऑडियो-वीडियो कॉल रिकॉर्ड और पाकिस्तान से जुड़े नंबरों के संपर्क मिले हैं। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि इन युवकों को आतंकी गतिविधियों से जोड़ने के बदले क्या रकम या अन्य मदद मिली थी। पुलिस मॉड्यूल की फंडिंग, सीमा पार नेटवर्क और स्थानीय संपर्कों की भी जांच कर रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश के कुछ थाने भी इस मॉड्यूल के निशाने पर थे। आरोपियों से पूछताछ के आधार पर अब अन्य संभावित सहयोगियों की तलाश की जा रही है।

ढाबे पर ग्रेनेड हमले की योजना

जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपियों को दिल्ली-सोनीपत हाईवे के एक मशहूर ढाबे पर ग्रेनेड हमला करने का टास्क दिया गया था। यह ढाबा हर दिन हजारों लोगों की आवाजाही वाला स्थान माना जाता है। एजेंसियों का मानना है कि हमले का मकसद बड़े पैमाने पर जनहानि करना था। इसके अलावा हरियाणा के हिसार स्थित एक सैन्य कैंप की भी रेकी की गई थी। आरोपियों ने कैंप और आसपास के इलाकों के वीडियो बनाकर पाकिस्तान भेजे थे।

गैंग बस्ट ऑपरेशन 2.0 का खुलासा, अब तक देश भर से 9 गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने हाल ही में 'गैंग बस्ट ऑपरेशन 2.0' के तहत कई राज्यों से शाहजाद भट्टी मॉड्यूल से जुड़े 9 संदिग्ध ऑपरेटिव्स को गिरफ्तार किया था। इन्हीं से पूछताछ के दौरान मध्यप्रदेश के इन तीन युवकों की भूमिका सामने आई। स्पेशल सेल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद कुशवाहा के मुताबिक, आरोपियों ने दिल्ली के एक ऐतिहासिक मंदिर की रेकी की थी। मंदिर परिसर, सुरक्षा व्यवस्था और आसपास के इलाकों की तस्वीरें सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स को भेजी गई थीं। पुलिस के अनुसार, साजिश का मकसद मंदिर परिसर में तैनात सुरक्षाबलों को निशाना बनाना और फायरिंग कर दहशत फैलाना था।

3 आईपीएस के तबादले, बागरी बुरहानपुर के नये कप्तान

विशेष संवाददाता, भोपाल। भारतीय पुलिस सेवा के थोक बंद तबादले में खाली रहे बुरहानपुर में भी राज्य शासन ने नया पुलिस कप्तान नियुक्त कर दिया है। वर्ष 2015 बैच के आईपीएस आशुतोष बागरी वहां के नए पुलिस अधीक्षक होंगे। गृह विभाग ने रविवार को जारी आदेश में तीन पुलिस अधिकारियों के तबादले किए हैं। इसमें उप पुलिस महानिरीक्षक, सेनानी दूसरी वाहिनी विसबल ग्वालियर राकेश सगर को उप पुलिस महानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय भोपाल, सेनानी 17 वी वाहिनी विसबल भिंड आशुतोष बागरी को बुरहानपुर और विदिता डागर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्वालियर को सेनानी, दूसरी वाहिनी विसबल ग्वालियर के पद पर पदस्थ किया गया है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने इस महीने के पहले सप्ताह में पुलिस अफसरों के व्यापक स्तर पर तबादले किए थे। इनमें बुरहानपुर में पुलिस अधीक्षक रहे देवेंद्र पाटीदार को झाबुआ स्थानांतरित कर दिया गया था, लेकिन किसी अधिकारी की वहां पदस्थापना नहीं की थी। तकरीबन एक सप्ताह के बाद गृह मंत्रालय ने आदेश जारी कर बुरहानपुर एसपी की पदस्थापना कर दी है।

राकेश सगर | विदिता डागर | आशुतोष बागरी

सागर आईजी पद अभी भी खाली

इस फेरबदल में सागर पुलिस महानिरीक्षक के पद पर किसी भी अधिकारी की पदस्थापना नहीं की गई है। यहां आईजी रही हिमानी खन्ना के सेवानिवृत्त होने के एक माह से भी ज्यादा समय के बाद भी नई पदस्थापना नहीं हुई है। अभी भी नर्मदापुरम के पुलिस महानिरीक्षक मिथिलेश शुक्ला के पास सागर जोन का अतिरिक्त प्रभार है। ऐसे में माना जा रहा है कि गृह विभाग जल्द ही एक और सूची जारी कर सकती है, जिसमें कुछ जोन स्तर के अधिकारियों के तबादले किए जा सकते हैं।

हुगली में टीएमसी नेता की पीट-पीटकर हत्या

कोलकाता, जेएनएन। पश्चिम बंगाल के हुगली के गोघाट में एक पंचायत सदस्य के पति की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। रविवार सुबह उनका शव पार्टी कार्यालय के पीछे नाले से मिला, जिसके बाद इलाके में तनाव फैल गया। मृतक की पहचान सहदेव बाग के रूप में हुई है। वे कुंडु पंचायत की टीएमसी सदस्य चायना बाग के पति थे। बताया जा रहा है कि सहदेव शनिवार रात से लापता थे। रविवार सुबह स्थानीय लोगों ने पार्टी दफ्तर के पीछे नाले में उनका शव देखा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस के मुताबिक, शव पर गंभीर चोटों के निशान मिले हैं। घटनास्थल से एक मुगदर यानी भारी लकड़ी का डंडा भी बरामद हुआ है।

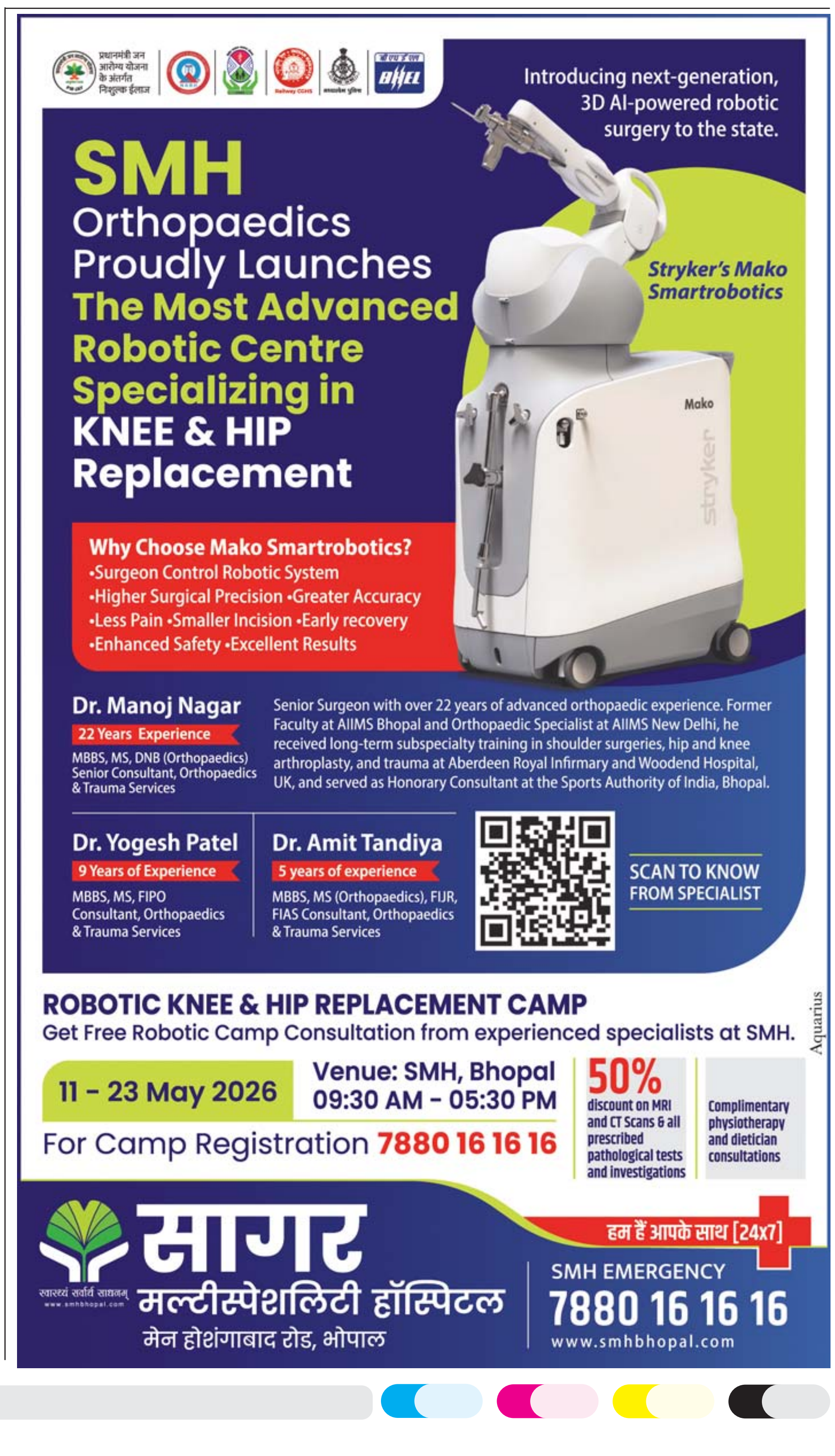

कान्स फेस्टिवल

दुनिया की नजरें फिर 78 साल पुराने सिनेमा के सबसे बड़े मंच पर

इस बार एशियाई और स्वतंत्र सिनेमा की धाक

कान्स, जेएनएन। दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों में शामिल कान्स फिल्म फेस्टिवल एक बार फिर शुरू होने जा रहा है। फ्रांस के समुद्री शहर कान्स में मंगलवार से शुरू हो रहे इस 12 दिवसीय महोत्सव पर पूरी दुनिया की नजरें टिकी होंगी। रेड कार्पेट, ग्लैमर, स्टार्स और बेहतरीन सिनेमा के लिए मशहूर यह फेस्टिवल पिछले 78 सालों से वैश्विक फिल्म उद्योग का सबसे बड़ा मंच माना जाता है।

हर साल की तरह इस बार भी दुनिया भर के निर्देशक अपनी सबसे चर्चित और महत्वाकांक्षी फिल्मों के साथ यहां पहुंच रहे हैं। हालांकि इस बार हॉलीवुड स्टूडियो अपेक्षाकृत कम सक्रिय नजर आ रहे हैं, लेकिन यूरोपीय, एशियाई और स्वतंत्र सिनेमा की मजबूत मौजूदगी ने फिल्म समीक्षकों और दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। बीते सालों में यहां से निकली कई फिल्मों ने ऑस्कर तक का सफर तय किया है। 'पैरासाइट' और 'अनोरा' जैसी फिल्मों ने कान्स से शुरुआत कर बाद में एकेडमी अवॉर्ड्स में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का खिताब जीता था। ऐसे में इस साल भी कई नई फिल्मों को ऑस्कर दावेदार माना जा रहा है।

फेस्टिवल के दौरान सिर्फ फिल्में ही नहीं बल्कि लोकप्रिय सीरीज 'द व्हाइट लोटस' भी चर्चा में है। इसकी चौथे सीजन की शूटिंग कान्स के प्रसिद्ध समुद्री तट क्रोइसेट पर की जा रही है।

जापानी निर्देशक हिरोकाजू कोरे-इडा की नई साइंस-फिक्शन फिल्म 'शीप इन द बॉक्स' में एक ऐसे दंपती की कहानी दिखाई गई है जो अपने बेटे की मौत के बाद एक मानवरूपी रोबोट को गोद लेते हैं। निर्देशक ईरा सास की 'द मैन आई लव' में अभिनेता रामी मलेक ऐसे कलाकार की भूमिका निभा रहे हैं जो गंभीर बीमारी से जूझते हुए अपने अंतिम मंच प्रदर्शन की तैयारी करता है। स्पेनिश निर्देशक पेद्रो अल्मोदोवार इस बार 'बिटर क्रिसमस' के साथ वापसी कर रहे हैं। यह फिल्म फिल्म निर्माण, अकेलेपन, उम्र और दुख जैसे विषयों पर आधारित है।

पार्क चान-वूक करेंगे जूरी की अगुवाई

इस बार फेस्टिवल की मुख्य जूरी की अध्यक्षता दक्षिण कोरियाई निर्देशक पार्क चान-वूक कर रहे हैं। वहीं उद्घाटन समारोह में मशहूर निर्देशक पीटर जैक्सन को मानद पाल्मे डीओर से सम्मानित किया जाएगा। बाद में यह सम्मान दिग्गज गायिका और अभिनेत्री बारबरा स्ट्रीसेंड को भी दिया जाएगा।

इन फिल्मों पर सबसे ज्यादा नजर

- दक्षिण कोरिया के निर्देशक ना हॉन्ग-जिन की फिल्म होप को इस साल की सबसे रहस्यमयी फिल्मों में गिना जा रहा है।
- अमेरिकी निर्देशक जेम्स ग्रे की फिल्म पेपर टाइगर भी काफी चर्चा में है। न्यूयॉर्क के क्वींस इलाके की पृष्ठभूमि पर बनी इस फिल्म में दो भाइयों की कहानी दिखाई गई है।
- रोमानियाई निर्देशक क्रिस्टीन मैन्ग्यू की 'फोर्ड' ऐसे दंपती की कहानी है जो नॉर्वे के दूरदराज इलाके में जाकर बसते हैं।
- पोलैंड के निर्देशक पावेल पावलिवस्की अपनी ब्लैक एंड व्हाइट फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उनकी नई फिल्म फादरलैंड द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की कहानी पर आधारित है।
- फ्रांसीसी निर्देशक आर्थर हरारी की फिल्म द अन्नोर भी खास आकर्षण मानी जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा का दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग 16 से

विसं भोपाल। भोपाल नगर भाजपा का प्रशिक्षण वर्ग 16 और 17 मई को कोलू खेड़ी में आहुत होगा,जिसे लेकर रविवार को प्रदेश कार्यालय में बैठक हुई। जिसमें वर्ग की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। बैठक में जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति,प्रभारी जसवंत हाड़ा और प्रशिक्षण वर्ग प्रमुख श्याम सुंदर शर्मा ने अपनी-अपनी बातें रखी। यति ने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग में अनुशासन.व्यवस्थाओं एवं कार्यकर्ता सहभागिता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है,ताकि कार्यक्रम सफल एवं प्रेरणादायी बन सके। प्रभारी हाड़ा ने कहा कि प्रशिक्षण केवल कार्यक्रम नहीं,बल्कि कार्यकर्ताओं के व्यक्तित्व निर्माण एवं संगठन विस्तार का सशक्त माध्यम है। प्रत्येक कार्यकर्ता प्रशिक्षण के माध्यम से संगठन की विचाराधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेगा। बैठक में महापौर मालती राय,पूर्व महामंत्री जगदीश यादव,जिला मीडिया प्रभारी राजेन्द्र गुप्ता सहित दूसरे पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सीएम आज कूनो से दो मादा चीतों को जंगल में छोड़ेंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 11 मई सोमवार को श्योपुर में कूनो नेशनल पार्क के क्वारंटीन बाड़े से दो मादा चीतों को सुबह कूनो नदी के समीप स्थित साइट से खुले जंगल में मुक्त करेंगे। साथ ही कूनो नेशनल पार्क का भ्रमण भी करेंगे। डॉ. यादव द्वारा दो चीतों को खुले जंगल में छोड़े जाने का यह कार्यक्रम 'प्रोजेक्ट चीता' को नई गति प्रदान करेगा तथा भारत के वन्यजीव संरक्षण इतिहास में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ेगा। बोत्सवाना से लाए गए नौ चीतों ने अपनी क्वारंटीन अवधि सफलतापूर्वक पूर्ण कर ली है। इसके बाद उन्हें छोटे बाड़ों में रखा गया था, ताकि वे स्वयं को स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप ढाल सकें। अब इनमें से दो चीतों को पूर्णतः खुले जंगल में मुक्त किये जाने की तैयारी पूरी कर ली गई है।

विद्युत वितरण कंपनी का सम्पर्क अभियान 14 मई से

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी शिकायतों के त्वरित समाधान और बिजली संबंधी सेवाएं उनके परिसर के नजदीक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 14 मई से पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र में सम्पर्क अभियान 2026 का शुभारंभ किया जा रहा है। 12 माह तक चलने वाले इस विशेष अभियान के तहत विभिन्न स्थानों पर शिविर आयोजित कर उपभोक्ताओं को एक ही स्थान पर विभिन्न सेवाएं प्रदान की जाएंगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं के साथ सीधा संवाद स्थापित कर उनको त्वरित सेवाएं और समाधान उपलब्ध कराते हुए उपभोक्ता संतुष्टि में वृद्धि करना है। संपर्क अभियान के दौरान आयोजित किए जाने वाले शिविरों में उपभोक्ताओं को त्रुटिपूर्ण बिल, मीटर रीडिंग और अन्य बिलिंग संबंधी शिकायतों का तत्काल निराकरण किया जाएगा। साथ ही मात्र 5 रुपये में नवीन ग्रामीण घरेलू एवं कृषि पम्प कनेक्शन प्रदान किये जाएंगे।

पंजाब के बाद सर्वाधिक गेहूं उपार्जन करेगा मध्यप्रदेश

भोपाल। देश में गेहूं उपार्जन के मामले में मध्यप्रदेश अब लगातार आगे बढ़ रहा है। इस वर्ष पंजाब के बाद सर्वाधिक गेहूं उपार्जन मध्यप्रदेश में होने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रदेश में हो रहे गेहूं उपार्जन की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। जानकारी के अनुसार अब तक 10 लाख से अधिक किसानों से 63 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं का उपार्जन किया जा चुका है। प्रतिदिन लगभग 5 लाख मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया जा रहा है। केन्द्र सरकार ने 78 लाख मीट्रिक टन गेहूँ के उपार्जन लक्ष्य को 100 लाख मीट्रिक टन कर दिया गया है। गेहूँ का उपार्जन 23 मई तक किया जायेगा। अभी तक 14 लाख 83 हजार किसानों द्वारा गेहूँ उपार्जन के लिये स्लॉट बुकिंग कराई जा चुकी है।

सरकार के भरोसे आर्थिक तौर पर कमजोर एक दर्जन निगम

प्रदेश के 16 नगर निगमों को ए, बी और सी कैटागिरी में बांटा गया, इसी आधार पर सरकार से मिलता है अनुदान

विशेष संवाददाता, भोपाल। विकसित मध्यप्रदेश की ओर दौड़ लगा रहे राज्य की नगर सरकारें आर्थिक रूप से बेहद कमजोर हैं। एक दर्जन से ज्यादा ऐसे नगर निगम हैं, जिनके पास अपने कर्मचारियों को वेतन देने के भी लाले पड़ते रहते हैं। सरकार ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए कुछ टिप्स भी दिए, लेकिन स्थानीय स्तर पर वोट कटने के डर से निकाय जनप्रतिनिधि उस पर काम नहीं कर पा रहे हैं। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में 16 नगर निगम हैं, जिन्हें ए, बी और सी कैटागिरी में बांटा गया है। सरकार इसी आधार और इन निकायों को अनुदान भी उपलब्ध कराती है। इनमें प्रदेश के महानगरों को छोड़ दे, तो एक दर्जन से ज्यादा नगर निगमों की माली हालत खस्ता है। इनमें से कुछ निकायों में पदस्थ अधिकारी कर्मचारियों को तभी वेतन मिल पाता है, जब राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली अनुदान राशि उनके खातों में जाती है। इतना ही नहीं इन निकायों को अपने दैनिक कार्यों और विकास कार्यों के लिए भी राज्य सरकार के अनुदान पर निर्भर रहना पड़ता है।कई निकायों की स्थिति तो ऐसी है कि उन्हें अपनी बिजली का बिल जमा करने के लिए सरकार की तरफ देखना पड़ता है। निकायों की आय का सबसे बड़ा जरिया नगर में संपत्ति कर होता है, लेकिन कटनी, रतलाम व कुछ दूसरे निगमों को छोड़ दें, तो सभी अपनी राजस्व (आय) से परिचलन व्यय निकालने में असमर्थ हैं। ऐसे में निकाय अवैध कालोनियों को वैध करने के एवज में विकास कार्यों के लिए विशेष अनुदान सरकार से मांगती रहते है।

हर साल मिलता है अनुदान

राज्य सरकार प्रदेश के नगर निकायों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ अधोसंरचना विकास और मूलभूत सुविधाओं के लिए हर साल अनुदान देती है। पिछले दो वित्तीय वर्षो के आंकड़ो के अनुसार अनुदान की राशि राज्य वित्त आयोग और केंद्र सरकार की अनुशंसा पर निर्भर रहती है।

निकायों के आय के स्रोत

- संपत्ति कर (राजस्व)
- जल शुल्क
- निगम की दुकानों का किराया
- ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रभार
- स्मार्ट सिटी विकास बजट
- अमृत योजना की राशि
- **प्रोत्साहन राशिः** यह राशि निकायों को अपने राजस्व में वृद्धि करने पर पुरस्कार के तौर पर दी जाती है। बीते वित्तीय वर्ष में इसके लिए राज्य सरकार ने विभाग के बजट में 29 करोड़ 4 लाख रुपए का प्रावधान किया था।

इतना बजट दे रही राज्य सरकार

मध्यप्रदेश सरकार ने अपने वित्तीय बजट में शहरी निकायों के लिए बड़ा फंड आवंटित किया है। सरकार ने शहरी विकास के लिए लगभग 21.562 करोड़ का प्रावधान है। यह राशि मेट्रो, ई-बसें, स्मार्ट सिटी में खर्च की जाएगी। इसी तरह आधारभूत संरचना के लिए भी राज्य सरकार ने राशि तय की है। नई श्रद्धा नगर योजना के तहत वार्ड-स्तरीय विकास के लिए अगले 3 वर्षो में निकायों में5 करोड़ के निवेश का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा राज्य सरकार ने पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 157 करोड़ की एक मुश्त अनुदान दिया था, जिसमें इस साल वृद्धि होने की संभावना है।

इसलिए बिगड़ी वित्तीय हालत

संपत्ति कर में कमीः ग्वालियर नगर निगम सहित दूसरी निकायों में संपत्ति कर वसूली में निरंतरा का अभाव, ग्वालियर में 300 करोड़ से ज्यादा की संपत्तिकर की राशि लंबे समय से नहीं वसूली की गई। इसी तरह कई निगमों से संपत्तियों का सही सर्वे न होने के कारण टैक्स का दायरा बहुंत छोटा है, जिससे संभावित आय प्राप्त नहीं हो पाती।

बेतन व पेंशनः नगर निगमों का 70 प्रतिशत से अधिक राजस्व कर्मचारियों के वेतन, पेंशन और कचरा कलेक्शन गाड़ियों जैसे नियमित खर्चों में चला जाता है। इससे विकास कार्यों के लिए बहुत कम पैसा बचता है। कई निकाय बिजली का बिल तक भरने में असमर्थ है। जिससे वे लगातार कर्ज में डूब रहे है। रीवा नगर निगम को चुंगी क्षति पूर्ति के तौर पर 2 करोड़ 75 लाख रुपए दिए गए,इसमें से सरकार ने 1 करोड़ 95 लाख बकाया बिजली बिल के हिस्से का काट लिया। रीवा सहित दूसरे निकायों को हुडको द्वारा लिए गए ऋण का ब्याज भी चुकाना पड़ रहा है।

निकायों का इस साल का बजट

- बुरहानपुर नगर निगम की माली हालत बेहद खराब है। मौजूदा वित्तीय वर्ष में नगर निगम का बजट 350 करोड़ प्रस्तावित किया गया है।
- सिंगरौली नगर निगम के लिए वित्त वर्ष 2026-27 में 305.60 करोड़ का बजट प्रस्तावित किया गया है। इस बजट में 238.05 करोड़ की आय की बात भी कही गई है।
- छिंदवाड़ा नगर निगम ने मौजूदा वित्तीय वर्ष के लिए 305.95 करोड़ का बजट प्रस्तावित किया है।
- सतना नगर निगम ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 4 अरब 66 करोड़ 66 लाख का बजट प्रस्तावित किया है। इसमें 19.66 करोड़ का घाटा दिखाया गया है। सरकार द्वारा आमदनी बढ़ाने की सलाह के बाद भी सतना नगर निगम ने संपत्ति कर में बढ़ोत्तरी का प्रस्ताव वापस ले लिया।

नियुक्ति नाचः 3 महीने में ज्वाइन न करो तो नियम दिखाकर चयन रद्द कर देता है डीपीआई, खुद 10 महीने से नचा रहा

संगीत शिक्षकों का दर्दः तीन साल में दो परीक्षा दे चुके हैं, चयनित हो गए मगर नियुक्ति नहीं मिली

विशेष प्रतिनिधि, भोपाल। शिक्षकों के खाली पदों और बगैर शिक्षकों के स्कूलों के मामले में प्रदेश पूरे देश में नंबर वन पर कैसे आ गया? इसका जीते-जागते जवाब हैं चयनित संगीत शिक्षक। लोक शिक्षण संचालनालय इन चयनित शिक्षकों को बीते 10 माह से ज्वाइनिंग के नाम पर नचा रहा है। डीपीआई के परीक्षा नियम को देखें तो इसमें साफ है कि कोई चयनित शिक्षक यदि 3 महीने के अंदर ज्वाइनिंग नहीं देता है तो उसका चयन रद्द कर दिया जाएगा। अन्य विषयों के चयनित शिक्षकों को यही नियम दिखाकर डीपीआई मुसीबत में डाल चुका है। मगर खुद दस महीने से कोई नियम मानने को तैयार नहीं है। इससे अब चयन होने के बाद सैकड़ों अभ्यर्थी चक्कर काटने को मजबूर हैं। इन चयनित शिक्षकों का दर्द शिक्षा विभाग के दोहरेपन के साथ संगीत को लेकर विभाग की उदासीनता भी दिखाता है। अव्वल तो संगीत शिक्षक बनने के लिए प्रदेश के युवाओं को 18 साल की लंबी साधना करना पड़ी। विभाग ने बीते 18 सालों में जब भी शिक्षक भर्ती निकाली,

उसमें संगीत को छोड़ दिया गया। न गायन-वादन के पद निकाले और न नृत्य के। इससे संगीत शिक्षक बनने वालों की साधना भी बढ़ती ही चली गई। 18 साल तक प्रेक्टिस करने के बाद 2022 में विभाग ने माध्यमिक और प्राथमिक संगीत शिक्षकों के पद निकाले। विज्ञापन जारी होने के बाद हजारों युवाओं ने आवेदन किया। आवेदन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद विभाग ने कर्मचारी चयन मंडल ईएसबी के माध्यम से 2023 में पात्रता परीक्षा आयोजित की गई। पात्र उम्मीदवारों की चयन परीक्षा अप्रैल 2025 में आयोजित की गई। सितंबर 2025 में चयन परीक्षा का परिणाम भी घोषित कर दिया गया। इसके बाद करीब एक हजार चयनित शिक्षकों को बार-बार दौड़ लगवाकर सभी के दस्तावेजों का सत्यापन भी विभाग ने करा लिया। मगर 10 महीने बाद भी विभाग अब तक ज्वाइनिंग लेटर जारी नहीं कर सका है। नियुक्ति पत्र जारी होने में लगातार हो रही देरी से पूरी परीक्षा विवादों में आ गई है। माध्यमिक शिक्षक (संगीत-गायन वादन) और प्राथमिक शिक्षक (संगीत-गायन वादन एवं नृत्य) भर्ती 2024 के चयनित अभ्यर्थी नियुक्ति की मांग कर रहे हैं। अपने भविष्य की चिंता में हजारों उम्मीदवार हर 15-20 दिन में भोपाल पहुंच जाते हैं। लोक शिक्षण संचालनालय के अफसरों के आगे गुहार लगाते हैं, लेकिन हर बार उन्हें अधिकारी आश्वासन देकर लौटा देते हैं। इससे इन युवा उम्मीदवारों की नाराजगी बढ़ती जा रही है। नियम पुस्तिका का हवाला देते हुए चयनित शिक्षक दोहरे मापदंड अपनाने का अरोप भी लगा रहे हैं।

यह भी है आरोप

विज्ञान, गणित, वाणिज्य व सामाजिक विज्ञान सहित प्रमुख विषयों के पद तो शिक्षा विभाग जल्दी-जल्दी निकाल देता है। इतना ही नहीं, अन्य विषयों के चयनित शिक्षकों की नियुक्ति भी विभाग कर चुका है। मगर संगीत शिक्षकों को लटकाया जा रहा है। जबकि सभी के पद एक साथ निकले थे, परीक्षा भी साथ हुई और दोनों परीक्षाओं के परिणाम भी साथ में आए थे। चयनित शिक्षकों का सवाल है कि उनकी नियुक्ति क्यों रोकी गई? हमें सिफ आश्वासन क्यों दिया जा रहा है।

आज फिर दर्ज कराएंगे विरोध

संगीत के चयनित शिक्षक 11 मई को फिर भोपाल पहुंचकर डीपीआई का घेराव करने वाले हैं। ये उम्मीदवार इसी साल 30 जनवरी, 16 फरवरी, 26 फरवरी, 18 मार्च, 1 अप्रैल, 17 अप्रैल और 6 मई को भी बड़ी संख्या में भोपाल पहुंचकर डीपीआई कार्यालय के सामने प्रदर्शन कर चुके हैं। अब इनकी चेतावनी है कि तत्काल नियुक्ति आदेश जारी नहीं किए गए तो उग्र आंदोलन कर संगीत शिक्षक अपना रुद्र रूप दिखाएंगे।

तीसरा पॉवर ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृतः तोमर

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने नर्मदापुरम जिले की विद्युत पारेषण व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए 132 केवी सब स्टेशन सेमरी हरचंद में तीसरे पॉवर ट्रांसफार्मर को सफलतापूर्वक स्थापित कर ऊर्जीकृत कर दिया है। तोमर ने बताया कि इस पॉवर ट्रांसफार्मर के चालू होने से विश्व प्रसिद्ध मड़ई वाइल्डलाइफ अभयारण्य सहित सेमरी हरचंद सबस्टेशन से जुड़े अनेक ग्रामीण एवं कृषि उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण और मानक वोल्टेज पर अधिक विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति हो सकेगी। एमपी ट्रांसको के अतिरिक्त मुख्य अभियंता राजेश शांडिल्य ने बताया कि इस क्षमता वृद्धि के बाद सेमरी हरचंद सब स्टेशन की कुल ट्रांसफार्मेशन क्षमता बढ़कर 100 एमवीए हो गई है। साथ ही नर्मदापुरम जिले की कुल स्थापित ट्रांसफार्मेशन क्षमता बढकर 2000 एमवीए के पार हो गई है। साथ ही 2015 एमवीए क्षमता के साथ जिले की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ एवं विश्वसनीय बनेगी।

संगठन मजबूत करने बसपा ने मैदान में उतारी अपनी टीम

भोपाल में दो दिन आयोजित हुई प्रदेश स्तरीय बैठक

विशेष संवाददाता, भोपाल। अगले निकाय चुनाव से पहले बहुजन समाज पार्टी राज्य में अपनी जमीनी पकड़ को और मजबूत बनाएगी। इसके लिए पार्टी ने अपने कार्यकर्ताओं को मैदान में उतार दिया है। प्रदेश प्रभारी राजाराम की मौजूदगी में भोपाल में दो दिनों तक इस पर मंथन किया गया। राज्य में बहुजन समाज पार्टी अपना खोया जनाधार पाने के लिए सक्रिय हो गई है। इसके लिए पूरे राज्यों को चार भागों में बंटा गया और वहां के लिए अलग-अलग प्रभारी बनाए गए है। प्रदेश प्रभारी राजाराम इन चारों क्षेत्रों में जाकर स्वयं संगठन की मजबूती के लिए कार्यकर्ताओं से जहां सीधे संवाद करेंगे,तो वहीं बुद्धिजीवियों और सामाजिक प्रमुखों के साथ बैठक कर पार्टी की विचाराधारा को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे। भोपाल में हुई दो दिनी बैठक में इस संबंध में चर्चा की गई। जिसके बाद ग्वालियर,रीवा,इंदौर और भोपाल के क्षेत्र के लिए अलग-अलग प्रभारियों की नियुक्ति की गई। पार्टी से जुड़े जानकारों के अनुसार

निकाय चुनावों से नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में काम किया जाएगा। इसके लिए पदों पर बैठे नेताओं को पूरी तरह से जमीन पर उतरने को कहा गया है। बताया जा रहा है कि क्षेत्र प्रभारियों की सक्रियता का फीडबैक प्रदेश प्रभारी राजाराम द्वारा नियमित तौर पर लिया जाएगा। अपेक्षित परिणाम नहीं आने पर संबंधित पदाधिकारी को बदला भी जा सकता है। बैठक में राजराम ने नेताओं और पदाधिकारियों को बताया कि वे ऐसे कार्यकर्ताओं पर नजर रखें, जो अपने क्षेत्र में सक्रिय रहते है और जिनका जनता से सीधा जुड़ाव है। इन कार्यकर्ताओं को अगले निकाय चुनाव में टिकट देकर मैदान में उतारा जाएगा।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस आज मनेगा

जागरण, भोपाल। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा सोमवार, 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का भव्य आयोजन किया जाएगा। विज्ञान भवन के मुख्य सभागार में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में भोपाल शहर के 27 प्रमुख शिक्षण संस्थानों के 250 से अधिक विद्यार्थी और शिक्षक सहभागिता करेंगे। मैपकास्ट की 'विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी लोकव्यापीकरण' योजना के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार और तकनीकी जागरूकता को प्रोत्साहित करना है। परिषद के कार्यकारी निदेशक डॉ. विवेक कटारे और विज्ञान लोकव्यापीकरण योजना के प्रभारी डॉ. विकास शेंडे विद्यार्थियों से संवाद करेंगे और भारत द्वारा विकसित स्वदेशी तकनीक के महत्व पर प्रकाश डालेंगे। कार्यक्रम में आधुनिक तकनीक और राष्ट्र निर्माण में विज्ञान की भूमिका पर विशेष व्याख्यान आयोजित किए जाएंगे। कोच डॉ. राजीव अग्रवाल और मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. विजय भास्कर सेमवाल उपस्थित रहेंगे। विशेषज्ञों द्वारा नवाचार के आयाम और चुनौतियों पर जानकारी दी जाएगी।

सामाजिक न्याय और आरक्षण की भावना को कमजोर कर रही है सरकारः पटवारी

संवैधानिक अधिकारों के लिए भटक रहे ओबीसी वर्ग के युवा, नहीं मिला 27 प्रतिशत आरक्षण

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि भाजपा सरकार के राज्य में ओबीसी वर्ग के युवा अपने संवैधानिक अधिकारों के लिए भटक रहे हैं। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम पर राजनीति करने वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार आज सामाजिक न्याय और आरक्षण की भावना को कमजोर करने का काम कर रही है।

पटवारी ने यह बातें अंबेडकर पार्क में 13 प्रतिशत होल्ड पदों को बहाल करने की मांग को लेकर राजधानी में धरना दे रहे अभ्यार्थियों से मिलने के बाद पत्रकारों से कही। उन्होंने कहा कि 45 डिग्री की भीषण गर्मी में ओबीसी वर्ग के युवाओं को सरकार के सामने गुहार लगानी पड़ रही है। कमलनाथ सरकार ने ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का निर्णय लिया था, लेकिन भाजपा की सरकार ने जानबूझकर इस आरक्षण को लागू नहीं होने दिया। सरकार द्वारा अदालत में प्रभावी पैरवी नहीं की गई,बार-बार वकीलों के पैनल बदले गए,कई बार सुनवाई को दौरान

सरकारी पक्ष के वकील उपस्थित तक नहीं हुए और ऑनलाइन पेशियों के माध्यम से मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया। यह स्थिति पूरी तरह से भाजपा सरकार की ओबीसी विरोधी मानसिकता को दर्शाती है। पटवारी ने कहा कि भाजपा सरकार को स्वयं पता नहीं है कि उसे किस दिशा में काम करना है। सरकार की एक मात्र नीति और सोच ओबीसी वर्ग के आरक्षण को रोकने की बन चुकी है। सरकार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। और जानबूझकर हजारों योग्य अभ्यार्थियों को नियुक्तियों से वंचित रखा जा रहा है। उन्होंने आंदोलनरत युवाओं को आश्वस्त किया कि कांग्रेस पार्टी उनके संवैधानिक अधिकारी की लड़ाई सड़क से लेकर सदन और न्यायालय तक पूरी मजबूती के साथ लड़ती रहेगी।

आयोजन — सीमेंट फैक्ट्री के शिलान्यास में केंद्रीय मंत्री सिंधिया के साथ हुए शामिल

प्रदेश में हर तरह के उद्योग होंगे स्थापितः मुख्यमंत्री

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश बदल रहा है। सरकार जनहित के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में सभी तरह के उद्योगों की स्थापना पर जोर दिया जा रहा है। सरकार युवाओं, किसानों, महिलाओं और गरीबों के साथ सभी वर्गों के कल्याण के लिए सक्रिय है।

मुख्यमंत्री रविवार को गुना में अंम्बुजा सीमेंट फैक्ट्री के शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पर्यटन और पशुपालन के क्षेत्र में प्रदेश महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त करेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश का ग्वालियर और चंबल अंचल कभी डकैतों की गोलियों से गूंजता था, अब यहां विकास का परचम लहरा रहा है। अब यहां दस्युओं के स्थान पर प्रगति पहचान का माध्यम बनी है। केंद्र और राज्य सरकार मिलकर विकास को गति दे रहे हैं। कार्यक्रम में मौजूद केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि

प्रदेश के विकास के लिए मुख्यमंत्री डा. यादव परिश्रम और निष्ठा से कार्य कर रहे हैं। गुना के विकास के लिए नई दीप माला प्रज्वलित हो रही है। गुना क्षेत्र में सीमेंट इकाई की स्थापना एक ऐतिहासिक कदम है। यह कार्य बहुप्रतिक्षित था। उन्होंने लगभग सौ वर्ष पूर्व सिंधिया परिवार द्वारा इस क्षेत्र में किए गए औद्योगीकरण के प्रयासों का उल्लेख भी किया। सिंधिया ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार उद्योगों की स्थापना के लिए लगातार कार्य कर रही है, जिससे गुना के युवाओं को अन्य प्रांतों में रोजगार तलाशने नहीं जाना पड़ेगा। बहनों को भी लखपति दीदी बनाकर समृद्धि का लाभ दिलवाया जा रहा है।

पीएम गति शक्ति मिशन से वातावरण सशक्त

उद्योगपति प्रणव अदाणी ने कहा कि मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रयासों से विकास को नई रफ्तार मिली है। अधोसंरचना, लॉजिस्टिक, ट्रांसपोर्ट और अन्य सुविधाओं से मध्यप्रदेश में उद्योग क्षेत्र की मजबूती सुनिश्चित की जा रही है। पीएम गति शक्ति मिशन से औद्योगिक क्षेत्र का वातावरण सशक्त हो रहा है। गत वर्ष भोपाल में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में अदाणी समूह के चेयरमेन गौतम अदाणी ने एक लाख हजार करोड़ से अधिक निवेश का संकल्प व्यक्त किया था, जिसे साकार करने के लिए सीमेंट इकाई की आधारशिला रखी जा रही है। प्रथम चरण में एक हजार 60 करोड़ का निवेश किया जा रहा है, जो आगामी चरणों में तीन गुना से अधिक होगा। अदाणी ने मध्यप्रदेश में कटनी, कैमोर सहित अन्य क्षेत्रों में सीमेंट और अन्य इकाइयों की स्थापना की पहल की गई। समूह द्वारा ऊर्जा क्षेत्र में भी प्रोजेक्ट अमल में लाए जाएंगे। इस मौके पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण एवं गुना जिले के प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि प्रदेश में विकास का पहिया तीव्र गति से घूम रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योग वर्ष के बाद कृषि वर्ष में प्रदेश में समृद्धि के प्रयास तेज किए हैं। परियोजनाओं के लिए जिन किसानों की भूमि ली जाएगी उन्हें चार गुना मुआवजा देने का निर्णय लिया गया।

रोड शो में शामिल हुए सीएम-सिंधियाः मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री सिंधिया गुना में आयोजित रोडशो में शामिल हुए,जिसमें स्थानीय नागरिक जिनमें युवा, व्यापारी वर्ग, महिला समाज, सामाजिक कार्यकर्ता शामिल थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नागरिकों का अभिवादन किया।

कांग्रेस सत्ता की भूखी, अपनों से मोड़ लेती है मुंहः सिंधिया

डीएमके से नाता तोड़कर टीवीके को दिया समर्थन

विशेष संवाददाता भोपाल। केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी सत्ता के लिए अपने से भी मुंह मोड लेती है, क्योंकि वह सत्ता और पद की भूखी है। इस पार्टी को न तो जनता से कोई लेना-देना है और न ही वह देश प्रदेश की भलाई का ध्यान देती है।

भोपाल एयरपोर्ट पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि वे पिछले छह वर्षों से कांग्रेस को लेकर जो बात करते आ रहे हैं, उसे कांग्रेस द्वारा लिए गए हाल के फैसलों ने साबित कर दिया। उन्होंने कहा कि तमिलनाडू में कांग्रेस ने सत्ता के लिए अपने सहयोगी डीएमके से नाता तोड़कर टीवीके को समर्थन दिया। यह कांग्रेस की स्वभाव में शामिल हो गया है,जब भी उसे सत्ता और पद पाने की गुंजाइश दिखती है वह अपने पुराने सहयोगियों से मुंह मोड लेती है। उन्होंने कहा कि यही वजह है कि कांग्रेस का अस्तित्व खत्म होता जा रहा है।

केरल में सीएम चेहरा तय नहीं होने पर सवाल

केंद्रीय मंत्री ने केरल में अब तक सीएम चेहरा तय नहीं हो पाने के सवाल पर कहा कि यह पार्टी धीरे-धीरे अपने कार्यकर्ताओं का भरोसा खोती जा रही है। उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक जनता का विश्वास कांग्रेस ने खो दिया है। इससे पहले केन्द्रीय मंत्री के भोपाल पहुंचने पर उनके समर्थकों ने जमकर स्वागत किया। भाजपा नेता कृष्णा घाडगे की अगुवाई में सिंधिया समर्थकों ने कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। सिंधिया ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला

दैनिक जागरण
भोपाल, 11 मई 2026

राजधानी जागरण

05

•11• राज्य •31• संस्करण मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित www.dainikjagranmpcg.com

राजधानी का तापमान/मौसम

अधिकतम 39.8°c न्यूनतम 22.8°c

राजधानी में गर्मी शबाब पर है। आज भी तापमान बढ़ने के आसार हैं।

नगर में आज

प्रौद्योगिकी दिवस समारोह
- **स्थान:** आंचलिक विज्ञान केन्द्र
- **समय:** सुबह 11:00 बजे

आर्ट कैंप
- **स्थान:** ध्रुपद संस्थान
- **समय:** सुबह 9:30 बजे से

'माह का प्रादर्श'
- **निंगला पा-थोई:** एक अनुष्ठानिक परिधान
- **स्थान:** मानव संग्रहालय
- **समय:** दोपहर 12 बजे से

73 शलाका चित्र प्रदर्शनी
- **स्थान:** लिखन्दरा दीर्घा, जनजातीय संग्रहालय
- **समय:** दोपहर 12 बजे से

2024 में 4 करोड़ 95 लाख के नमो उपवन को मंजूरी 11 माह बाद बजट बढ़ाया, लेकिन पूरा नहीं हो सका काम

काम की सुस्त रफ्तार पर अधिकारियों ने साधी चुप्पी, कहां खर्च होगा बढ़ा बजट नहीं है कोई जबाब

जागरण संवाददाता, भोपाल। लालघाटी चौराहे के पास वीआईपी रोड के किनारे 3 एकड़ क्षेत्र में बनाया जा रहा नमो उपवन काम की सुस्त रफ्तार और फिजूलखर्ची के चलते शहरभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। मार्च 2024 में आहूत हुई मेयर इन काउंसिल की बैठक में 4 करोड़ 95 लाख रुपए की भारी भरकम राशि खर्च कर नमो उपवन के निर्माण को महापौर मालती राय की अध्यक्षता में अनुमति दी गई थी और 11 फरवरी 2025 में इसका निर्माण शुरू कर दिया गया। लेकिन निर्माण शुरू होते ही इसके बजट में 2 करोड़ 5 लाख रुपए की भारी भरकम बढ़ोत्तरी भी कर दी गई और पार्क के निर्माण का कुल बजट 7 करोड़ रुपए कर दिया गया। केवल 11 माह में ही की राशि में भारी भरकम बढ़ोत्तरी क्यों की गई? इसका जवाब किसी के पास नहीं है। वहीं दैनिक जागरण ने जब पार्क के अंदर जाकर काम की समीक्षा की तो फिलहाल काम की रफ्तार बेहद सुस्त दिखाई दी। साथ ही पार्क निर्माण के लिए अभी शुरुआती काम ही चल रहा है, जबकि इसका निर्माण शुरू हुए लगभग 16 माह का समय बीत चुका है और हर दो से तीन माह बाद महापौर सहित सभी एमआईसी सदस्य पार्क के निर्माण कार्य का निरीक्षण करने भी पहुंचते रहते हैं। वर्तमान में पार्क में सभी जगह बड़ी-बड़ी चट्टानें देखने को मिल रही हैं। वहीं पार्क में पीछे की ओर चल रहा सिविल का काम भी बेहद सुस्त रफ्तार से चल रहा है। पार्क का निर्माण कार्य देख रहे नगर निगम के कार्यपालन यंत्री (उद्यान शाखा) प्रमोद मालवीय से लगातार निर्माण कार्य में हुई इस भारी भरकम बढ़ोत्तरी का कारण पूछा गया तो वे इसका कोई जवाब भी नहीं दे सके। साथ ही पार्क के निर्माण का ठेका किसे दिया गया है। इसका भी स्पष्ट जवाब मालवीय के पास नहीं है।

खाली जमीन पर कब्जे के डर के चलते एमआईसी बना रही पार्क

पार्क के निर्माण के समय एमआईसी सदस्यों द्वारा तर्क दिया गया था कि लालघाटी के पास होने के कारण इस शासकीय जमीन पर कभी भी कब्जा हो सकता है। इस कारण यहां पार्क का विकास कर देना चाहिए। साथ ही निर्माण कार्य के दौरान बताया गया कि यह पार्क भोपाल का सबसे खूबसूरत पार्क होगा। जहां वीआईपी रोड, लालघाटी और एयरपोर्ट रोड की कालोनियों के लोग सुबह और शाम को सैर कर सकेंगे। पार्क से भोपाल के बड़े तालाब का बेहद सुंदर नजारा भी दिखाई देगा।

नमो उपवन में ये सुविधाएं देने का किया गया है दावा

नमो उपवन शहर का पहला पार्क होगा, जो सौर ऊर्जा से प्राप्त बिजली से जगमगाएगा। साथ ही सुरक्षा के लिए और लोगों का अवैध प्रवेश रोकने के लिए यहां पर 24 घंटे सुरक्षा देने की भी बात कही जा रही है। साथ ही एमआईसी सदस्यों ने शहरवासियों के लिए अन्य सुविधाएं देने का भी वादा किया है।

- पार्क सौर ऊर्जा से रोशन होगा, जिसके कारण निगम पर बिजली खर्च का दबाव नहीं आएगा।
- पार्क में 24 घंटे सुरक्षा कर्मियों की तैनाती होगी, ताकि पार्क के अंदर अनाधिकृत प्रवेश रोका जा सके।
- पार्क में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के पास ही पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा भी स्थापित की जाना है।
- सुबह और शाम सैर करने वालों के लिए पाथ वे बनाया जा रहा है।
- पार्क को आकर्षक बनाने के लिए जगह जगह पानी के फव्वारे लगाए जाएंगे।
- पार्क में आने वाले बच्चों के लिए झूले लगाए जाएंगे, ताकि वे भी अपना मनोरंजन कर सकें।
- सुरक्षा के लिए पार्क के सभी हिस्सों में सीसीटीवी लगाए जाएंगे।
- पार्क में हर स्थान पर सुरक्षाकर्मियों की तैनाती होगी।
- लोगों के बैठने के लिए और पेयजल के लिए भी व्यवस्था की जाएगी।
- पार्क में देशी प्रजाति के फलदार और छायादार पेड़ लगाने के लिए पौधरोपण की योजना है।
- पार्क की सुंदरता बढ़ाने के लिए 100 से ज्यादा किस्मों के फूल लगाए जाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

बैरसिया रोड व आसपास दो दिन नहीं आएगा पानी

जागरण संवाददाता, भोपाल। डीआईजी बंगला चौराहा से आरिफ नगर के बीच 400 एमएम व्यास की डीआई फीडरमैन लाइन की शिफ्टिंग का काम नगर निगम द्वारा शुरू कर दिया गया है। जिसके चलते सोमवार और मंगलवार को बैरसिया रोड और आसपास स्थित कई कालोनियों में पेयजल आपूर्ति बाधित रहेगी। जानकारी के अनुसार आज सोमवार को छोला स्थित जेपी नगर, काजीकैंप, टीला जमालपुरा, आरिफ नगर, कांग्रेस नगर, ग्रीन पार्क कालोनी, चौकसे नगर, नारियलखेड़ा, निशातपुरा, न्यू आरिफ नगर, रेशम केंद्र, छोला विश्रामघाट, रंभा नगर, पिंजोमल मनवानी धर्मशाला, शीतल नगर व आसपास के इलाकों में पानी की सप्लाई प्रभावित रहेगी। वहीं मंगलवार को सिस्टम को रीस्टोर करने में समय लगेगा, जिसके कारण पानी की सप्लाई कम दबाव से की जाएगी, जिसके चलते उपभोक्ताओं को समस्या हो सकती है।

हथाईखेड़ा डेम में लापता मूकबधिर की मिली लाश

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। लापता मुकबधिर की हथाईखेड़ा डेम में लाश मिलने से सनसनी फेल गई। जेब में मिले दस्तावेज के आधार पर मृतक की पहचान हुई। पुलिस के मुताबिक रविवार शाम साढ़े चार बजे सूचना मिली थी कि हथाईखेड़ा डेम में एक युवक की लाश तैर रही है। गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकाला। उसके जेब में मिले आधार कार्ड, पेन कार्ड और बाइक के दस्तावेजों से उसकी पहचान अमित विश्वकर्मा (40) निवासी संजीव नगर पुलिस लाइन न्यू जेल रोड के रूप में हुई। अमित बोल नहीं सकते थे। पुलिस ने उनके परिजनों को सूचना दी। पता लगा कि शनिवार सुबह वह घर से निकले थे, इसके बाद उनकी कोई जानकारी नहीं थी।

बैंक कैशियर ने लगाई फांसी, इसी मकान में एमबीबीएस छात्रा ने की थी खुदकुशी

पत्नी का आरोप- लड़की के परिजन झूठे केस में फंसाने की देते थे धमकियां

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। कोहेफिजा इलाके में एसबीआई बैंक के एक कैशियर ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। इसी मकान में तीन महीने पहले एमबीबीएस की छात्रा ने फांसी लगाई थी। शनिवार को मकान मालिक ने भी आत्महत्या कर ली। मृतक की पत्नी ने पुलिस और मृतका छात्रा के परिजनों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि पुलिस जांच के नाम पर पति को घंटों बैठाती थी। लड़की के परिजन झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर मानसिक प्रताड़ना दे रहे थे। इसके चलते वह डिप्रेशन में आ गए थे और उन्होंने सुसाइड कर लिया। पुलिस ने रविवार को पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। कोहेफिजा थाना प्रभारी केजी शुक्ला ने बताया कि घटनास्थल को सील कर दिया है। फिलहाल परिजनों के बयान नहीं हुए हैं। परिजनों के बयान के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक 52 वर्षीय विजय सिंह राठौर बीडीए कालोनी कोहेफिजा में रहते थे। वह एसबीआई बैंक में कैशियर थे। शनिवार को विजय ने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, जिससे आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। विजय को फांसी पर लटके पत्नी करुणा ने देखा था। विजय की मौत के बाद से करुणा की हालत खराब है। उनका रो-रो कर बुरा हाल है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

छात्रा के परिजन पर कार्रवाई की मांग: उन्होंने छात्रा के परिजन पर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि पति बेकसूर थे, फिर भी उन्हें मानसिक यातनाएं दी गईं। इसी मानसिक प्रताड़ना के चलते उनके पति ने आत्महत्या कर ली। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। पुलिस की जांच जारी है।

पुलिस थाने में विजय को घंटों बैठाती थी

गांधी मेडिकल कालेज की एमबीबीएस की छात्रा रोशनी (19) ने फरवरी महीने में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। वह विजय के घर में रहती थी। छात्रा की मौत के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच की थी। मृतक विजय की पत्नी का आरोप है कि मर्ग जांच के नाम पर पुलिस ने उनके पति को थाने में घंटों बैठाती थी। बयान दर्ज करने के बहाने उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। इसके अलावा छात्रा के परिजन भी उन्हें कई तरह से दबाव डाल रहे थे। घर आकर वे झूठे केस में फंसाने की धमकी देते थे। वे हत्या का आरोप लगाते थे। जबकि छात्रा ने सुसाइड नोट में पढ़ाई का प्रेशर था, जिसके चलते उसने फांसी लगाई थी। इसके बावजूद भी परिजन हमें लगातार परेशान कर रहे थे। पति को हत्यारा बता रहे थे।

वाहन चोर गिरफ्तार, 6 लाख की कार बरामद

जागरण, भोपाल। कोहेफिजा पुलिस ने कार चोरी करने वाले आरोपी को रायसेन से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी 6 लाख की कार बरामद की है। इसके पहले आरोपी नाबालिग से रेप के मामले में जेल जा चुका है। इस मामले में जमानत मिलने पर वह पिछले पांच साल से फरार चल रहा था। पुलिस के अनुसार रविवार को रात ढ़ाई बजे लालघाटी निवासी पुष्पेंद्र भदौरिया ने थाने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके घर के बाहर खड़ी कार को चोर चोरी कर फरार हो गए। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर गाड़ी के फास्टैग और आरोपी के मोबाइल लोकेशन रायसेन मिलने पर उदयपुरा, रायसेन पुलिस के जरिए गाड़ी को रोका गया। जिसके बाद पुलिस टीम ने पहुंचकर आरोपी के कब्जे से चोरी अर्टिगा कार जब्त की। आरोपी चालक की पहचान बृजेश सिंह घोसी (32) निवासी कोतवाली के रूप में हुई। पकड़ा गया आरोपी साल 2022 में नाबालिग से रेप के मामले में जेल जा चुका है। इस पर जमानत मिलने के बाद कोर्ट में पेश नहीं होने पर उस पर गिरफ्तारी वारंट जारी था।

युवक की लापरवाही से हुई थी लिवइन पार्टनर की मौत, केस

लव जेहाद और रेप मामले में आरोपी को भेजा था जेल

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। युवक की लापरवाही के कारण लिवइन पार्टनर की मौत हुई थी। खजूरी सड़क पुलिस ने मर्ग जांच के दौरान परिजनों के बयान लिए और डीपीओ की राय ली। इसके बाद आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। छोला मंदिर पुलिस ने आरोपी मारपीट, लव जेहाद और रेप के मामले में जेल भेजा था। फिलहाल आरोपी हाईकोर्ट से जमानत पर है। खजूरी सड़क पुलिस के मुताबिक 21 वर्षीय युवती को आरोपी कासिम अहमद ने लिवइन में रखा था। उस दौरान उसका शारीरिक शोषण किया। वह अपनी मां से मिलाने के लिए युवती को उज्जैन ले गया था। जहां गर्भवती होने पर उसने गर्भपात की दवा खिला दी थी। इससे युवती की हालत बिगड़ गई। तबियत बिगड़ने पर आरोपी ने उसका उज्जैन में इलाज नहीं कराया। बल्कि 8 नवंबर 2025 को वह उसे बस में बैठाकर भोपाल ला रहा था। दोनों यहां भानपुर छोला मंदिर इलाके में रहते थे। बस अभी खजूरी सड़क पहुंची थी। तभी युवती को हालत बिगड़ गई। बेसुध हालत में कासिम उसे लेकर भैंसाखेड़ी स्थित चिरायू अस्पताल पहुंचा। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। खजूरी सड़क पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की। पूरे मामले का घटनाक्रम छोला मंदिर होने पर खजूरी सड़क पुलिस ने मारपीट, रेप और लव जेहाद के तहत केस दर्ज कर डायरी छोला मंदिर भेज दी थी। छोला मंदिर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

जांच में आरोपी की लापरवाही पाई गई

खजूरी सड़क पुलिस मर्ग की जांच कर रही थी। जांच में परिजनों ने आरोप लगाए कि आरोपी कासिम युवती के साथ मारपीट करता था। उसका इलाज उज्जैन में कराता तो उसकी जान नहीं जाती। इस संबंध में डीपीओ से राय ली गई। जांच में पुलिस ने आरोपी कासिम अहमद को युवती की मौत के लिए जिम्मेदार माना। उसकी लापरवाही पाई गई। इसके बाद उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

दमकल का पाइप न जुड़ पाने से डेढ़ घंटे बाद बुझी आरा मशीन की आग, छह मशीनें जलकर खाक

व्यापारियों को करीब ढाई करोड़ का नुकसान, शिफ्टिंग न हो पाने से रेलवे ट्रैक के किनारे लग रही आग

जागरण संवाददाता, भोपाल। पुल पातरा स्थित बरखेड़ी टिंबर मार्केट रविवार दोपहर एक बार फिर आग की लपटों से घिर गया। दोपहर 2 बजे एक लकड़ी की दुकान में लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और लपटें 20 फीट की ऊंचाई तक उठने लगीं। इस हादसे ने न केवल इलाके में दहशत फैल गई, बल्कि लकड़ी की टाल रेलवे ट्रैक के नजदीक होने के कारण रेल यातायात के लिए भी खतरा पैदा हो गया। शार्ट सर्किट के कारण लकड़ी के टाल में आग लगी जो देखते ही देखते फैलती चली गई। आगजनी के कारण टीन शेड में करंट फैल गया, जिसके कारण बिजली कंपनी को सूचना देकर सप्लाई काटनी पड़ी, ताकि करंट के कारण किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति निर्मित न हो सके। हालांकि आग बुझाने के दौरान फायर ब्रिगेड की दमकलें जूझती दिखीं। शुरुआत में दमकल का पाइप न जुड़ पाने सहित अन्य दिक्कतों के कारण आग बुझाने में करीब डेढ़ घंटे का समय लगा। जिसके कारण 6 आरा मशीनें जलकर खाक हो गईं, जिससे व्यापारियों को ढाई करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान होने का अनुमान है।

शिफ्टिंग में देरी पड़ रही भारी : मेट्रो प्रोजेक्ट के अंडरग्राउंड रूट में बाधा बन रहे मार्केट को शिफ्ट करने की कवायद पिछले काफी समय से जारी है। प्रशासन द्वारा 18 एकड़ जमीन और 5.85 करोड़ रुपए का प्रावधान किए जाने के बावजूद आरा मशीनों का यह बाजार अब तक स्थानांतरित नहीं हो सका है। पहला मौका नहीं है, जब इलाके में आग लगी हो। 2016 से लेकर अब तक इस इलाके में कई बार भीषण आग लग चुकी है। भोपाल डेकोरेटर्स नामक फर्नीचर शोरूम में आग लगी थी। इसके कारण संचालक को करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ था।

10 लेन रोड में बाधा बन रहीं 38 झुग्गियां हटाईं

अयोध्या बायपास सड़क निर्माण का तेजी से चल रहा काम, आसपास के अन्य निर्माण भी हटाए गए

जागरण संवाददाता, भोपाल। अयोध्या बायपास को 6 से 10 लेन एक्सप्रेस-वे में बदले जाने पर मार्ग से अवरोधों को हटाने का काम तेजी से किया जा रहा है। इसी तारतम्य में रविवार को अवकाश के दिन जिला प्रशासन और नगर निगम के अतिक्रमण अमले ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए अर्जुन नगर क्षेत्र की 38 पक्की झुग्गियों को जमींदोज कर दिया। लोगों के विरोध को देखते हुए पुलिस बल बुलवा लिया गया था और विस्थापित किए गए परिवारों को जमुनिया ग्राम पंचायत के लालपुरा गांव में बसाया गया है। एसडीएम भुवन गुप्ता के नेतृत्व में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई रविवार सुबह 8 बजे शुरू हुई और इस दौरान एक एक करके सभी झुग्गियों को गिराना शुरू किया गया। बता दें कि अर्जुन नगर बस्ती में पूर्व में की जा रही कार्रवाई के दौरान बस्ती वासियों ने आम शहरवासियों को अपना निशाना बनाते हुए अयोध्या बायपास पर उतरकर जमकर उत्पात मचाया था। ऐसे में यह स्थिति फिर से निर्मित न हो। इसके चलते पुलिस बल को तैनात किया गया था। जानकारी के अनुसार कार्रवाई के दौरान मौके पर निगम के अतिक्रमण अमले और पुलिस बल के 50 से अधिक कर्मचारियों की टीम मौके पर मौजूद रही। कार्रवाई के दौरान जेसीबी मशीनों की मदद से अतिक्रमण को पूरी तरह ढहा दिया गया। यह सभी अतिक्रमण सड़क के मुख्य अलाइनमेंट में बाधा बन रहे थे। अतिक्रमण हटाने का यह अभियान दोपहर 3 बजे तक जारी रहा।

आंशिक रूप से भी टूटे कई निर्माण

निगम के अतिक्रमण अमले के अनुसार 10 लेन सड़क की जद में आने वाले 38 मकानों को पूरी तरह से ध्वस्त किया गया है, जबकि कुछ का निर्माण कार्य आंशिक रूप से हटाया गया है। अयोध्या बायपास केचौड़ीकरण प्रोजेक्ट में कई अन्य अतिक्रमण व निजी संपत्तियां भी बाधा बनी हुई हैं, जिन्हें आने वाले दिनों में चरणबद्ध तरीके से हटाया जाएगा।

> प्रभावित परिवारों को पूर्व में ही नोटिस जारी कर दिए गए थे। शनिवार को क्षेत्र में मुनादी भी कराई गई थी। लोगों ने मकान स्वयं ही खाली कर दिए थे। जिन परिवारों के आशियाने पूरी तरह हटाए गए हैं, उन्हें तत्काल लालपुरा गांव में शिफ्ट कर दिया गया है।
>
> **भुवन गुप्ता,** एसडीएम गोविंदपुरा

विरोध — बागमुगालिया एक्सटेंशन कालोनी विकास समिति ने 10 लाख खर्च कर बरखेड़ा पठानी की सड़क पर लगाए थे पेड़

पेड़ों में आग लगाने वालों पर कार्रवाई कराने थाने पहुंचे रहवासी

जागरण संवाददाता, भोपाल। लहारपुर से बरखेड़ा पठानी जाने वाली रोड पर दो साल पहले लगाए गए पेड़ों को नुकसान पहुंचाने वाले और वृक्षों में आग लगाने वाले असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई की मांग को लेकर पर्यावरण प्रेमियों ने रविवार को कटारा हिल्स थाने में पहुंचकर असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई करने की मांग की। बता दें कि इन सभी वृक्षों को बागमुगालिया एक्सटेंशन कालोनी विकास समिति द्वारा बरखेड़ा पठानी की ओर जाने वाली सड़क पर लगाया गया है। समिति के अध्यक्ष उमाशंकर तिवारी ने बताया कि वर्ष 2024 में लहारपुर से बरखेड़ा पठानी मार्ग पर सभी के सहयोग से लगभग ढाई लाख रुपए की लागत से 243 पौधे रोपे गए थे। इन पौधों पर समिति के सदस्य बारी बारी से पानी देते हैं, लेकिन पिछले कुछ समय से असामाजिक तत्व इन पेड़ों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। कुछ दिन पहले बरगद प्रजाति के कई पेड़ों को काटने का प्रयास किया गया था, जबकि हाल ही में कुछ पेड़ों के आसपास कचरा डालकर आग लगाने का प्रयास किया गया, जिसके चलते पेड़ों को सुरक्षा देने वाले लकड़ी के ट्री गार्ड में आग लग गई। जिसे समिति के कुछ सदस्यों द्वारा बुझाया गया था, लेकिन असामाजिक तत्व फिर से पेड़ों को नुकसान न पहुंचा सकें। इस कारण पुलिस प्रशासन को मामले की शिकायत की गई है।

एक-एक कर लगाई जा रही पेड़ों में आग, डाला जा रहा कचरा

रहवासियों ने कटारा हिल्स थाना प्रभारी सुनील दुबे को बताया कि हाल ही में कुछ पेड़ों को तोड़ दिया गया था, जिसके बाद कुछ अन्य पेड़ों के पास आग लगाई गई। इस इलाके में बड़े पैमाने पर कचरा भी डाला जा रहा है, ताकि पेड़ों में आग लगाई जा सके। इस कारण असामाजिक तत्वों को पकड़ना जरूरी है। क्योंकि पेड़ों को लगाने में बड़ी राशि लोगों के द्वारा खर्च की गई है। थाना प्रभारी ने रहवासियों की शिकायत पर उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

> शहर के कई पर्यावरण प्रेमियों से मिले चंदे के बाद पेड़ लगाने का काम किया जाता है, लेकिन कुछ लोग पेड़ों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। मामले की शिकायत नगर निगम को भी की जाएगी।
>
> **उमाशंकर तिवारी,** अध्यक्ष, बागमुगालिया एक्सटेंशन कालोनी विकास समिति

घर से 100 फीट की दूरी पर बुजुर्ग ने पेड़ से लगाई फांसी

जागरण, भोपाल। बजरिया थाना क्षेत्र में सिक्योरिटी गार्ड ने फांसी लगाकर जान दे दी। उनका शव घर से करीब 100 फीट की दूरी पर पेड़ पर लटका मिला। 60 वर्षीय हरिनारायण शाक्य विजय नगर में रहते थे। वह एक कॉलोनी में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करते थे। और शराब पीने के आदी थे। वह गंभीर बीमारी से ग्रसित थे। जिसका परिजन इलाज भी करवा रहे थे। रविवार सुबह 5 बजे वह घर से काम पर जाने का कहकर निकल थे। जहां घर से करीब 100 फीट की दूरी पर बने बबूल के पेड़ पर उन्होंने फांसी का फंदा बनाकर जान दे दी। उनका छोटा बेटा जब घर से किसी काम के लिए बाहर निकला, तो सुभीपुरा स्कूल के पास स्थित हनुमान मंदिर के सामने बने पेड़ पर रस्सी बंधी हुई और नीचे पिता का शव मृत अवस्था में पड़ा था।

युवक ने की खुदकुशी: टीटी नगर थाना क्षेत्र में पैरालाइज से परेशान युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। साल 2019 में हुए एक्सीडेंट में उसका बायां हाथ पैरालाइज हो गया था। घटना के वक्त परिवार पार्क में घूमने गया था। पुलिस को मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिलने से कारणों को खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस के अनुसार 29 वर्षीय ब्रजेश चौहान अर्जुन नगर में रहता था। वह तीन भाईयों में बीच का था। साल 2019 में उसका एक्सीडेंट हुआ था। जिससे ब्रजेश का बायां हाथ पैरालाइज हो गया। जिसके चलते अक्सर वह परेशान रहता था। शनिवार शाम साढ़े सात बजे परिजन पार्क में घूमने जा रहे थे। इस पर उसने कहा ताला लगाकर आ रहा हूं। इस दौरान घर में खुद को अकेला पाकर उसने फांसी लगाकर जान दे दी।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

भारतीय राजनीति का सबसे महत्वपूर्ण बदलाव बंगाल में

शुभेंदु अधिकारी का पश्चिम बंगाल में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री के रूप में चुना जाना राज्य में एक नई शुरुआत का संकेत है। यह घटना इसलिए भी ऐतिहासिक है, क्योंकि भाजपा ने पश्चिम बंगाल में अपनी राजनीतिक यात्रा तकरीबन शून्य से शुरू की थी। लेकिन, पिछले एक दशक में उसने अपने संगठन और जनाधार का जिस तरह से विस्तार किया, वह भारतीय राजनीति के सबसे महत्वपूर्ण बदलावों में गिना जाएगा।

बंगाल में इस उभार के केंद्र में अगर किसी एक नेता का नाम प्रमुखता से लिया जाएगा, तो वह शुभेंदु अधिकारी ही होंगे। यह शुभेंदु ही हैं, जो 34 वर्षों के वामपंथी शासन के बाद 2011 में सत्ता में आईं ममता बनर्जी को उनके गढ़ में चुनौती देकर और नंदीग्राम से लेकर भवानीपुर तक सीधी लड़ाई में उन्हें परास्त कर पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के नतीजों का सबसे अहम चेहरा बनकर उभरे। हालांकि, उनके लिए यहां तक का सफर आसान नहीं था।

पश्चिम बंगाल के बारे में कहा जाता है कि जो सड़क जीत लेता है, वह चुनाव जीत लेता है। पिछले करीब पांच वर्षों से शुभेंदु पूरी आक्रामकता के साथ बंगाल की सड़कों से लेकर विधानसभा तक दिखे हैं, शायद यही वजह है कि जनता ने इस बार उन पर भरोसा जताया है। दूसरी ओर, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और महिला असुरक्षा जैसे मुद्दों पर ममता सरकार की नाकामियों ने भी उनके लिए जगह तैयार की। लिहाजा, आज जब वह मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे, तो औपचारिक रूप से उस परिवर्तन का चेहरा भी बनेंगे, जिसका वादा भाजपा वर्षों से करती आ रही है।

दरअसल बंगाल में वर्षों से बढ़ रहे असंतोष को इस बदलाव की वजह मानना काफी हद तक सही होगा। लंबे समय से राजनीतिक हिंसा, चुनाव बाद प्रताड़ना, बेरोजगारी और शासन को लेकर थकान जैसी भावनाएं धीरे-धीरे लोगों के बीच मजबूत हो रही थीं। संदेशखाली की घटनाओं और आर जी कर मेडिकल कॉलेज रेप एवं हत्या मामले ने इस असंतोष को और गहरा कर दिया। खासकर महिलाओं और शहरी मतदाताओं के बीच यह धारणा मजबूत हुई कि जवाबदेही के सवाल पर राज्य सरकार का रवैया रक्षात्मक और संवेदनहीन रहा। इसके अलावा अल्पसंख्यक तुष्टिकरण, राजनीतिक धमकी और विपक्षी कार्यकर्ताओं पर हमलों जैसे आरोपों ने पहले ही राजनीतिक ध्रुवीकरण को बढ़ा दिया था। ऐसे माहौल में भाजपा का उभार अचानक हुआ राजनीतिक चमत्कार नहीं, बल्कि लंबे समय से चल रहे सामाजिक और राजनीतिक बदलाव का परिणाम दिखा।

लोकतंत्र केवल तब तक विश्वसनीय नहीं माना जा सकता, जब तक परिणाम किसी राजनीतिक दल के पक्ष में आएं। बंगाल का जनादेश निश्चित रूप से कई स्थापित राजनीतिक धारणाओं को चुनौती देता है। लेकिन उसने भारतीय लोकतंत्र की एक पुरानी सच्चाई को फिर सामने रखा है — भारत का मतदाता अक्सर राजनीतिक दलों और विश्लेषकों की अपेक्षाओं से कहीं ज्यादा निर्णायक और अप्रत्याशित बदलाव लाने की क्षमता रखता है।

बंगाल लंबे समय से चुनावी हिंसा और दलगत टकराव के लिए बदनाम रहा है। ऐसे में, उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि नई सरकार प्रतिशोध की राजनीति में न उलझे, क्योंकि ऐसा होने पर परिवर्तन का विचार ही कमजोर होगा। कभी देश का औद्योगिक केंद्र रहा यह राज्य अब निवेश आकर्षित करने में दूसरे राज्यों से काफी पीछे छूट चुका है।

जाहिर है कि नई सरकार के सामने ठोस आर्थिक सुधारों की राह पर बढ़ने की भी चुनौती होगी। इसमें विपक्ष की भूमिका भी महत्वपूर्ण होगी। चुनावी हार-जीत स्थायी नहीं होती। ममता बनर्जी बड़ी नेता हैं, लेकिन उनकी पार्टी को लोकतंत्र की सीमाओं में रहकर ही विपक्ष की भूमिका निभानी होगी। बंगाल ने हमेशा देश की राजनीति को दिशा दी है। अब देखना यह होगा कि शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में यह राज्य परिवर्तन का कौन-सा नया मॉडल प्रस्तुत करता है।

प्रसंगवश

चुनावी वायदों को पूरा करना आसान नहीं

तमिलनाडु में टीवीके की सरकार बन रही है, जाहिर है अब उस पर 40-सूत्रीय घोषणा-पत्र को पूरा करने का दबाव बढ़ेगा। इस घोषणा-पत्र में महिलाओं, युवाओं, किसानों और आम उपभोक्ताओं के लिए कई आकर्षक योजनाएं शामिल हैं, पर इन वायदों के आर्थिक बोझ को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। दरअसल, तमिलनाडु का वार्षिक बजट लगभग 4,39,293 करोड़ रुपये का है। ऐसे में, यदि घोषणा-पत्र के वायदों को एक साथ लागू किया जाए, तो राज्य पर भारी आर्थिक बोझ पड़ना तय है। महिलाओं को 2,500 रुपये की मासिक सहायता, बेरोजगार युवाओं को 4,000 रुपये तक भत्ता, पांच लाख नौजवानों को नौकरी, मुफ्त बिजली, मुफ्त गैस सिलेंडर और किसानों की ऋण-माफी जैसे वायदों को सामूहिकता में देखें, तो खर्च का आंकड़ा बजट की सीमाओं को चुनौती देता नजर आता है।

हकीकत यह है कि चुनावी लाभ के लिए दी जाने वाली मुफ्त योजनाएं अल्पकालिक राहत तो देती हैं, लेकिन दीर्घकाल में अर्थव्यवस्था को कमजोर कर सकती हैं। इससे सरकारी खजाने पर दबाव बढ़ता है, उत्पादक निवेश घटता है और समाज में सरकारी सहायता पर निर्भरता बढ़ने लगती है। परिणामस्वरूप, विकास आधारित अर्थव्यवस्था की जगह सब्सिडी आधारित व्यवस्था हावी हो जाती है। निस्संदेह, राजनीति में लोकप्रियता और भावनात्मक जुड़ाव महत्वपूर्ण होते हैं, लेकिन शासन केवल भावनाओं पर नहीं चलता। फिल्मों में जहां हर समस्या का समाधान संभव दिखाया जाता है, वहीं वास्तविक प्रशासन में हर फैसले का असर बजट, राजकोषीय घाटे और भविष्य की पीढ़ियों पर पड़ता है। ऐसे में 'फिल्मी अंदाज' में किए गए वायदे, यदि ठोस आर्थिक आधार के बिना हों, तो जोखिम भरे साबित हो सकते हैं।

भारतीय लोकतंत्र की यह एक कटु सच्चाई है कि चुनावी वायदों और उनके क्रियान्वयन के बीच अक्सर बड़ा अंतर देखने को मिलता है। कई बार वायदे पूरे नहीं होते या सीमित रूप में लागू किए जाते हैं, जिससे जनता का भरोसा कमजोर होता है। विजय का घोषणा-पत्र भले ही जनहित और जन-कल्याणकारी राजनीति की बात करता हो, लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि ये वायदे कितने यथार्थवादी और आर्थिक रूप से टिकाऊ हैं। लोकतंत्र में केवल आकर्षक घोषणाएं ही नहीं, ठोस और जिम्मेदार नीतियां भी जरूरी होती हैं। यदि राजनीति केवल मुफ्त योजनाओं की होड़ तक सीमित रह गई, तो इसका असर आने वाले समय में राज्य की आर्थिक स्थिरता, बुनियादी ढांचे और समग्र विकास पर पड़ना तय है।

समाज का एक पक्ष ऐसा भी है जिसका मानना है कि 'रेवड़ी संस्कृति' या जिनको मुफ्त की योजनाएं कहकर उपहास उड़ाया जा रहा है, वे मुख्य रूप से गरीब और वंचित वर्गों को तात्कालिक राहत देती हैं, कुछ मामलों में महिलाओं को आर्थिक मजबूती का एहसास कराती हैं। भले ही, ऐसी योजनाओं को आर्थिक स्थिरता के लिहाज से बड़ी चुनौती माना जाता हो, लेकिन असलियत में ये वंचित तबकों के लोगों को सशक्त बनाने में मदद करती हैं। कहना गलत नहीं होगा कि इस तरह की योजनाएं कल्याणकारी राज्य का हिस्सा हैं। इनसे लोगों की आर्थिक स्थिति सुधरती ही है।कुछ लोग मानते हैं कि ऐसा नहीं हो सकता। वे आर्थिक चुनौतियां भी गिना रहे हैं, ताकि यह साबित किया जा सके कि चुनावी वायदे पूरे नहीं हो सकते।

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की निर्णायक जीत और तमिलनाडु में विजय की पार्टी टीवीके के सबसे बड़े दल के रूप में उभरने की एक बड़ी वजह है चुनावी वायदे। यही कारण है कि चुनावी रैलियों में किए गए वायदों को अब कागजों से निकालकर हकीकत की जमीन पर उतारने की मांग तेज हो गई है। इसका अर्थ है कि जनता ने जिस भरोसे के साथ राजनीतिक दलों को सत्ता सौंपी है, उस पर खरे उतरने का उनका वक्त आ गया है।

समाज और सद्भाव | सांप्रदायिक आधार पर नफरती भाषणों का प्रसार संवैधानिक विधि के खिलाफ

मौजूदा कानूनों पर सख्ती से अमल जरूरी

विराग गुप्ता

चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के चुनावों में बंपर मतदान से लोकतंत्र में मतदाता, यानी गणदेवता फिर सर्वोपरि साबित हुए हैं। लेकिन वोट हासिल करने और ध्रुवीकरण के लिए जातिवाद, क्षेत्रवाद या सांप्रदायिक आधार पर सोशल मीडिया में भड़काऊ और नफरती भाषणों का प्रसार संवैधानिक विधि के खिलाफ है। इस बारे में सर्वोच्च न्यायालय का नया फैसला बहुत ही दिलचस्प है, जिसके अनुसार हेट स्पीच को आपराधिक कानून में परिभाषित ही नहीं किया गया है।

वर्ष 2018 में तहसील पूनावाला मामले में नफरती भाषणों से भीड़ की हिंसा को रोकने के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने राज्यों को दिशानिर्देश दिये थे। उसके बाद 2023 में आजम खान मामले में संविधान पीठ ने मंत्रियों के नफरती भाषण की जवाबदेही तय करने की बात कही थी। सर्वोच्च न्यायालय के नये फैसले में अनुराग ठाकुर और प्रवेश वर्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग वाली याचिकाओं को निरस्त कर दिया है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ के अनुसार, उन नेताओं के बयानों से सांप्रदायिक हिंसा या अशांति फैलने के सबूत नहीं मिले हैं। उसके साथ हेट स्पीच के खिलाफ दिशानिर्देशों की मांग वाली याचिका को भी निरस्त करते हुए जजों ने कहा कि नये कानून की बजाय मौजूदा कानूनों को सही तरीके से लागू करने की जरूरत है।

इस फैसले की तीन बड़ी बातें हैं। पहला, विधि आयोग ने आपराधिक कानून संशोधन बिल, 2017 के माध्यम से हेट स्पीच को परिभाषित करने और सख्त दंड के लिए 153-सी और 505-ए की दो नयी धाराएं जोड़ने की अनुशंसा की थी। जजों के अनुसार, आइपीसी या बीएनएस और सीआरपीसी या बीएनएसएस में बदलाव के लिए संसद को ही अधिकार हासिल है। अदालत कानून की व्याख्या कर सकती है, पर वह सरकार को नया कानून बनाने के लिए मजबूर नहीं कर सकती। दूसरा, यदि पुलिस मुकदमा दर्ज न करे, तो ललिता कुमारी फैसले और सीआरपीसी कानून के अनुसार मजिस्ट्रेट के पास अर्जी लगायी जा सकती है। तीसरा, सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय जैसी संवैधानिक अदालतें अनुच्छेद 32 या 226 के तहत कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों का माइक्रो मैनेजमेंट नहीं कर सकती हैं।

यूरोपियन यूनियन ऑफ ह्यूमन राइट्स के आर्टिकल 10 और हैंडीसाइड बनाम यूनाइटेड किंगडम मामले में हेट स्पीच के निर्धारण के लिए तीन टेस्ट दिये गये हैं। उसके अनुसार, भारत में हेट स्पीच से जुड़ी संवैधानिक दुविधाओं के छह पहलुओं को समझा जा सकता है। पहला, संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (ए) में

अभिव्यक्ति की आजादी का मौलिक अधिकार है, लेकिन अनुच्छेद 19 (2) के तहत सार्वजनिक व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा, नैतिकता आदि की सीमाएं और अपवाद हैं। धर्म, जाति, वर्ण, जन्म स्थान आदि के आधार पर कट्टरता या सांप्रदायिकता फैलाने वाले नफरती भाषणों को अभिव्यक्ति की आजादी के तहत संवैधानिक संरक्षण नहीं मिल सकता।

वर्ष 1950 में सर्वोच्च न्यायालय ने ब्रज भूषण मामले के फैसले में पब्लिक ऑर्डर को सार्वजनिक और देश की सुरक्षा से जोड़ा था। पर 1966 में राम मनोहर लोहिया मामले में नेताओं की अभिव्यक्ति की आजादी को उदार तरीके से संरक्षित करने का फैसला आया। दूसरा, पुलिस, अधिकारी, विधायक, सांसद, मंत्री और जज कानून के शासन से बंधे हैं। पुलिस और कानून व्यवस्था राज्यों का विषय है। पंजाब में आप के सांसदों के दल बदलने के साथ ही उनके खिलाफ पुलिस ने मामले और छापेमारी शुरू कर दी। ऐसा हाल पक्ष-विपक्ष शासित सभी राज्यों में है।

वोटों के ध्रुवीकरण और चुनावी लाभ के लिए नेता उन्मादी और नफरती भाषण देते हैं। सत्ता पक्ष से जुड़े लोगों के खिलाफ पुलिस समुचित कार्रवाई नहीं करती। जबकि राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ राजद्रोह जैसी संगीन धाराओं में एफआइआर दर्ज होने के साथ गिरफ्तारी होने से सरकारी खर्चों पर अदालतों में बेवजह की मुकदमेबाजी बढ़ती है। तीसरा, नफरती भाषणों का प्रसार व्हाट्सएप और सोशल मीडिया से होता है। पर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले में आइटी एक्ट का विश्लेषण ही नहीं हुआ है।

वर्ष 2015 में श्रेया सिंघल मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आइटी एक्ट की धारा 66 ए को रद्द कर दिया था। उसके बाद संसद से नया कानून न बनने से अराजकता बढ़ रही है। सोशल मीडिया से नफरत फैलाने के मामलों में खुली छूट या सख्त धाराओं में मुकदमा दर्ज करने का फैसला थानों की बजाय सियासी आधार पर होने के बढ़ते ट्रेंड से हेट स्पीच का मर्ज तेजी से बढ़ रहा है। चौथा, चुनावों को सही तरीके से संचालित करने के लिए अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयोग को अनेक अधिकार हैं। पर नफरती भाषण देने वाले नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई और पार्टियों की मान्यता रद्द करने के लिए जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत चुनाव आयोग को समुचित अधिकार नहीं हैं। इन विसंगतियों का फायदा उठाकर नेता लोग नफरती भाषण को सोशल मीडिया व आइटी सेल से फैलाकर चुनावी फसल काटने में पारंगत हो गये हैं।

पांचवां, सर्वोच्च न्यायालय के पुराने फैसले तीन या पांच जजों की संविधान पीठ के हैं। उसके बावजूद नेताओं के नफरती भाषणों के खिलाफ राज्यों की पुलिस ठोस कार्रवाई नहीं करती। दो जजों की पीठ के नये फैसले को अनुपालन के लिए सभी उच्च न्यायालयों में भेजा गया है। इस फैसले की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में कानूनों और विधि आयोग की रिपोर्ट का विश्लेषण है। लेकिन संविधान की प्रस्तावना की समानता और भाईचारे के आदर्श को सफल बनाने के लिए फैसले में ठोस आदेश पारित नहीं हुए। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय के नये फैसले से जमीनी स्तर पर बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है।

छठा, फैसले में संविधान सभा में डॉ आंबेडकर के भाषण को उद्धृत करते हुए कहा गया है कि संविधान की सफलता भावी सरकारों की मंशा और आचरण से निर्धारित होगी। न्यायमूर्ति संजय करोल और आगस्टीन जार्ज मसीह की पीठ के नवीनतम फैसले के अनुसार, पुलिस यदि एफआइआर दर्ज न करे, तो सीधे हाई कोर्ट जाने की बजाय पुरानी सीआरपीसी या बीएनएसएस, 2023 के तहत वैकल्पिक कानूनी रास्तों का पालन अनिवार्य है। लेकिन पुलिस और जिला अदालतें कानून के अनुसार जिम्मेदारी पूरी करने में विफल रहे, जबकि लोगों का बेवजह उत्पीड़न हो, तो दोषियों को दंड मिलना चाहिए। कानून के शासन को विफल बनाने और सिस्टम को ध्वस्त करने वाले दोषियों को उच्च या सर्वोच्च न्यायालय से दंड नहीं मिलता। इस वजह से नफरती भाषणों के साथ अराजकता के मर्ज का तेजी से बढ़ते जाना गण, गणतंत्र और गणदेवता सभी के लिए खतरनाक है।

खुला मंच

अंधा प्रेम और आंखों की चालाकियां

शमीम शर्मा

लोहे से भरी एक ट्राली के पीछे लिखा था– मेरे प्यार की हद न पूछो कि उसने दिन को रात कहा और हमने पेग बना लिया। खुद को प्यार मे डूबे होने का दावा करने वाले लोग बड़े विश्वास से कहते हैं कि प्यार अंधा होता है। अंधेपन पर ही सारी दुनिया के प्रेम-प्रसंगों का ठीकरा फोड़ देना सबसे आसान मन जाता रहा है ।

सोचिए, सचमुच प्यार अंधा होता तो दुनिया के आधे झगड़े खत्म हो जाते। न कोई किसी की शक्ल देखता और न ही चमड़ी का रंग। उ किसी को नशीली आंखे नजर आती, उ ही कोई लहराती जुल्फों मे उलझने की कल्पना कर पता। न कोई किसी का बैंक बैलेंस देखता और न ही जात-पात। सब बस दिल से दिल जोड़ लेते।

सच्चाई तो यह है कि हमारे यहां प्यार अंधा नहीं बल्कि बहुत तेज़ नज़र वाला है। उसे बस वही दिखाई देता है जो वह देखना चाहता है। प्यार अंधा होता है, तभी तो लोग 'लास्ट सीन ' देखकर भी भरोसा कर लेते हैं। प्यार में इंसान इतना अंधा हो जाता है कि 'तुम ही मेरी दुनिया हो' बोलकर वाई फ़ाई का पासवर्ड तक बता देता है। प्यार सचमुच अंधा होता है, वरना 2 रुपए की 'हाय' पर 2000 का गिफ्ट कौन देता! प्यार अंधा होता है, तभी तो डीपी देखकर 'सच्चा प्यार' मे पड़ जाते हैं। प्यार मे डूबी अंधी आँखों पर इश्क का चश्मा ऐसा होता है कि बंदा 'लेट रिप्लाई' को भी 'बहुत बिज़ी होगा/होगी' समझकर खुश हो जाता है।

पर ऐसा भी नहीं है, आज का प्रेम बड़ा चयनशील भी है। उसे मोबाइल का मॉडल दिखता है, गाड़ी की कंपनी दिखती है, टीशर्ट-जूते के ब्रांड व इंस्टाग्राम के फॉलोअर दिखते हैं लेकिन इंसान का चरित्र नहीं दिखता। फिर जब मामला बिगड़ जाता है तो घोषणा होती है कि साहब प्यार में आदमी अंधा हो जाता है। सच तो यह है कि आदमी अंधा नहीं होता। बस उसकी नज़रें छुट्टी पर चली जाती हैं और वासना ड्यूटी पर आ जाती है। यह तो मानना पड़ेगा कि प्रेम का गणित है बड़ा अजीब। जब तक रिश्ता नया होता है, आदमी कवि बन जाता है, चांद, सितारे, बारिश, गुलाब, चॉकलेट और सिनेमा की टिकट आदि सब उसकी जेब में घूमते हैं और जैसे ही जिम्मेदारियां आती हैं, वही आदमी कहता है– मुझे तो इसके इरादों पर पहले ही शक था! और तुम्हारे बिना न जी पाने वाला आदमी अचानक तुम्हारे साथ जीना मुश्किल अनुभव करता है। तो कुल मिला कर यही समझ मे आता है कि, प्यार तो अब मतलब की डोर सा हो गया है, गलती से निभ गया तो सब गुड गुड है, वरना अंधा प्रेम कह कर, आँख खुलने का सहारा लेकर पतली गली सी निकाल लेने मे ही भलाई है।

एलर्जिक सीजन | तापमान पौधों के परागण चक्र को प्रभावित कर रहा है, जिससे एलर्जिक सीजन' की अवधि बढ़ गई है चार सप्ताह तक

हवा में फैले अदृश्य कण बन रहे सांसों के दुश्मन

पंकज चतुर्वेदी

मई के पहले हफ्ते में ही कई शहरों के अस्पतालों मे अस्थमा और सांस की तकलीफ को लेकर आने वाले मरीजों की संख्या बढ़ गई है। दिल्ली से सटे गाजियाबाद के सरकारी एमएमजी अस्पताल में आए 100 में से दस मरीज अस्थमा से पीड़ित मिले। इनमें बच्चों व बुजुर्गों की संख्या अधिक है। शहरी इलाकों में गर्मी बढ़ने के साथ ही हवा का मिजाज बदलने लगा है। हाल के वैज्ञानिक शोधों ने चौंकाने वाला खुलासा किया है कि इस दौरान केवल धूल और धुआं ही नहीं, बल्कि हवा में तैरने वाले अदृश्य परागकण भी सांसों के दुश्मन बन रहे हैं।

वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट और अन्य शोध संस्थानों के आंकड़े बताते हैं कि मार्च से जून के बीच हवा में परागकणों की सांद्रता सामान्य से कई गुना बढ़ जाती है, जो अस्थमा और फेफड़ों की गंभीर बीमारियों को न्योता दे रही है। द लैंसेट के एक हालिया अध्ययन के अनुसार, बढ़ता तापमान पौधों के परागण चक्र को प्रभावित कर रहा है, जिससे महानगरों में 'एलर्जिक सीजन' की अवधि पहले के मुकाबले चार सप्ताह तक बढ़ गई है। कैसी विडंबना है कि जो पेड़ पर्यावरण सुधारने के इरादे से सार्वजनिक स्थानों में लगाए गए, वे ही आज लोगों के दम घुटने का कारक बन रहे हैं।

वैज्ञानिकों के अनुसार, परागकणों की असली ताकत उनके भीतर मौजूद प्रोटीन और ग्लाइकॉल प्रोटीन में निहित होती है। जब ये कण सांस के जरिये अंदर जाते हैं, तो मनुष्य के बलगम के साथ मिलकर और भी जहरीले हो जाते हैं। जैसे ही यह प्रोटीन हमारे खून में मिलता है, तो एक तीव्र एलर्जी को जन्म देता है, जो गंभीर श्वसन रोगों का कारण बनती है। दिल्ली के रिज क्षेत्र और शहरी जंगलों में मौजूद विलायती कीकर जैसे पेड़ भी इस मौसम में भारी मात्रा में

परागकण छोड़ते हैं। शुष्क हवा के कारण ये सूक्ष्म कण घंटों वातावरण में तैरते रहते हैं, पर जैसे ही जून-जुलाई में हवा में नमी का स्तर बढ़ता है, ये और भी जहरीले होकर रक्त में अवशोषित होने लगते हैं।

यही कारण है कि इन महीनों में सांस के मरीजों की संख्या बढ़ जाती है। तापमान और प्रदूषण का मेल इस स्थिति को और भयावह बना देता है। शोध बताते हैं कि जब तापमान चालीस डिग्री के पार जाता है, तो हवा में मौजूद जहरीली गैसें परागकणों की बाहरी परत को तोड़ देती हैं, जिससे एलर्जी पैदा करने वाले तत्व और भी सक्रिय हो जाते हैं। उन लोगों के लिए खतरा अधिक है, जो पहले से ही दमा या सांस की समस्या से जूझ रहे हैं। इससे न केवल छींकें और आंखों में जलन होती है, बल्कि अचानक अस्थमा का दौरा पड़ने की आशंका भी बढ़ जाती है। फिलहाल, हवा में परागकणों के प्रकार और उनके सटीक घनत्व का पता लगाने की कोई पुख्ता तकनीक भी उपलब्ध नहीं है।

पराग श्वसन एलर्जी (जैसे अस्थमा या राइनाइटिस) और नेत्रश्लेष्मलाशोथ के मुख्य कारणों में से एक है। इसमें फूलों और अवधि के दौरान पेड़ों और पौधों द्वारा उत्पादित कण होते हैं, जो अन्य पेड़ों या पौधों को निषेचित करने के लिए जारी किए जाते हैं। पराग ज्यादातर हवा के माध्यम से यात्रा करता है, जो तब होता है जब यह एलर्जी की समस्या का कारण बनता है। बहुत से लोग पराग एलर्जी को 'हाय फीवर' के रूप में जानते हैं। विशेषज्ञ आमतौर पर पराग एलर्जी को 'मौसमी एलर्जी राइनाइटिस' कहते हैं। घास एलर्जी का सबसे आम कारण है। रैग्वेड खरपतवार एलर्जी का एक मुख्य कारण है। हसेल, एल्डर, बर्च, राख और कुछ क्षेत्रों में देवदार और ओक सहित कुछ प्रजातियों के पेड़ भी अत्यधिक एलर्जी पैदा करने वाले पराग का उत्पादन करते हैं। पराग एलर्जी वाले लोगों में केवल लक्षण होते हैं जब वे परागकणों से एलर्जी होती है जो हवा में होते हैं। सबसे आम लक्षण हैं: बहती नाक, छींक आना, खुजली नाक और आँखें। , लाल और पानी वाली आँखें आंखों के आसपास सूजन भी हो सकती है।

परागण एलर्जी से बचाव के लिए केवल मास्क ही काफी नहीं है, बल्कि जीवनशैली में बदलाव की भी जरूरत है। वृक्षारोपण के वक्त यह भी देखना होगा कि हम किन प्रजातियों को चुन रहे हैं। भविष्य में यह संकट और गहरा सकता है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन के कारण गर्मी का मौसम लंबा होता जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौसम विभाग को वायु गुणवत्ता सूचकांक के साथ-साथ 'पराग सूचकांक' भी जारी करना चाहिए, ताकि लोगों को पहले से जानकारी मिल सके कि किस दिन हवा में एलर्जी का खतरा अधिक है और वे अपनी सुरक्षा के लिए तैयार रह सकें।

आप क्या कर सकते हैं? : जब तक परागण अपने चरम पर हो, तब तक घर के भीतर और आमतौर पर शाम के समय जब संभव हो, घर के अंदर रहें। अपनी कार में पराग फिल्टर की जांच करें और ड्राइविंग करते समय खिड़कियां बंद करें। चश्मा या धूप का चश्मा पहनें। पराग सीजन शुरू होने से पहले एलर्जी की दवा लेना शुरू करें। इस तरह से लेने पर अधिकांश एलर्जी की दवाएं सबसे अच्छा काम करती हैं। यह दवा को आपके शरीर को हिस्टामाइन और अन्य रसायनों को जारी करने से रोकने की अनुमति देता है जो आपके लक्षणों का कारण बनते हैं। रोज़ाना सोने से पहले अपने बाल धोएँ। इससे आपके बालों और त्वचा से पराग कण हट जाएँगे और आपके बिस्तर पर भी नहीं जमेंगे। अपने बेडरूम में बाहरी गतिविधियों के दौरान पहने हुए कपड़े न बदलें। सप्ताह में एक बार बिस्तर को गर्म, साबुन वाले पानी से धोएं। लॉन, रेकिंग की पत्तियां या बागवानी करते समय एक पराग मुखौटा पहनें और पहले से या बेहतर तरीके से उचित दवा लें, किसी अन्य व्यक्ति द्वारा किए गए काम को करने दें। पालतू जानवरों के साथ घनिष्ठ संपर्क को सीमित करें जो बाहर बहुत समय बिताते हैं।

जीवन दर्शन

मनुष्य कैसे समझ सकता है समय की गहराई

अ मनुष्य समय की गहराई को तभी समझ सकता है, जब शाश्वत सत्य उसके भीतर प्रकाश फैलाए। यही समझ मनुष्य को शांत व जागरूक बनाकर अर्थपूर्ण जीवन की ओर ले जाती है। जो व्यक्ति वास्तव में जीवन का आनंद लेना चाहता है और स्वतंत्र होकर कार्य करना चाहता है, उसे अपने वर्तमान दिन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। यदि मनुष्य केवल बीते हुए कल के बारे में सोचता रहेगा, तो वह पछतावे और निराशा में डूब सकता है। दूसरी ओर, यदि वह आने वाले कल के सपनों में खोया रहेगा, तो कल्पनाओं में जीने वाला व्यक्ति बन जाएगा और वास्तविक कर्म से दूर हो जाएगा। मनुष्य को केवल उन छोटे कार्यों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, जो दिन समाप्त होने के साथ खत्म हो जाते हैं, क्योंकि ऐसा करने से जीवन केवल सांसारिक व्यस्तताओं तक ही सिमट कर रह जाएगा। हालांकि, केवल अनंत और शाश्वत विषयों में खो जाना भी उचित नहीं है, क्योंकि तब मनुष्य अपने दैनिक जीवन तथा व्यावहारिक कर्मों को दिशा नहीं दे पाएगा। सच्चा संतुलन इसी में है कि मनुष्य अपने आज के कार्यों में अपने पूरे जीवन की यात्रा का एक महत्वपूर्ण भाग देख सके और उनमें अनंत सत्य की

झलक पहचान सके। वास्तव में सुखी वही व्यक्ति है, जो अपने प्रत्येक छोटे कार्य को किसी बड़े और शाश्वत उद्देश्य से जुड़ा हुआ महसूस करता है। ऐसा व्यक्ति अपने वर्तमान को महत्व देता है, क्योंकि यही वह समय है, जो वास्तव में उसके हाथ में है। वह पूरे मन, परिश्रम और ईमानदारी से अपने दैनिक कार्यों को पूरा करता है, क्योंकि उसे यह विश्वास होता है कि उसका हर कर्म जीवन के किसी गहरे अर्थ से जुड़ा हुआ है।

असल में, हम जो कुछ भी करते हैं, उसका मकसद अपने सोचने और महसूस करने के तरीके (चेतना) को बदलना ही होता है। हम दोस्ती करते हैं, ताकि अकेलेपन से बच सकें, किताबें पढ़ते हैं, ताकि किसी महान शख्सियत के सकारात्मक विचारों को महसूस कर सकें और अपने सोचने के अनुभव को समृद्ध बना सकें। इसका मतलब है कि जीवन का असली केंद्र बाहर नहीं, भीतर है। अगर हम अपने मन को समझना, उसे शांत रखना और जागरूक होना सीख जाएं, तो जो दुनिया हमें उलझनों भरी लगती थी, वही हमें साफ और संतुलित नजर आने लगेगी

मनुष्य को प्रकृति की दिव्य प्रक्रिया का एक जीवंत रूप बनना चाहिए। उसमें सीमित और असीम, दोनों का सुंदर मेल दिखाई देना चाहिए। उसे अपने सांसारिक जीवन को तुच्छ नहीं समझना चाहिए, क्योंकि कर्म करने का अवसर केवल इसी जीवन में मिलता है। उसे यह भी नहीं भूलना चाहिए कि जीवन का अंतिम सत्य केवल भौतिक दुनिया तक सीमित नहीं है। समय अपने आप में एक रहस्य है, और मनुष्य उसकी गहराई को तभी समझ सकता है, जब शाश्वत सत्य उसके भीतर प्रकाश फैलाए। यही समझ मनुष्य को शांत, जागरूक और अर्थपूर्ण जीवन की ओर ले जाती है।

जे सी मैक्सवेल

॥ गीता ज्ञान ॥

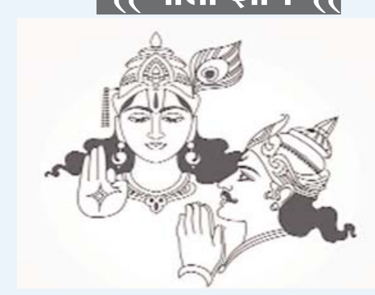

श्लोक

स्वभावो नोपदेशेन शक्यते कर्तुमन्यथा ।
सुतप्तमपि पानीयं पुनर्गच्छति शीतताम् ॥

भावार्थ

किसी भी व्यक्ति का मूल स्वभाव कभी नहीं बदलता है। चाहे आप उसे कितनी भी सलाह दे दो। ठीक उसी तरह जैसे पानी तभी गर्म होता है, जब उसे उबाला जाता है। लेकिन कुछ देर के बाद वह फिर ठंडा हो जाता है।

देवी धाम रैसलपुर में हुआ डिजिटल योद्धा संवाद

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के अध्यक्ष रहे उपस्थित

जागरण ओबेदुल्लागंज। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के नवनियुक्त अध्यक्ष पवन पाटीदार का प्रथम रायसेन जिले में आगमन रेसलपुर धाम पर हुआ। जहां उन्होंने माता बिजासन देवी के दर्शन के पश्चात अभिषेक सेन भोजपुर मित्रमंडल द्वारा डिजिटल योद्धा संवाद में हिस्सा भी लिया। आयोजन भोजपुर मार्ग स्थित रेसलपुर धाम पर रखा गया जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्र के डिजिटल क्रिएटर उपस्थित हुए और संवाद के साथ आशापुरी प्राचीन मंदिर एवं संग्रहालय का भ्रमण भी किया। संवाद कार्य क्रम का प्रारंभ 7 वर्षीय इशिका द्वारा गाये वन्दे मातरम गीत के साथ हुआ। इस अवसर पर उपस्थित भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के उपाध्यक्ष संजय यादव और जमुना सेन द्वारा भी डिजिटल योद्धाओं को संबोधित किया गया और उनके प्रश्नों के माध्यम से डिजिटल माध्यमों और सोशल मीडिया की उपयोगिता पर संवाद किया। कार्यक्रम के अंत में अभिषेक सेन द्वारा उपस्थित अतिथियों, डिजिटल योद्धाओं के साथ भोजपुर प्रेस क्लब के पत्रकारों को सम्मानित कर उनका आभार व्यक्त किया गया।

बत्तीस सालों में 45 लाख लोगों की मदद कर चुका जीव सेवा संस्थान

वटवृक्ष बन समर्पण और उत्तरदायित्व की दी मिसाल

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। वैसे तो ब्रम्हलीन स्वामी हिरदाराम जी का पूरा जीवन की सादगी के साथ सेवा को समर्पित रहा, लेकिन उनके आशीर्वाद से ही 1994 में स्थापित हुई सामाजिक संस्था जीव सेवा संस्थान आज पूरी तरह से वटवृक्ष का रूप ले चुकी है, जिसकी छाया से लाखों जरूरतमंद लाभांवित हुए हैं। इसके सचिव महेश दयारामानी ने बताया कि यह संस्था अब सिद्ध भाऊ के मार्गदर्शन में समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान : महेश दयारामानी बताते हैं कि अपने स्थापना काल से अब तक, जीव सेवा संस्थान द्वारा 45 लाख से अधिक जरूरतमंद लोगों के जीवन को स्पर्श कर उनमें सकारात्मक परिवर्तन लाया गया है। 'मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है' के सिद्धांत पर कार्य करते हुए संस्थान विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दे रहा है।

मुख्य सेवा क्षेत्र : इसके मुख्य क्षेत्रों में शिक्षा आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को छात्रवृत्ति, उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा में सहयोग, स्वास्थ्य के क्षेत्र में निःशुल्क नेत्र शिविरों का आयोजन एवं कैंसर, थैलेसीमिया, किडनीध्लीवर ट्रांसप्लांट एवं हृदय सर्जरी जैसे गंभीर उपचारों हेतु आर्थिक सहायता, परिवार सहायता में जरूरतमंद परिवारों को मासिक राशन एवं विधवाओं को आर्थिक सहयो, सामाजिक सेवाएं में

निर्धन कन्याओं के विवाह में सहायता, गर्भवती माताओं के लिए पोषण, अंतिम संस्कार सहायता, सर्दियों में कंबल वितरण एवं गर्मियों में प्याऊ की स्थापना। शासकीय परियोजनाओं में योगदान के रूप में संस्थान द्वारा शासकीय अस्पतालों एवं विद्यालयों में महिला वार्ड, कक्षाओं, शौचालयों एवं पेयजल सुविधाओं का निर्माण किया गया है। साथ ही कोविड-19 महामारी में अनाथ हुए बच्चों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

एक साल की उपलब्धि : महेश दयारामानी बताते हैं वर्ष 2025-26 की प्रमुख उपलब्धियांरू वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान संस्थान ने हजारों लाभार्थियों तक अपनी सेवाएं पहुंचाई। इस वर्ष 279 छात्रों को स्कूल शिक्षा में सहायता, 304 छात्रों को उच्च शिक्षा में सहयोग, 110 कन्याओं को विवाह सहायता, 315 विधवाओं को प्रतिमाह सहायता, 842 परिवारों को प्रतिमाह राशन, 1798 जरूरतमंदों को कंबल तथा 94 मरीजों को चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष संस्थान ने गंभीर रोगों से पीड़ित 31 मरीजों को आर्थिक सहायता देकर उनके जीवन में आशा की एक किरण प्रदान की है। इन मरीजों में 13 किडनी के मरीज, 6 पैरालीसिस के मरीज, 1 केंसर का मरीज, 4 मरीज थैलसीमिया व 7 गंभीर हृदय रोगी थे। जीव सेवा संस्थान समाज के सहयोग एवं सहभागिता से सेवा के इस मिशन को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी जरूरतमंदों के जीवन में आशा की किरण बनकर कार्य करता रहेगा। संस्थान अपने सभी देश विदेश के दानदाताओं, समाज के शुभचिंतकों, राज्य एवं केंद्र. शासन का उनके प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष सहयोग के प्रति अपनी कृतज्ञता ज्ञापित व्यक्त की है।

दो दोस्त मिलकर कर रहे थे गांजा सप्लाई, बाइक और मोबाइल जब्त

जागरण,भोपाल। रातीबड़ पुलिस ने 126 ग्राम गांजे के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे गांजा सप्लाई करने में इस्तेमाल की जा रही बाइक और मोबाइल जब्त किया है। बरामद किए गए माल की कुल कीमत एक लाख रूपए है। पुलिस के अनुसार रविवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति गांजा बेचने की फिराक में खड़ा है। सूचना पर मौके पर पहुंची टीम ने उसे घेराबंदी कर पकड़ा। जिसकी पहचान विशाल श्रीवास्तव (27) निवासी नीलबड़ के रूप में हुई। पुलिस ने उसकी बाइक के बैग में रखा मादक पदार्थ जब्त किया। पूछताछ करने पर उसने बताया कि उसका दोस्त अनूप भट्ट उसे गांजा लाकर बेचने के लिए देता था। पुलिस ने दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए दोनों आरोपियों के खिलाफ पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज है।

संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे में मिला युवक का शवःभोपाल। अवधपुरी थाना क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत हो गई। उसका शव कमरे में पड़ा मिला। इसके तीन दिन बाद मकान मकान मालिक को बदबू आने पर घटना का खुलासा हुआ। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 37 वर्षीय कृष्ण कुमार रैकवार मूल रूप से जबलपुर का रहने वाला था। वर्तमान में वह वल्लभ नगर में किराए के मकान में रहता था। वह एक निजी होटल में काम करता था। गुरुवार रात वह होटल से घर लौटा था। घटना के वक्त वह घर में अकेला था। शनिवार को मकान मालिक को बदबू आने पर उन्होंने कमरे जाकर देखा तो वह मृत अवस्था मे पड़ा मिला। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेजा। जिसकी पीएम रिपोर्ट में बाद कारणों का खुलासा हो पाएगा।

सोमनाथ की गाथा देख भावुक हुए भोपालवासी, पटेल को किया याद

जागरण, भोपाल। सनातन धर्म सेवा समिति एवं सिंधु सेना के संयुक्त तत्वावधान में अनिल थारवानी द्वारा रविवार शाम तालिब धाम, सिंधी कम्युनिटी हॉल, ईदगाह हिल्स में श्री सोमनाथ मंदिर के इतिहास पर आधारित फिल्म श्री सोमनाथ की गाथा-जय सोमनाथ का बड़ी स्क्रीन पर भव्य प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में धर्मप्रेमी नागरिक, मातृशक्ति एवं युवाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रच्च्वलन एवं धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो के उद्घोष के साथ हुआ। केतन मेहता द्वारा निर्देशित फिल्म में सोमनाथ मंदिर पर हुए 17 आक्रमणों एवं सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा कराए गए मंदिर के पुनर्निर्माण को विस्तार से दर्शाया गया। फिल्म देखकर उपस्थित जनसमूह भावुक हो गया। कई दर्शकों की आंखें नम हो गई। धर्म गुरु अनिलानंद जी ने बताया कि यह फिल्म नहीं, भारत की आत्मा है। सोमनाथ हमें सिखाता है कि हम मिटने वाली कौम नहीं हैं। सरदार पटेल ने जो संकल्प लिया, वहीं आज राम मंदिर, काशी विश्वनाथ के रूप में पूरा हो रहा है। सिंधु सेना के अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने कहा कि नई पीढ़ी को अपना इतिहास पता होना चाहिए। एक छोटा प्रयास अपने इतिहास को पहचानने का सफल रहा।

अहं से वयं तकः विद्या भारती का लक्ष्य, राष्ट्र निर्माण की दिशा में 10 दिवसीय आचार्य दक्षता वर्ग का शुभारंभ

जागरण, बैरसिया। स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर विद्या विहार, बैरसिया में विद्या भारती मध्य भारत प्रांत की योजना से आयोजित 10 दिवसीय आचार्य दक्षता प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ शुक्रवार सायंकाल ध्वजारोहण एवं वंदे मातरम् के साथ हुआ। इस प्रशिक्षण वर्ग में मध्य भारत प्रांत के 16 जिलों से आए 61 शिक्षार्थी सहभागिता कर रहे हैं। उद्घाटन सत्र में सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान के प्रादेशिक सचिव डॉ. शिरोमणि दुबे, वर्ग पालक अधिकारी राजेंद्र सिंह परमार, वर्ग संयोजक रामकुमार व्यास एवं समिति अध्यक्ष राजीव शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता डॉ. शिरोमणि दुबे ने कहा कि विद्या भारती का मूल लक्ष्य 'अहं से वयं तक' का है, अर्थात व्यक्ति से समाज और समाज से राष्ट्र एवं विश्व कल्याण की ओर अग्रसर होना। उन्होंने कहा कि वर्ष 1989 की जोधपुर बैठक में निर्धारित इस लक्ष्य में वर्तमान समय के अनुसार चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों की शिक्षा, वसुधैव कुटुम्बकम् और विश्व कल्याण जैसे महत्वपूर्ण आयाम जुड़े हैं।

उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल विषय ज्ञान देना नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति, नागरिक कर्तव्य और सामाजिक उत्तरदायित्व से युक्त व्यक्तित्व निर्माण करना है। मनुष्य का जीवन परिवार, समाज, राष्ट्र और संपूर्ण मानवता के लिए समर्पित होना चाहिए। डॉ. दुबे ने पंचकोशीय विकास की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक विकास ही समग्र शिक्षा का आधार है। इसके लिए विद्यालयों में शारीरिक शिक्षा, योग, संगीत, संस्कृत, नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा को विशेष महत्व दिया जाता है। उन्होंने कहा कि विद्या भारती उपेक्षित सेवा बस्तियों में संस्कार केंद्र संचालित कर समाज के प्रत्येक वर्ग में आत्मीयता का भाव जागृत करने का कार्य कर रही है। साथ ही सर्वांगीण विकास के लिए आवासीय विद्यालयों का संचालन भी किया जा रहा है। उन्होंने वर्तमान समय की चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि भोगवादी संस्कृति से ऊपर उठकर आत्मबल, त्याग और समर्पण की भावना से ही राष्ट्र जीवन को समरस, सुसंस्कृत और समृद्ध बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित शिक्षार्थियों से राष्ट्र निर्माण एवं समाज सेवा के संकल्प के साथ प्रशिक्षण का लाभ लेने का आह्वान किया गया।

जनशक्ति की जीतः ग्रामीणों के आंदोलन के आगे झुका प्रशासन

जागरण, मंडीदीप। जिले के ग्राम नूरगंज में जनता की एकता ने आखिरकार प्रशासन को झुकने पर मजबूर कर दिया। गांव के प्राचीन देवस्थान के समीप संचालित शराब दुकान को हटाने की मांग को लेकर पिछले कई दिनों से चल रहा ग्रामीणों का आंदोलन शनिवार को सफलता की ओर बढ़ता नजर आया, जब प्रशासन ने दुकान को अन्यत्र स्थानांतरित करने का आश्वासन दिया। गांव के लोगों का कहना था कि धार्मिक स्थल के पास शराब दुकान संचालित होने से सामाजिक वातावरण खराब हो रहा था। युवाओं पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ रहा था। इस गंभीर मुद्दे को लेकर ग्राम पंचायत ने 30 अप्रैल को तहसीलदार को लिखित आवेदन सौंपा था। साथ ही ग्राम सभा में प्रस्ताव पारित कर स्पष्ट निर्णय लिया गया था कि गांव की सीमा में शराब दुकान संचालित नहीं होने दी जाएगी। इस प्रस्ताव की प्रतियां तहसील प्रशासन और आबकारी विभाग को भी भेजी गई थीं। मांगों पर कार्रवाई न होने

से ग्रामीणों का आक्रोश बढ़ता गया। पिछले तीन दिनों से महिलाएं, बुजुर्ग, युवा और छोटे बच्चे बड़ी संख्या में दुकान के सामने धरने पर बैठे रहे। ग्रामीणों ने इसे केवल शराब दुकान का विरोध नहीं, बल्कि धार्मिक आस्था, सामाजिक सुरक्षा और आने वाली पीढ़ी के भविष्य की लड़ाई बताया। रविवार को आबकारी विभाग के अधिकारी गौरव भद्रसेन और नायब तहसीलदार निलेश सरवटे मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों से चर्चा कर भरोसा दिलाया कि उक्त स्थान पर तत्काल प्रभाव से शराब बिक्री बंद रहेगी और दुकान को जल्द ही अन्यत्र स्थानांतरित किया जाएगा। साथ ही यह भी आश्वासन दिया गया कि ग्राम पंचायत सीमा के भीतर दुकान संचालित नहीं होगी।

झा और लायंस क्लब की टीम का सम्मान

हांगकांग के समाज सेवी कान लखानी रहे मौजूद

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। अपना लम्बा जीवन लायंस क्लब के जरिए समाज सेवा को समर्पित कर देने वाले संत हिरदाराम नगर स्थित साधु वासवानी कालेज के पूर्व छात्रसंघ सह सचिव अनिल झा को उनकी दीर्घकालिक सेवाओं के लिए सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय ने विशेष रूप से सम्मानित किया है। विगत दिनों आयोजित एक भव्य समारोह में हांगकांग से आए विश्व प्रसिद्ध सिंधी समाज सेवी कान लखानी, स्वामी हिरदाराम जी के उत्तराधिकारी संत सिद्ध भाऊ, जाने माने सिंधी साहित्यकार भगवान बाबानी, सेवा सदन के ट्रस्ट आरके मूलचंदानी की विशेष उपस्थिति में लायंस क्लब डिस्ट्रिक्ट 323 जी के पूर्व प्रांतपाल अनिल झा के अलावा कमल भंडारी, दिलीप धारीवाल, अशोक लालवानी, अशोक परियानी, कौशलेन्द्र रघुवंशी एवं नासिर सिद्धकी को शाल एवं श्रीफल के अलावा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। अनिल झा ने बताया कि वर्ष 2018-19 में लायंस क्लब इंटरनेशनल के सहयोग से डायबिटिक रेटिनोपेथी हेतु दिए गए अनुदान तथा निरंतर दृष्टि मित्र की तरह सहयोग करने के उपलक्ष्य में लायंस क्लब के इन पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। यहां बता दें कि अनिल झा

और उसकी लायंस क्लब की पूरी टीम लम्बे समय से अलग अलग शहरों एवं कस्बों में सेवा के क्षेत्र में पीढ़ित मानव का जीवन स्तर ऊपर उठाने की दिशा में काम कर रहे हैं। इस अवसर पर संत सिद्ध भाऊ ने अनिल झा एवं उनकी पूरी टीम को समय समय पर सेवा सदन को दी गई मदद के लिए उनकी प्रशंसा की। अनिल झा ने चार दशक पूर्व अपने सेवा केरियर की शुरूआत संत हिरदाराम नगर के साधु वासवानी कालेज से की, जब वे एबीवीपी की तरफ से छात्र संघ सयुंक्त सचिव बने, पढ़ाई के साथ साथ लियो क्लब में शामिल हुए, और सचिव बने बाद में उन्होंने इटारसी से लायंस क्लब को सेवा के लिए चुना तथा अंतिम पायदान डिस्ट्रिक्ट गर्वर तक पहुंचे। उनके सेवा कार्य अभी भी जारी हैं।

नेत्र शिविर में 2321 दृष्टिबाधित लोगों को मिली रोशनी

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। मृत्यु के बाद आंखें भी जलकर राख हो जाए, इससे बेहतर है कि उससे किन्हीं दो दुष्टिहीनों का जीवन रोशनी हो, इस अपील का अब आम जनता पर गहरा असर होते देखने को मिल रहा है। एक समय था जब लोग नेत्र दान के लिए घबराते थे, लेकिन पिछले कुछ सालों से लोगों की सोच में काफी परिवर्तन हुआ है, अंगदान के साथ ही नेत्र दान की संख्या में दिन प्रतिदिन जबरदस्त इजाफा हो रहा है। स्वामी हिरदाराम जी के आशीर्वाद से संचालित अग्रणी चिकित्सा सेवा संस्था सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में लगातार नेत्र दान के लिए परिजन आगे आ रहे हैं। भोपाल निवासी मनोहरलाल पंजवानी का देहावसान शुक्रवार को हो गया था। दिवंगत प्राणी के पुत्र नरेन्द्र पंजवानी ने अपने पिता की आंखें सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय को दान में दे दी हैं । दिवंगत प्राणी के नेत्र, अब दो जरूरतमंद दृष्टिबाधित व्यक्तियों को प्रत्यारोपित किए जाएंगे। सेवा सदन अस्पताल ने अभी तक 2321 दृष्टिबाधित लोगों को निःषुल्क नेत्र प्रत्यारोपित कर नेत्र ज्योति प्रदान की है। सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय ट्रस्ट के सचिव ने दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना तथा परिवार जन के प्रति स्वजन के नेत्रों का दान करवाने पर कृतज्ञता प्रकट की है।

बिजली बंद का असर पानी पर, शाम को नहीं आए नल

अब सुबह 6.45 तक का करना होगा इंतजार

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के संत हिरदाराम नगर में हालात सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। बार बार बिजली बंद होने से जहां दुकानों व घरों में बिजली चलित उपकरण नष्ट हो रहे हैं तथा उपभोक्ताओं को लाखों का नुकसान हो रहा है, वहीं इसका सीधा असर जल प्रदाय व्यवस्था पर भी पड़ने लगा है। दो दिन पूर्व ही पम्प हाउस की मशीन खराब हो गई और सुबह की सप्लाई ठप रही। इस बीच जल शोधन सयंत्र की सफाई का काम प्रारंभ किया, जो रविवार दोपहर को पूरा होना था लेकिन दोपहर में फिर एक से सवा घंटा बिजली बदं रही, ऐसे में सफाई काम बंद हो गया। एक अधिकारी ने बताया कि अगर बिजली बंद नहीं होती तो प्लांट की सफाई का काम दोपहर में पूरा हो जाता, जो नहीं हो सका और टंकी भरने में दिक्कत आई इस वजह से अब रविवार शाम के स्थानप र सोमवार सुबह 6.45 बजे से पानी प्रदाय किया जाएगा। इधर अनेक कारोबारियों ने बताया कि शाम की सप्लाई आने पर इस गर्मी में वे पीने के पानी के साथ कूलर भी भर देते हैं, लेकिन पानी नहीं आने से यह काम भी नहीं हो सका।

प्रतीक्षा की रट्ट : इधर बार बार बिजली बंद होने के बाद बिजली विभाग का उपभोक्ताओं को एक ही संदेश सोशल मीडिया पर दिया जाता है कि प्रिय उपभोक्ता आपके विद्युत सयोंजन क्रमांक से संबधित फीटर पर आए व्यवधान को ठीक किया जा रहा है, अनुरोध है प्रतीक्षा करें। आखिर लोग कब तक प्रतीक्षा करते रहेंगे इसका बिजली विभाग के अधिकारियों के पास कोई जवाब नहीं रहता।

हिरदाराम नगर में शनि जयंती महोत्सव की जोरदार तैयारियां

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। हर साल की तरह इस बार भी शनि जयंती को लेकर जोरदार तैयारियां की गई हैं। इस उपक्ष्य में जहां जहां भगवान शनिदेव की प्रतिमाएं स्थापित हैं, वहां विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। संजय कालोनी स्थिति शनि मंदिर में पिछले 42 सालों से उत्सव मनाया जाता रहा है और यह 43वां साल है। मंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष वासुदेव रामचंदानी ने बताया कि शनि जयंती 16 मई के उपलक्ष्य मं 15 मई को रात 8 बजे से श्री सियाराम मचरित मानस मण्डल की और से संगीतमय सुंदरकांड की प्रस्तुत के साथ प्रसाद वितरण किया जाएगा। शनिवार सुबह 6 बजे शनि तिलाभिषेक, 8 बजे श्री शनि महा आरती, 10 बजे श्री शनि महायज्ञ के बाद दोपहर 12 बजे से भंडारे का आयोजन किया गया है। इसके अलावा शाम 7 बजे पुनः महा आरती होगी। प्रेम रामचंदानी मार्ग स्थित काली मंदिर में शनि देव भगवान की 16 मई को विशेष पूजा अर्चना की जाएगी। यहां भी सुंदर कांड का पाठ, हवन यज्ञ के अलावा शनि महा आरती का आयोजन किया गया है। पंडित संतोष शर्मा ने बताया कि विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के साथ ही प्रसादी वितरण का कार्यक्रम भी होगा। भोपाल इंदौर राजमार्ग स्थित शिव मंदिर परिसर में स्थापित शनि प्रतिमा पर भी 15 मई को रात्रि एवं 16 मई को सुबह सुंदरकांड का पाठ, श्री रामचरित मानस एवं शनि देव की महा आरती की जाएगी।

SUDOKU 32

	4						3	
1								7
		9	6	3	2	4		
		4		5		2		
		5	9		3	8		
		7		4		3		
		2	1	6	7	9		
3								5
	8						4	

SOLUTIONS 31

6	3	7	5	8	2	1	4	9
2	8	1	9	4	3	6	5	7
4	9	5	1	7	6	2	8	3
1	2	4	7	6	8	9	3	5
5	7	9	2	3	1	4	6	8
3	6	8	4	5	9	7	2	1
7	5	3	6	1	4	8	9	2
9	1	6	8	2	5	3	7	4
8	4	2	3	9	7	5	1	6

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज आपके ऊपर से पुराने कर्ज का बोझ हल्का हो सकता है, लेकिन ध्यान रखें। फिजूल खर्च आपकी जेब ढीली कर सकता है। शेयर मार्केट से अचानक फायदा आपका दिन बना देगा।

वृषभ : आज जरूरी कामों पर पूरा ध्यान देना ही सफलता की चाबी होगा। अटका हुआ सरकारी काम पूरा होने के संकेत हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा।

मिथुन : आज कुछ नया करने की ऊर्जा आपके अंदर जोश भर देगी। लाइफस्टाइल में सुधार आएगा और सुख-सुविधाओं में भी बढ़ोतरी होगी।

कर्क : आज का दिन खास खुशखबरी लेकर आ सकता है। मन की टेंशन दूर होगी और सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है।

सिंह : आज आपकी मेहनत का पूरा फल मिलेगा और सकारात्मक ऊर्जा आपको आगे बढ़ाएगी। किसी दूर रह रहे रिश्तेदार से मिलने का प्लान बन सकता है। मान सम्मान में बढ़ोतरी होगी।

कन्या : आज नई संपत्ति लेने के योग बन रहे हैं और कोई अटकी हुई बिजनेस डील भी फाइनल हो सकती है। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी।

तुला : आज का दिन आपके लिए खास रहेगा। कुछ प्रभावशाली लोगों से मुलाकात नए रास्ते खोल सकती है। बैंक से लोन लेने की सोच रहे हैं तो काम आसानी से बन सकता है।

वृश्चिक : आज नौकरी की तलाश कर रहे लोगों के लिए अच्छे मौके सामने आएंगे। आपकी पहचान और संपर्क बढ़ेंगे और बॉस भी आपके काम से खुश रहेंगे। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी।

धनु : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। मां से पारिवारिक मुद्दों पर बातचीत होगी और लाइफस्टाइल में सुधार आएगा। परिवार का सहयोग मिलेगा।

मकर : आज राजनीति से जुड़े लोगों के लिए खास अवसर हैं। किसी बड़े नेता से मुलाकात हो सकती है। आज हर काम में सफलता मिलेगी।

कुंभ : आज आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और पुराने निवेश से अच्छा लाभ मिल सकता है। बिजनेस में नए बदलाव आपको आगे बढ़ाएंगे।

मीन : आज नया वाहन खरीदने का मन बन सकता है। काम में पूरी मेहनत दिखानी होगी, तभी सफलता मिलेगी। पढ़ाई में परेशानी आ रही है तो गुरुजनों की सलाह काम आएगी।

आज का पंचांगः 11 मई सोमवार 2026। **दिशाशूल :** पूर्व दिशा में रहेगा। **विशेष :** पंचक, सूर्य कृतिका नक्षत्र में, मंगल अश्वनी नक्षत्र और मेष राशि में। विक्रम संवत 2083 शके 1948 उत्तरायण, उत्तरगोल, वसंत ऋतु ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष की नवमी 15 घंटे 25 मिनट तक, तत्पश्चात दशमी शतभिशा नक्षत्र 25 घंटे 29 मिनट तक, तत्पश्चात पूर्वभाद्रपद नक्षत्र ऐंद्र योग 25 घंटे 05 मिनट तक, तत्पश्चात वैधृति योग, कुंभ में चंद्रमा।

ग्रीन बेल्ट में झुग्गियां बसाने का विरोध, एनजीटी में याचिका दायर करेंगे आसपास की कालोनियों के रहवासी

झुग्गियों के कारण बढ़ेगा अतिक्रमण, ग्रीन बेल्ट में लगे पेड़ भी काटे जाएंगे

जागरण संवाददाता, भोपाल। बागमुगालिया एक्सटेंशन कालोनी के पास स्थित दशहरा मैदान के सामने झुग्गियां की बसाहट को लेकर स्थानीय कालोनियों के रहवासी नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में याचिका दायर करेंगे। कार्रवाई का विरोध करते हुए लोगों ने मोर्चा खोल दिया है और कहा है कि यदि इन 37 परिवारों को किसी अन्य जगह पर नहीं बसाया गया तो एनजीटी के समक्ष ग्रीन बेल्ट की जमीन पर कब्जा करने की याचिका दायर की जाएगी। साथ ही जिस जगह पर झुग्गियों की बसाहट की जा रही है, वहां से हाईटेंशन लाइन भी गुजर रही है। ऐसे में बारिश के दौरान हमेशा करंट फैलने और जनहानि का खतरा भी बना रहेगा। साथ ही इस इलाके में पीछे की ओर विश्राम घाट भी मौजूद है। यदि इस इलाके में झुग्गियों की बसाहट हो जाती है, तो विश्राम घाट की व्यवस्थाएं भी खराब होंगी, क्योंकि ज्यादातर लोग अंत्योष्टि क्रिया के दौरान ग्रीन बेल्ट की जगह पर ही अपने दो पहिया और चार पहिया वाहन खड़े करते हैं। रहवासियों का तर्क है कि यदि प्रशासन बावड़िया कला स्थित दीपक नगर बस्ती से झुग्गियां हटा रहा है, तो लोगों को नियमों के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ही मकान दिए जाने चाहिए।

32 साल से बावड़िया कलां में ही रह रहे हैं 35 परिवार

बावड़िया कलां क्षेत्र में स्थित दीपक नगर बस्ती में 35 परिवार पिछले 32 सालों से निवास कर रहे हैं। इन लोगों के पास प्रशासन द्वारा दिए गए पट्टे भी मौजूद हैं। इसके बाद भी इन्हें दबाव बनाकर शिफ्ट किया जा रहा है। ऐसे में शिफ्टिंग से पहले सभी को अन्य जगह पर बसाया जाना चाहिए था। पहले भी इसी क्षेत्र में शिफ्टिंग की तैयारी की गई थी। उस दौरान भी यहां के रहवासियों ने शिफ्टिंग का विरोध किया था। इस बार फिर से लोगों ने शिफ्टिंग का विरोध करना शुरू कर दिया है। बागमुगालिया एक्सटेंशन कालोनी में रहने वाले हर्षवर्धन तिवारी ने बताया कि यदि प्रशासन कार्रवाई को नहीं रोकता है, तो मजबूरी में शिफ्टिंग रुकवाने के लिए एनजीटी के समक्ष याचिका दायर करनी पड़ेगी।

फिटनेस, फन और फ्यूजन का अनूठा संगम

लहरों पर सुरीला 'सवेरा', बोट क्लब पर दिखा भोपाल का 'संडे स्वैग'

1500 भोपालियों ने संगीत की धुन पर की दिन की शुरुआत

जागरण, भोपाल। रविवार की सुबह बोट क्लब का नजारा किसी कार्निवल जैसा था। मौका था, 'संडेज एट सवेरा' का, जिसने यह साबित कर दिया कि भोपाल की सुबह अब सिर्फ चाय-पोहे तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कला, फिटनेस और कम्युनिटी का नया अड्डा बन चुकी है। चौपाल आर्टग्राउंड द्वारा क्यूरेट किए गए इस तीन घंटे के कार्यक्रम ने यह साबित कर दिया कि भोपाल की नई पीढ़ी न केवल अपनी विरासत से जुड़ी है, बल्कि सेहत और समुदाय को लेकर भी उतनी ही सजग है।

संगीत की धुनों, सकारात्मक बदलाव लाने वाले 'चेंजमेकर्स' के सम्मान और युवाओं की सक्रिय भागीदारी ने इस सवेरे को शहर के सांस्कृतिक कैलेंडर का एक अनिवार्य हिस्सा बना दिया है। संडे की यह सुबह भोपाल के 'लाइफस्टाइल रिवोल्यूशन' का जीवंत प्रमाण बन गई है।

सुकून का सवेरा, बांसुरी और मेडिटेशन

सुबह 6 बजे जब धुंध छंटनी शुरू हुई, तब अजय शिंदे की बांसुरी की मधुर तान ने वातावरण में एक रूहानी सुकून घोल दिया। 'फ्लूट मेडिटेशन' के इस सत्र में लोगों ने आंखें बंद कर खुद को प्रकृति के करीब महसूस किया। यह भागदौड़ भरी जिंदगी के बीच 'पॉज' बटन दबाने जैसा अनुभव था। शांति के बाद बारी थी पसीना बहाने की। जैसे ही ट्रेनर ने कमान संभाली, पूरा बोट क्लब एक ओपन-एयर जिम में तब्दील हो गया। जुम्बा के बीट्स पर बच्चों से लेकर 60 साल के युवाओं तक, हर कोई झूम उठा। यह नजारा शहर की बदलती लाइफस्टाइल की गवाही दे रहा था। संगीतमय माहौल को सातवें आसमान पर ले जाने का काम किया 'आगाज' बैंड ने। मुस्कान पांडे की आवाज ने समां बांधा, तो डीजे यशोधन के मिक्स ने लोगों को अपनी जगह से हिलने नहीं दिया। आरजे वेद की चुटीली बातों ने हर पल को खुशनुमा बनाए रखा।

सकारात्मक बदलाव लाने वालों को चेंजमेकर्स सम्मान

कार्यक्रम के दौरान समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाले तीन चेंजमेकर्स का सम्मान भी किया गया। इनमें 'द मेंटरशिप प्रोजेक्ट' के राघव सिंह, 'तक्षशिला इंस्टीट्यूट फॉर चाइल्ड डेवलपमेंट' से अनिल एवं रोल्ली, तथा एल्गी ट्री की टीम को सम्मानित किया गया। चौपाल आर्टग्राउंड के संस्थापक आयुष खरे और मोहित सक्सेना ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य भोपाल के लोगों को उनकी व्यस्त दिनचर्या से निकालकर कला और स्वास्थ्य से जोड़ना है। इस मिशन को सफल बनाने में प्रवीण विश्वकर्मा, महक पांडे, यश मिश्रा और उनकी पूरी टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संभावना में सजे लोकरंग और जनजातीय परंपराओं के स्वर

जनजातीय संग्रहालय में हर रविवार जीवंत हो रही लोककला की विरासत

जागरण, भोपाल। मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में प्रत्येक रविवार आयोजित होने वाली सांस्कृतिक गतिविधि 'संभावना' के तहत इस बार लोकनृत्य, भक्ति गायन और लोकसंगीत की आकर्षक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को लोकसंस्कृति के रंगों से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम में संतकुमार यहके एवं साथी, सिवनी द्वारा गोण्ड जनजातीय गेड़ी नृत्य, दिव्या सिंह चौहान एवं साथी, ग्वालियर द्वारा लांगुरिया नृत्य, राम भावसार एवं साथी, शाजापुर द्वारा भक्ति गायन तथा दिपाशा यादव एवं साथी, खंडवा द्वारा निमाड़ी लोकगायन प्रस्तुत किया गया।

गेड़ी नृत्य में दिखी जनजातीय परंपरा की जीवंत ऊर्जा

संतकुमार यहके एवं साथियों ने गोण्ड जनजाति का पारंपरिक गेड़ी नृत्य प्रस्तुत किया, जिसे मुरिया समुदाय में 'डिटोंग पाटा' कहा जाता है। लकड़ी की ऊंची गेड़ी पर संतुलन बनाकर किया जाने वाला यह नृत्य जनजातीय जीवन की ऊर्जा, साहस और उत्सवधर्मिता को दर्शाता है। कलाकार पारंपरिक वेशभूषा, कमर में बंधी घंटियों, सिर की आकर्षक सजावट और हाथों में छतरी के साथ मंच पर उतरे। नृत्य की तेज लय और संतुलन ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। यह नृत्य मुरिया समुदाय के धार्मिक पर्व 'ककसार' से भी जुड़ा माना जाता है।

भक्ति और निमाड़ी लोकगीतों से सजी सांस्कृतिक संध्या

राम भावसार एवं साथियों ने गणेश वंदना और देवी-देवताओं से जुड़े पारंपरिक भजनों की प्रस्तुति दी। वहीं दिपाशा यादव एवं साथियों ने निमाड़ी लोकगीतों के माध्यम से नर्मदा, लोकदेवताओं और ग्रामीण संस्कृति की झलक पेश की।

लांगुरिया नृत्य में झलकी लोकभक्ति और उत्सवधर्मिता

दिव्या सिंह चौहान एवं साथियों ने लांगुरिया नृत्य की प्रस्तुति दी। राजस्थान के करौली क्षेत्र और चंबल अंचल में लोकप्रिय यह लोकनृत्य कैला देवी मेले और नवरात्रि के अवसर पर विशेष रूप से किया जाता है। हनुमानजी को समर्पित लोकधुनों पर आधारित इस नृत्य में स्त्री-पुरुषों की सामूहिक प्रस्तुति ने लोकभक्ति की सुंदर छटा बिखेरी।

100 से अधिक कलाकारों ने दी टैगोर के गीतों की प्रस्तुति

'चिरोनूतोन' में गूंजे रवींद्र संगीत के सुर

जागरण, भोपाल। गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की 165वीं जयंती के अवसर पर आयोजित 'चिरोनूतोन- शतो कंठे रवीगान' ने शहर के सांस्कृतिक परिदृश्य में यादगार छाप छोड़ी। रविवार को स्टेट आर्कियोलॉजिकल म्यूजियम ऑडिटोरियम में आयोजित इस संगीतमय संध्या में भोपाल, इंदौर और रीवा से आए 100 से अधिक कलाकारों ने एक साथ मंच पर रवींद्र संगीत की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का आयोजन 'द वोकल एन्सेम्बल फ्रॉम मध्यप्रदेश' द्वारा किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में संयुक्त कलेक्टर जीवन रजक तथा पर्यटन एवं संस्कृति विभाग मंत्री के विशेष अधिकारी धर्मेंद्र लोधी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में टैगोर द्वारा रचित 17 चयनित गीतों को श्रृंखलाबद्ध रूप में प्रस्तुत किया गया, जिसमें 'हे चिरोनूतोन', 'नव आनंदे जागो' और 'बांध भेंगे दाओ' जैसे गीतों ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। आयोजकों के अनुसार, इस प्रस्तुति की तैयारी के लिए कलाकारों ने ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यमों से लगभग आठ महीनों तक अभ्यास किया। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि इसका लाइव स्ट्रीमिंग के जरिए देशभर में प्रसारण भी किया गया। आयोजकों ने इसे प्रवासी बंगाली समुदाय के लिए अपनी सांस्कृतिक जड़ों और भाषा से जुड़ने का विशेष अवसर बताया।

हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा देने की मांग, राष्ट्रपति के नाम भेजा ज्ञापन

जागरण, भोपाल। मानवाधिकार सुरक्षा संरक्षण ऑर्गनाइजेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष राहुल तिवारी ने हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिए जाने की मांग को लेकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भेजा है। उन्होंने कहा कि हिंदी देश में सबसे अधिक बोली और समझी जाने वाली भाषाओं में शामिल है तथा यह भारतीय संस्कृति, परंपरा और राष्ट्रीय एकता का महत्वपूर्ण माध्यम है। राहुल तिवारी ने कहा कि संविधान में हिंदी को राजभाषा का दर्जा प्राप्त है, लेकिन अब तक इसे आधिकारिक रूप से राष्ट्रभाषा घोषित नहीं किया गया है। उनका मानना है कि हिंदी को यह मान्यता मिलने से देश की सांस्कृतिक एकता और अधिक मजबूत होगी तथा भारतीय भाषाओं को भी सम्मान मिलेगा।

प्रदर्शनी में दिखा प्रकृति, स्त्री संघर्ष और मातृत्व

कैनवास पर उभरी ममता की सबसे खूबसूरत तस्वीर

जागरण, भोपाल। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के विथि संकुल में आयोजित 'मां: अ हर्टबीट ऑफ एवरी होम, भोपाल एडिशन' प्रदर्शनी दर्शकों को मातृत्व, प्रकृति और स्त्री शक्ति के विविध रंगों से रूबरू करा रही है। लिखन्दरा कला समिति द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी में देशभर के 32 कलाकारों की करीब 50 कलाकृतियां प्रदर्शित की गई हैं, जिनमें मां के प्रेम, त्याग, सुरक्षा और भावनात्मक गहराई को अलग-अलग कला शैलियों में उकेरा गया है। प्रदर्शनी की सबसे खास बात यह है कि यहां हर कैनवास एक कहानी कहता नजर आता है। कहीं मां की ममता प्रकृति के रूप में दिखाई देती है, तो कहीं स्त्री की शक्ति और संघर्ष के रंग उभरते हैं।

प्रकृति और मातृत्व के संबंध को दर्शाता है चित्र

मेरी पेंटिंग में एक पेड़ की शाखाओं पर बने घोंसले में एक पक्षी अपने अंडों के साथ बैठा हुआ है, जो सुरक्षा, स्नेह और देखभाल का प्रतीक है। पास ही एक और घोंसला लटका हुआ है, जिसमें दूसरा पक्षी बैठा है, जो परिवार और सह-अस्तित्व की भावना को प्रकट करता है। यह चित्र प्रकृति और मातृत्व के सुंदर संबंध को दर्शाता है। चित्र में पेड़ की सूखी और हरी शाखाओं का संयोजन जीवन के विभिन्न चरणों संघर्ष और आशा को दर्शाता है। पृष्ठभूमि में हल्के हरे, गुलाबी और नारंगी रंगों का प्रयोग वातावरण को शांत और सौम्य बनाता है। यह रंग संयोजन प्रकृति की कोमलता और संतुलन को उजागर करता है। समग्र रूप से यह चित्र जीवन, संरक्षण, मातृत्व और प्रकृति की सुंदरता का प्रतीक है। कलाकार ने बारीकी और रंगों के माध्यम से एक भावनात्मक और जीवंत दृश्य प्रस्तुत किया है, जो दर्शक के मन में शांति और स्नेह का भाव उत्पन्न करता है।

अर्चना गुप्ता

गांव की संस्कृति और आदिवासी कल्चर को दिखाती हैं पेंटिंग

मैं भील पिथोरा पेंटिंग करती हूं, जो मैंने अपने पापा से 7 साल की उम्र में सीखा था। मेरी पेंटिंग प्रकृति, गांव की संस्कृति और आदिवासी कल्चर को दिखाती हूं। इस पेंटिंग को रंग बिरंगे बिंदुओं की प्रमुखता होती है। गांव की दीवारों पर ऐसे चित्र बनाए जाते हैं। मेरी पेंटिंग श्रुत कथा पर आधारित है, इसमें भील समाज के डामोर जाति के लड़कियों का चित्रण है। मैं एक्रेलिक मीडियम में पेंटिंग करती हूं।

-निर्मला भाबोर, आर्टिस्ट

एकांत पार्क में स्टोरी टॉक का आयोजित

'मां से अनकहे शब्द' में छलकी भावनाएं, नम हुई आंखें

जागरण, भोपाल। एकांत पार्क में रविवार सुबह आयोजित 'अनेक चिड़ियां' के स्टोरी टॉक कार्यक्रम ने लोगों को भावनात्मक रूप से जोड़ दिया। 'मां से अनकहे शब्द' विषय पर हुए इस विशेष संवाद में प्रतिभागियों ने अपनी मां से जुड़ी यादें, प्रेम, कृतज्ञता और मन में छिपी भावनाओं को खुलकर साझा किया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता अर्चना शर्मा ने मां के प्रति आभार व्यक्त करने के महत्व पर भावपूर्ण विचार रखे। उनके अनुभवों और शब्दों ने उपस्थित लोगों को भावुक कर दिया। कई प्रतिभागियों ने पहली बार अपनी मां से जुड़े अनुभव सार्वजनिक रूप से साझा किए, जिससे कार्यक्रम का माहौल आत्मीय और संवेदनशील बन गया। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि यहां लोगों को बिना झिझक अपनी भावनाएं व्यक्त करने का सुरक्षित और अपनापन भरा मंच मिला। आयोजन से जुड़ी टीम ने बताया कि 'अनेक चिड़ियाँ' का उद्देश्य भोपाल में सामुदायिक कहानी कहने की परंपरा को फिर से जीवंत करना है।

मदर्स डे पर भोपाल की सड़कों पर दिखा 'पिंक रन' का उत्साह

फिटनेस, ममता और महिला सशक्तिकरण के नाम रहा खास आयोजन

जागरण, भोपाल। मदर्स डे के अवसर पर रविवार सुबह शहर की सड़कों पर फिटनेस और महिला सम्मान का अनोखा रंग देखने को मिला। जेन रन क्लब द्वारा आयोजित विशेष 'पिंक कम्युनिटी रन' में 150 से अधिक प्रतिभागियों ने अपनी माताओं के साथ हिस्सा लिया। महिलाओं की शक्ति, स्वास्थ्य और आत्मविश्वास को समर्पित इस आयोजन में प्रतिभागियों ने गुलाबी रंग की थीम के साथ भोपाल की सड़कों को उत्साह से भर दिया। रन की शुरुआत सुबह 6:30 बजे ताज लेकफ्रंट से हुई। प्रतिभागी वन विहार तक पहुंचे और वहां से वापस लौटे। लगभग 3 किलोमीटर की इस रन को प्रतियोगिता नहीं, बल्कि 'कम्युनिटी पीस रन' के रूप में आयोजित किया गया, ताकि हर आयु वर्ग की महिलाएं और परिवार सहजता से इसमें शामिल हो सकें। रन के बाद प्रतिभागियों के लिए जुंबा, पिलाटीज और रिफ्रेशमेंट्स का आयोजन भी किया गया। खास बात यह रही कि यहां कोई विजेता नहीं चुना गया, बल्कि रन पूरी करने वाले सभी प्रतिभागियों को 'पिंक मेडल' देकर सम्मानित किया गया।

भारत भवन में सुशासन, पत्रकारिता, एआई और भारतीय भाषाओं पर तीन दिन चला राष्ट्रीय मंथन

अब कोलकाता तक जाएगा 'उदन्त मार्तण्ड' का कारवां

जागरण, भोपाल। भारत भवन के खचाखच भरे सभागार में जब प्रख्यात फिल्म निर्माता डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी ने रामायण के प्रसंगों के जरिए भगवान श्रीराम द्वारा पूछे गए सुशासन से जुड़े 88 सवालों का उल्लेख किया, तो पूरा हॉल भारतीय चिंतन और लोकनीति की गहराई में डूब गया। मौका था माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय और वीर भारत न्यास द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संविमर्श 'प्रणाम उदन्त मार्तण्ड' के समापन का। समापन सत्र में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की सबसे महत्वपूर्ण घोषणा की, उन्होंने कहा कि अब 'उदन्त मार्तण्ड' की विरासत को नमन करने यह कारवां कोलकाता जाएगा, जहां हिंदी के पहले समाचार पत्र का जन्म हुआ था। इसके बाद बनारस और लखनऊ जैसे शहरों में भी आयोजन होंगे, जिन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान पत्रकारिता के जरिए जनचेतना जगाई थी।

भाषाई एकता और पत्रकारिता के इतिहास पर चर्चा

भारतीय भाषाओं के राष्ट्रीय स्वर पर हुई चर्चा में डॉ. कृपाशंकर चौबे ने कहा कि भारत की सभी भाषाएं संवेदना के स्तर पर एक हैं। वरिष्ठ पत्रकार हर्षवर्धन त्रिपाठी ने भारत को सांस्कृतिक राष्ट्र बताते हुए कहा कि यहां भाषा से अधिक भाव महत्वपूर्ण है। वहीं जयंती रंगनाथन ने नई पीढ़ी को तकनीक के साथ अपनी जड़ों से जुड़े रहने की सलाह दी। एक विशेष सत्र में विजयदत्त श्रीधर की पुस्तक 'समग्र भारतीय पत्रकारिता' पर चर्चा हुई। वक्ताओं ने भारतीय पत्रकारिता के इतिहास को सहेजने में इस पुस्तक को महत्वपूर्ण दस्तावेज बताया। तीन दिवसीय आयोजन में देशभर के 60 से अधिक पत्रकार, संपादक और विचारकों ने हिस्सा लिया। छात्रों ने इस दौरान समाचार पत्र, बुलेटिन और पॉडकास्ट तैयार कर पत्रकारिता की व्यावहारिक बारीकियां भी सीखीं।

सुशासन और भारतीय मूल्यों पर गूंजे विचार

डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी ने कहा कि 'जो सोचता है वह मनुष्य है और जो दूसरों को देता है वह देवता।' उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा मनुष्य को केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि लोकसेवक बनने की प्रेरणा देती है। वरिष्ठ पत्रकार हितेश शंकर ने भाषा और संस्कृति के संबंधों पर बात करते हुए कहा कि जहां अनुभव नहीं होते, वहां शब्द भी जन्म नहीं लेते।

एआई, मीडिया की साख और बदलती पत्रकारिता पर बहस

संविमर्श के विभिन्न सत्रों में पत्रकारिता के बदलते स्वरूप और तकनीक की चुनौतियों पर चर्चा हुई। वरिष्ठ पत्रकार राशिद किदवई ने कहा कि पत्रकार जब अपनी इच्छाओं को खबर का रूप देने लगते हैं तो विश्वसनीयता प्रभावित होती है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि एआई कभी भी मानवीय अनुभव का विकल्प नहीं बन सकता। अनुज खरे ने डिजिटल मीडिया में मौलिक कंटेंट की चोरी पर चिंता जताते हुए सख्त कानूनों की जरूरत बताई। वहीं अनिल पांडेय ने पेड न्यूज के खतरे को देखते हुए तीसरे प्रेस आयोग की मांग रखी।

युवाओं की आवाज और समावेशन पर सिनेमा के जरिए संवाद

जागरण, भोपाल। आलियांस फ्रांसिस भोपाल और लाइफ प्रोजेक्ट 4 यूथ द्वारा रविवार को 'यूथ इन्क्लूजन विद एलपी4वाई एक्स अलायंस फ्रांसेज' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'आई एम द फ्यूचर' का प्रदर्शन किया गया, जिसमें दिल्ली, जकार्ता, पेरिस और लेबनान के युवाओं की संघर्ष और बदलाव की कहानियों को दिखाया गया। फिल्म में गरीबी, प्रवासन, लैंगिक असमानता और जलवायु संकट जैसी चुनौतियों के बीच कला और रचनात्मकता को परिवर्तन के माध्यम के रूप में प्रस्तुत किया गया। फिल्म प्रदर्शन के बाद 'वॉइसेज टू विजन : यूथ इन्क्लूजन इन एक्शन' विषय पर पैनल चर्चा हुई।

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

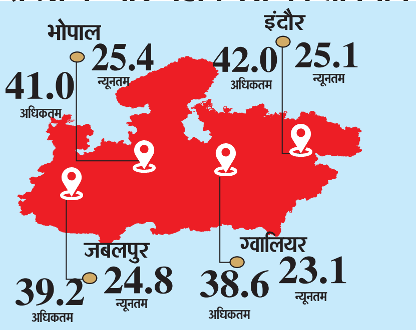

देश के चार महानगरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	36.9	23.8
मुंबई	35.6	28.2
चेन्नई	36.6	21.4
कोलकाता	33.6	23.6

सूर्यास्त 6:52 PM
सूर्योदय 5:42 AM
चन्द्रोदय 12.28 PM
चन्द्रास्त 11:34 AM

उज्जैन में ऑपरेशन के बाद मासूम की मौत, परिजनों ने किया चक्काजाम

इंसाफ के लिए सड़क पर उतरा परिवार, संचालक फरार, क्लीनिक सील

जागरण, उज्जैन। प्रदेश के धार्मिक शहर उज्जैन से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक निजी क्लीनिक की कथित लापरवाही ने 11 साल की बच्ची की जान ले ली। थाना नीलगंगा क्षेत्र के मंछामन कॉलोनी स्थित 'नोबेल क्लीनिक' में अपेंडिक्स के ऑपरेशन के बाद बालिका की मौत हो गई। घटना से आक्रोशित परिजनों ने शव को सड़क पर रखकर चक्काजाम कर दिया। प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अस्पताल को सील कर दिया है।

जानकारी के मुताबिक दीपिका डाबी उम्र 11 वर्ष का पिछले एक महीने से नोबेल क्लीनिक में अपेंडिक्स का इलाज चल रहा था। ऑपरेशन के दौरान अचानक बालिका की तबीयत बिगड़ गई। परिजनों का आरोप है कि स्थिति बिगड़ने पर अस्पताल प्रबंधन ने आनन-फानन में उसे एम्बुलेंस से दूसरे अस्पताल शिफ्ट किया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। परिजनों को बच्ची की मौत की जानकारी समय पर नहीं दी गई, जिससे उनका गुस्सा फूट पड़ा।

रजिस्ट्रेशन रद्द करने की प्रक्रिया भी शुरूः मामले की सूचना मिलते ही सीएमएचओ डॉ. अशोक कुमार पटेल और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। प्रशासन की सख्ती देख अस्पताल प्रबंधक क्लीनिक पर ताला लगाकर मौके से फरार हो गया। जिसके बाद सीएमएचओ के निर्देश पर नोबेल क्लीनिक को तुरंत सील कर दिया गया। वहीं स्वास्थ्य विभाग ने क्लीनिक का रजिस्ट्रेशन रद्द करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।

पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर शुरू की जांचः थाना नीलगंगा पुलिस ने अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामला बेहद गंभीर है। जांच के आदेश दे दिए गए हैं और अस्पताल को सील कर दिया गया है। यदि जांच में डॉक्टरों की लापरवाही साबित होती है, तो उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अस्पताल में हंगामा मौके पर पहुंचे अफसर

बच्ची की मौत की खबर मिलते ही परिजनों और रिश्तेदारों ने अस्पताल के बाहर शव रखकर हंगामा शुरू कर दिया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और आक्रोशित लोगों ने जिला चिकित्सालय के सामने सड़क पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। पुलिस और जिला प्रशासन के आला अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अब पूरी जांच पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मेडिकल एक्सपर्ट्स की टीम के निष्कर्षों पर टिकी है। फिलहाल अस्पताल प्रबंधन की तलाश जारी है और पीड़ित परिवार न्याय की गुहार लगा रहा है।

भिंड के जिला अस्पताल में बड़ा हादसा

एसएनसीयू वार्ड की छत अचानक गिरी, 4 घायल

जागरण, भिण्ड। जिला अस्पताल से हादसे की खबर सामने आई है। यहां के एसएनसीयू वार्ड की छत की सीलिंग अचानक भरभरा कर गिर गई। हादसे के वक्त वार्ड में कई माताएं अपने नवजात बच्चों को दूध पिला रही थीं। मलबे की चपेट में आने से तीन महिलाएं और एक नवजात शिशु घायल हो गए हैं। गनीमत रही कि कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना उस समय हुई जब महिलाएं अपने शिशुओं को दूध पिला रही थीं। अचानक सीलिंग का एक बड़ा हिस्सा नीचे आ गिरा। जिसके बाद चीख-पुकार मचते ही अस्पताल स्टाफ और वहां मौजूद लोग मदद के लिए वहां पहुंचे। घायलों को ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। स्थानीय लोगों और अस्पताल कर्मियों का कहना है कि जिला अस्पताल की यह बिल्डिंग काफी पुरानी और जर्जर हो चुकी है। सीलिंग गिरने की घटनाएं यहां नई नहीं हैं। जर्जर हालत के बावजूद इसी बिल्डिंग में संवेदनशील वार्ड संचालित हैं। हादसे के तुरंत बाद अस्पताल प्रशासन ने वार्ड में भर्ती अन्य बच्चों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट कर दिया है। घायल महिलाओं का इलाज जारी है। वहीं नवजात की स्थिति पर डॉक्टर नजर बनाए हुए हैं।

हत्या का खुलासा: राजस्थान से रायसेन बुला उतारा मौत के घाट

जागरण, रायसेन। जिले के बाड़ी थाना क्षेत्र में नागिन मोड़ सिरवारा ब्रिज के नीचे 7 मई को मिली लाश की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। मामला प्रेम संबंध, जलन और साजिशन हत्या का निकला। आरोपी महिला ने अपने बचपन के प्रेमी और उसके साथी के साथ मिलकर राजस्थान से आए युवक की हत्या कर दी। इसके बाद शव को 40 फीट गहरी खाई में फेंक दिया था। शुरुआत में आरोपी पुलिस को गुमराह करते रहे। मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ करने पर उन्होंने हत्या की पूरी साजिश कबूल कर ली। आरोपियों ने बताया कि प्रेम संबंधों और जलन के चलते उन्होंने मिलकर वीरू जाट की हत्या की थी। पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने पूरे मामले का खुलासा करते हुए बताया कि हत्या की साजिश प्रेम संबंधों के चलते रची गई थी। आरोपी महिला रीना किरार ने अपने बचपन के प्रेमी और रिश्ते में भाई लगने वाले अरुण पटेल तथा उसके साथी हरनाम किरार के साथ मिलकर राजस्थान निवासी वीरू उर्फ पप्पू जाट की हत्या की थी। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने वीरू को राजस्थान से करीब 800 किलोमीटर दूर मध्यप्रदेश के नरसिंहपुर जिले के साईंखेड़ा स्थित घर बुलाया। यहां बेसबॉल बैट से हमला कर उसकी हत्या कर दी गई। 7 मई को फॉरेस्ट गार्ड ने नागिन मोड़ ब्रिज के नीचे एक संदिग्ध बोरी देखी थी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो उसमें एक सड़ी-गली लाश मिली। शव के हाथ-पैर बंधे थे और मुंह पर टेप लगा हुआ था। शव इतनी खराब हालत में था कि उसकी पहचान करना मुश्किल हो रहा था।

ग्वालियर में पानी की टंकी में मिला मरा हुआ सांप, क्षेत्र में मचा हड़कंप

नगर निगम की बड़ी लापरवाही, 19 हजार लोग पी रहे हैं दूषित पानी

जागरण, ग्वालियर। शहर में नगर निगम की एक ऐसी लापरवाही सामने आई है जिसने हजारों लोगों की जान जोखिम में डाल दी है। दरअसल शहर के वार्ड नंबर 10 में लोग जिस टंकी से पानी पी रहे थे, असल में वो 'जहरीली' हो चुकी थी। घासमंडी इलाके की पानी की टंकी में एक मरा हुआ सांप मिलने से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पिछले कई दिनों से यहां की 19 हजार की आबादी इसी पानी का उपयोग कर रही थी। इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल यह वीडियो ग्वालियर के मिर्जापुर मस्जिद इलाके का है, जहां एक युवक लकड़ी के सहारे पानी की टंकी के अंदर से एक मरा हुआ सांप बाहर निकाल रहा है। इस मंजर को देखकर इलाके के लोगों की रूह कांप गई। लोगों में दहशत है। लोगों में दहशत इस बात की है कि इसी टंकी से सप्लाई होने वाला पानी पिछले कई दिनों से हजारों घरों के किचन और बच्चों के गले तक पहुंच रहा था।

संक्रामक बीमारी फैलने का खतरा बढ़ा

क्षेत्र में अब संक्रामक बीमारी फैलने का खतरा मंडरा रहा है। घटना के बाद से लोगों में भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि उन्होंने कई बार निगम प्रशासन से सफाई की गुहार लगाई, लेकिन अफसरों के कान पर जूं तक नहीं रेंगी। निगम की अनदेखी से हजारों लोग दूषित पानी पीने को मजबूर रहे। मामला सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद निगम के आला अधिकारी कैमरे के सामने आने से बच रहे हैं।

13 साल के बच्चे ने किया तेंदुए का मुकाबला, गर्दन दबोचकर भगाया

हाथ, पैर और पेट में नाखून लगने से घायल अस्पताल में भर्ती

जागरण, पिपरिया। जिले के पिपरिया फॉरेस्ट बीट के कुर्सी खापा गांव में 13 साल के बच्चे पर तेंदुए ने हमला कर दिया। हालांकि आठवीं में पढ़ने वाले बच्चे सत्यम ठाकुर ने सूझबूझ और साहस दिखाते हुए तेंदुए की गर्दन पकड़कर उसे दूर धकेल दिया, जिस कारण उसकी जान बच पाई। सत्यम ने बताया कि मैं खेत में बने कुएं के पास खेल रहा था, तभी झाड़ियों से निकल कर तेंदुए ने हमला कर दिया। मैंने तेंदुए की गर्दन पकड़ ली। उसके नाखून मेरे पेट, पैर में गड़ गए। मैं जोर से चिल्लाया, तभी पिताजी और लोग बचाने के लिए दौड़े। मैंने तेंदुए की गर्दन पड़कर उसे पीछे धकेला। परिजनों के चिल्लाने से तेंदुआ जंगल की तरफ भाग गया। बच्चे के हाथ-पैर में तेंदुए के नाखून लगे हैं। बच्चे को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ईश्वर कृपा और बच्चे के साहस से बची जान : पीड़ित बच्चे के पिता महेंद्र सिंह ठाकुर ने बताया कि बेटा घर से 100 मीटर दूर खेत में खेल रहा था। शाम को 7 बजे सत्यम के चिल्लाने की आवाज आई। हमने देखा एक तेंदुआ उससे झूम रहा है। हम डंडा लेकर दौड़े और चिल्लाए। इस बीच बच्चे ने तेंदुए को गर्दन पकड़कर दूर धकेला। तेंदुआ भाग गया। ईश्वर कृपा और बच्चे के साहस से जान बच गई।

इलाज के लिए एक हजार की मदद: रेंजर रेखा ठाकुर, वन रक्षक बरवेंद्र शाह उइके ने बताया कि बच्चे को सरकारी वाहन से इलाज के लिए पिपरिया अस्पताल ले जाया गया। उसके इलाज के लिए तुरंत एक हजार की राशि दी गई है। आगे भी विभाग से इलाज के लिए राशि दिलाई जाएगी। डॉ. सैयद करीम ने बताया कि बच्चे को प्राथमिक इलाज दिया गया है। उसकी हालत स्थिर है।

नशे में ननि के जोन कार्यालय में घुसा युवक किया हंगामा

जागरण, इंदौर। शहर के द्वारकापुरी थाने के पास बने नगर निगम के जोन नंबर 14 के कार्यालय में जमकर हंगामा हुआ। यहां शराब के नशे में धुत युवक के सिर पर निगम के एक कर्मचारी ने डंडा मार दिया, वहीं अन्य कर्मचारियों ने उसकी लात-घूंसों से पिटाई कर दी। हालांकि, हंगामा करने वाले युवक की मानसिक हालत ठीक नहीं बताई जा रही है। पुलिस ने युवक को हिरासत में ले लिया है। घटना का वीडियो भी सामने आया है। द्वारकापुरी पुलिस ने मनोज भोंडवे उर्फ गोलूको हिरासत में लिया है। मनोज नशे की हालत में थाने के पास बने नगर निगम के जोन कार्यालय में घुस गया था। इस दौरान उसने काफी देर तक हंगामा किया। नशे में धुत युवक कार्यालय में खड़ी जोन अध्यक्ष व पार्षद शानू शर्मा की गाड़ी के आगे लेट गया। उसने नगर निगम की गाड़ी में भी तोड़फोड़ करने की कोशिश की। यहां नगर निगम के मस्टरकर्मी भरत पर भी मनोज ने हमला कर दिया।

परीक्षा में लापरवाही, 3 निलंबित

देवास। प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी देवास ने बताया कि 9 मई को आयोजित कक्षा 12वी की रसायनशास्त्र विषय की परीक्षा में परीक्षा केंद्र राधा बाई उमावि देवास के कक्ष क्रमांक 1 में छात्र के द्वारा मोबाइल से नकल करने का प्रयास किया गया, जिसे विकासखंड स्तरीय दल द्वारा जब्त कर पंचनामा बनाया गया तथा नकल प्रकरण पंजीबद्ध किया। साथ ही कक्ष पर्यवेक्षक समंदर सिंह एरवाल को कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशानुसार प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्र द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित किया और केंद्राध्यक्ष मनोहर सोलंकी तथा सहायक केंद्राध्यक्ष राकेश मुजाल्दा 2 वेतन वृद्धि रोकने के प्रस्ताव का कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया।

वरिष्ठ लेखक और पर्यावरण चिंतक रमेश बिल्लौरे का निधन

इंदौर, जेएनएन। नर्मदा बचाओ आंदोलन से जुड़े वरिष्ठ लेखक, शोधकर्ता और पर्यावरण चिंतक रमेश बिल्लौरे का रविवार दोपहर इंदौर में निधन हो गया। उनके निधन से सामाजिक आंदोलनों, पर्यावरण संघर्षों और वैकल्पिक विकास की बहस से जुड़ी एक जरूरी आवाज खामोश हो गई।

उन्हें 'नर्मदा संघर्ष का चलता-फिरता दस्तावेज', 'घुमक्कड़ बुद्धिजीवी' और 'नर्मदा का सच्चा पुत्र' कहा जाता था। रमेश बिल्लौरे उन शुरुआती लोगों में थे जिन्होंने बड़े बांधों के सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभावों पर गंभीर सवाल उठाए। वे उस समय से नर्मदा घाटी के मुद्दों पर सक्रिय थे, जब नर्मदा बचाओ औपचारिक रूप से आकार भी नहीं ले पाया था। विस्थापन, पुनर्वास और विकास मॉडल के खिलाफ उनकी वैचारिक प्रतिबद्धता ने आंदोलन को बौद्धिक आधार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बांधों और विकास की राजनीति पर उनकी सबसे चर्चित कृति 'डैमिंग द नर्मदाः इंडियाज ग्रेटेस्ट प्लान्ड डिसास्टर' मानी जाती है, जिसे उन्होंने पर्यावरण चिंतक क्लाउड अल्वारेस के साथ मिलकर लिखा था। 1988 में प्रकाशित यह पुस्तक नर्मदा परियोजना की शुरुआती तथ्यपरक आलोचनाओं में शामिल रही।

वाहन की टक्कर से भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष समेत 2 की मौत

जागरण, शहडोल। जिले में शहडोल-रीवा हाईवे पर जोरा पुलिया के पास तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में भाजपा युवा मोर्चा के करकी मंडल अध्यक्ष राहुल द्विवेदी और उनके साथी अतुल तिवारी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। दोनों युवक रात में एक शादी समारोह से लौट रहे थे, तभी हादसा हो गया। जानकारी के अनुसार, टिहकी गांव के रहने वाले राहुल और अतुल झिरिया गांव में एक शादी में शामिल होने गए थे। देर रात जब वे अपनी बाइक से घर लौट रहे थे, तभी किसी तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भयानक था कि दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। टक्कर मारने के बाद आरोपी चालक वाहन समेत फरार हो गया।

अतुल तिवारी, मृतक राहुल द्विवेदी, मृतक

सड़क किनारे पड़े मिले शव व टूटी बाइक : रविवार सुबह जब राहगीरों ने सड़क किनारे टूटी हुई बाइक और दो युवकों के शव देखे, तो पुलिस को खबर की, सूचना मिलते ही ब्यौहारी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश में हाईवे पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

नेताओं ने परिजनों को बंधाया ढांढस

राहुल द्विवेदी क्षेत्र के एक सक्रिय युवा नेता थे, जिनके निधन की खबर सुनते ही बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और ग्रामीण अस्पताल पहुंच गए। अस्पताल परिसर में गमगीन माहौल रहा और नेताओं ने पीड़ित परिवारों को ढांढस बंधाया।

बिजनेस प्लस

बैंक ऑफ बड़ौदा ने लगातार व्यवसाय वृद्धि दर्ज की

भोपाल। बैंक ऑफ बड़ौदा ने 31 मार्च 2026 को समाप्त चौथी तिमाही एवं वित्त वर्ष 2025-26 के वित्तीय परिणाम घोषित किए हैं। बैंक ने मजबूत आस्ति गुणवत्ता और बेहतर लाभप्रदता के दम पर लगातार व्यवसाय वृद्धि दर्ज की है। बैंक के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रति इक्विटी शेयर 8.50 (2 अंकित मूल्य पर 425 प्रतिशत) लाभांश देने की अनुशंसा की है। बैंक ने पहली बार 30 लाख करोड़ के वैश्विक कारोबार का ऐतिहासिक आंकड़ा पार किया है। बैंक का तिमाही निवल लाभ 11.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अब तक के उच्चतम स्तर 5,616 करोड़ पर पहुंच गया, जबकि पूरे वित्त वर्ष का निवल लाभ ?20,021 करोड़ रहा। तिमाही परिचालनगत लाभ भी 11.5 प्रतिशत बढ़कर 9,069 करोड़ हो गया। चौथी तिमाही में निवल ब्याज आय 12,494 करोड़ रही, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए यह 47,682 करोड़ दर्ज की गई। बैंक का वैश्विक निवल ब्याज मार्जिन 2.89 प्रतिशत और घरेलू एनआईएम 3.08 प्रतिशत रहा। बैंक की आस्ति गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। सकल एनपीए घटकर 1.89 प्रतिशत और निवल एनपीए 0.45 प्रतिशत पर आ गया है। प्रावधान कवरेज अनुपात 93.94 प्रतिशत रहा, जिससे बैंक की बैलेंस शीट और अधिक मजबूत हुई है।

15 मई से नेटफ्लिक्स पर 'कर्तव्य'

जागरण, मुंबई। 'कर्तव्य' एक नैतिक रूप से जटिल क्राइम ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन पुलकित ने किया है और इसे रेड चिलीज एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में सैफ अली खान मुख्य भूमिका में हैं, जो पवन नाम के एक पुलिस अधिकारी का किरदार निभाते हैं। कहानी तब मोड़ लेती है जब ड्यूटी के दौरान एक पत्रकार की हत्या हो जाती है और पवन एक खतरनाक जांच में फंस जाते हैं। इस दौरान उन्हें सत्ता के दबाव, सिस्टम की सच्चाई और अपने निजी जीवन के बीच संतुलन बनाना पड़ता है। रसिका दुग्गल, संजय मिश्रा और अन्य कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म कर्तव्य, नैतिकता और फैसलों की कीमत को गहराई से दर्शाती है। यह 15 मई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

कृषि आरम्भ - मेगा कृषि आउटरीच कार्यक्रम

भोपाल। जेडएम जितेंद्र मनकोटिया, दीपक कुमार, जीएम एचओ तथा सर्कल हेड डीके झा की उपस्थिति में कृषि आरंभ आउटरीच कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं मजबूत सहभागिता रही। कार्यक्रम में 100+ ग्राहकों ने भाग लिया, जिनमें प्रगतिशील किसान तथा आसपास के गांवों की महिला एसएचजी सदस्य शामिल थीं। व्यवसाय सृजन अभियान के दौरान 135 करोड़ के लीड्स प्राप्त हुए, जिनमें केसीसी, कृषि टर्म लोन, एसएचजी फाइनेंसिंग तथा सहायक कृषि गतिविधियां शामिल थीं। तत्काल सशक्तिकरण 70 लाख के ऑन-द-स्पॉट स्वीकृति पत्र पात्र एसएचजी समूहों को प्रदान किए गए, जिससे वित्तीय समावेशन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और मजबूत हुई। जागरूकता एवं सहभागिता ग्राहकों को लखपति दीदी, श्रेष्ठा, किसान क्रेडिट कार्ड सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

भाभा यूनिवर्सिटी में विदाई समारोह.....वीणा और आयुष मिस, मिस्टर फेयरवेल

भोपाल। भाभा यूनिवर्सिटी के शिक्षा संकाय द्वारा बीएससी बीएड के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए फेयरवेल का आयोजन किया गया। यूनिवर्सिटी के कुल सचिव डॉक्टर श्याम पाटकर एवं अधिष्ठाता डॉक्टर दीपा बक्शी ने छात्रों को अपने उद्बोधन में उन्हें भविष्य की चुनौतियों का मुकाबला पूरी ऊर्जा व जोश के साथ करते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की शुभकामनाएं दी। वीणा तुरकर को मिस फेयरवेल व आयुष बनिया को मिस्टर फेयरवेल चुना गया। प्रशिका बोरकर को उनके समग्र प्रदर्शन के आधार पर स्टार आफ द बेचलर चुना गया। यूनिवर्सिटी की सीईओ प्रसाद पिल्लई एवं उपकुलपति डॉ भारती सातनकर ने भी सभी विद्यार्थियों को उनके उच्च्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी। प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों मे से प्रशांत पटेल को मिस्टर फ्रेशर व खुशी तिवारी को मिस फ्रेशर चुना गया ।

कार्यालय अधिष्ठाता
अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, विदिशा
खेल परिसर के सामने, सांची रोड विदिशा (म.प्र.) 464001
E-Mail:- deangmcvidisha@gmail.com Website:- www.gmcvidisha.org
क्रमांकः 2903/क्रयशाखा/अ.वि.वा.जी.एम.सी./26 विदिशा दिनांक 08/05/2026

निविदा आमंत्रण सूचना

समस्त निविदाकारों को सूचित किया जाता है कि अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय विदिशा के विभिन्न विभागों हेतु आवश्यक उपकरण (कूलर वॉटर कूलर एवं एयर कंडीशनर एवं अन्य) की पूर्ति हेतु निविदा आई.डी. 2026 _DME_505747 द्वारा खुली निविदा दिनांक 12/05/2026 प्रातः 10.00 बजे से एम.पी.टेण्डर पोर्टल के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।
उक्त जारी खुली निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी बेवसाईट https://mptenders.gov.in का अवलोकन कर प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अधिष्ठाता
अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय विदिशा
जी- 12665/26

जाहिर सूचना
(भूमि रकबा 5.32 एकड़ अर्थात् 2.1520 हेक्टेयर स्थित ग्राम-वीलखेड़ा कलां, पटवारी हल्का-बीलखेड़ा, तहसील-हुजूर, जिला-भोपाल म.प्र. के संबंध में)

मैं, अपने पक्षकार के निर्देशानुसार व प्रदत्त दस्तावेजानुसार सर्व साधारण को सूचित करता हूँ कि मेरे पक्षकार ने भूमि स्वामी-श्रीमती सोनाली सिंह पत्नी श्री दिग्विजय सिंह निवासी -जयपुर, राजस्थान के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि खसरा क्रमांक-94 (S) 95 कुल रकबा 5.32 एकड़ अर्थात 2.1520 हेक्टेयर स्थित ग्राम-वीलखेड़ा कलां, पटवारी हल्का-बीलखेड़ा, तहसील-हुजूर, जिला-भोपाल म.प्र. उक्त भूमि नगर निगम की सीमाओं से अन्दर स्थित है। उक्त वर्णित भूमि को क्रय करने हेतु मेरे पक्षकार ने भूमि स्वामी को बयाना राशि का भुगतान कर विक्रय सौदा चिट्ठी का निष्पादन करा लिया है, और पेपर विज्ञप्ति एवं सर्च की सहमति प्राप्त कर ली है। उक्त भूमि के संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, हाऊसिंग फायनेंस संस्था, वित्तीय संस्थान, फर्म, शासकीय व गैर शासकीय, कार्यालयों को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो या उक्त वर्णित भूमि कहीं अनुबंध, विक्रय, दान, बंधक, गिरवी, वसीयत, हिबा, मेहर, हस्तांतरण इत्यादि हो तो वह इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस की समयावधि में मेरे कार्यालय में मय दस्तावेज सहित उपस्थित होकर या अपने अभिभाषक के माध्यम से लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें, उक्त समयावधि व्यतीत होने के पश्चात् कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी एवं मान्य नहीं होगी, तत्पश्चात् मेरे पक्षकार को उक्त संपत्ति के अंतरण हेतु आवश्यक दस्तावेजो का निष्पादन एवं पंजीयन करने के लिए स्वतंत्र होंगे तथा उसके पश्चात कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

बी.एल. पटेल अधिवक्ता अर्वित दीक्षित अधिवक्ता
Registry On Door, 1st Floor, Opposite DPS School, Neelbad, Bhopal, MP
MOB.8319592655

कार्यालय कलेक्टर जिला नर्मदापुरम
क्रमांक/नाजरात/1/989902/2026 नर्मदापुरम दिनांक 05.05.2026

विज्ञप्ति
निविदा आमंत्रण सूचना

जिला कार्यालय का शासकीय अनुपयोगी शासकीय वाहन की नीलामी सीलबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसका विस्तृत विवरण वेबसाईट https:mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर आईडी (जावक क्रमांक दिनांक	वाहन का पंजीयन क्रमांक एवं निर्माण वर्ष	निविदा प्रपत्र का मूल्य (राशि रू. में)	अमानत राशि रूपये में	आफसेट प्राईज राशि रूपये में
1		जिला कार्यालय का शासकीय अनुपयोगी वाहन एम.पी.02 आर.डी.0516 बोलेरो वाहन (माडल वर्ष 2012) नीलाम किये जाने संबंधी निविदा	1000/-	12,000/-	1,20,000/-

निविदा का फाम शर्तें दिनांक 07.05.2026 से दिनांक 03.06.2026 को दोपहर 2.00 बजे तक जिला कार्यालय (नाजरात शाखा) में कार्यालयीन समय में (अवकाश के दिन छोड़कर) उपस्थित होकर प्राप्त व जमा की जा सकेगी।

(कलेक्टर महोदया द्वारा अनुमोदित)
Digityally signed by Anil kumar jain Date : 05.05.2026 16:11:25
जी- 12638/26
अपर कलेक्टर, जिला नर्मदापुरम

कार्यालय. पुलिस अधीक्षक, पुलिस प्रशिक्षण शाला (एमटी), भोपाल (म.प्र.)

पुलिस विभाग के वाहनों के रख-रखाव के लिये आवश्यकतानुसार विविध प्रकार की सामग्री क्रय करने हेतु 03 माह के लिए अनुबंध हेतु

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, पी.टी.एस. (एमटी), भोपाल द्वारा पुलिस विभाग के वाहनों के रख-रखाव के लिये आवश्यकतानुसार विविध प्रकार की सामग्री (स्टोर 1 भाग-3 से सबंधित) क्रय करने हेतु 03 माह के लिए दर अनुबंध किये जाने हेतु खुली ई-निविदा आमंत्रित की गई है। नियम एवं शर्ते तथा अनुका की www.mppolice.gov.in की बेवसाईट पर प्राप्त की जा सकती विस्तृत जानकारी mptenders.gov.in है।

निविदा प्रकाशन की दिनांक	06/05/2026 के 17:00 बजे
निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की प्रारंभ दिनांक	06/05/2026 के 18:00 बजे
प्री-बिड मीटिंग दिनांक	08/05/2026 के 11:00 बजे
निविदा जमा करने की प्रारंभ दिनांक	09/05/2026 के 11:00 बजे
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक	27/05/2026 के 14:00 बजे
तकनीकी निविदा खोलने की दिनांक	28/05/2026 के 16:00 बजे

पुलिस अधीक्षक पी.टी.एस. (एमटी), भोपाल
जी- 12646/26

मैच 53: सीएसके पांच विकेट से जीतकर 5वें स्थान पर, लखनऊ की आठवीं हार, प्लेऑफ की रेस से बाहर

● अर्धशतक पूरा करने के बाद उर्विल ने अपनी इस उपलब्धि को अपने पिता को समर्पित किया। उन्होंने जेब से एक कागज निकाला, जिस पर लिखा था, यह आपके लिए है पापा।

उर्विल पटेल			
रन	गेंद	चौके	छक्के
65	23	02	08

उर्विल की आतिशी पारी से सीएसके ने पहली बार 200 प्लस चेज किया

जेएनएन, चेन्नई

उर्विल पटेल के रिकॉर्ड अर्धशतक और जेमी ओवर्टन के तीन झटकों की बदौलत चेन्नई सुपर किंग्स ने रविवार को आईपीएल के 53वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जाएंट्स को पांच विकेट से हराकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया। चेपॉक में उर्विल ने 13 गेंद में अर्धशतक पूरा कर भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के रिकॉर्ड की बराबरी की। उन्होंने 23 गेंद में आठ छक्कों और दो चौकों की मदद से 65 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। जोश इंग्लिस की 33 गेंद में 85 रन की आक्रामक पारी के बावजूद सुपर किंग्स ने ओवर्टन की शानदार गेंदबाजी के बूते सुपर जाएंट्स को आठ विकेट पर 203 रन पर रोकने के बाद 19.2 ओवर में पांच विकेट पर 208 रन बनाकर जीत दर्ज की। टीम 11 मैचों में छठी जीत के बाद 12 अंक के साथ तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई, जबकि अंतिम पायदान पर काबिज सुपर जाएंट्स की आठवीं हार के बाद प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें खत्म हो गईं। उर्विल के अलावा कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने 28 गेंद में 42 रन का योगदान दिया। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 34 गेंद में 81 रन जोड़े। गायकवाड़ ने इससे पहले संजू सैमसन (14 गेंद में 28 रन) के साथ 22 गेंद में 45 रन की साझेदारी कर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। शिवम दुबे (नाबाद 15) ने एडन मार्करम के खिलाफ अंतिम ओवर में लगातार दो छक्के जड़े, जिससे सुपरकिंग्स ने पहली बार 200 से अधिक का लक्ष्य हासिल किया। प्रशांत वीर 17 रन पर नाबाद रहे।

जेमी ओवर्टन का ओवर बना टर्निंग प्वाइंट

जॉश इंग्लिस ने 17 गेंदों पर अर्धशतक जड़ते हुए लखनऊ को आक्रामक शुरुआत दिलाई थी। कंबोज ने मिचेल मार्श के रूप में सीएसके को पहली सफलता दिलाई, लेकिन पावरप्ले की समाप्ति तक लखनऊ ने एक विकेट के नुकसान पर 91 रन बना लिए, जिसमें 77 रन अकेले इंग्लिस के बल्ले से आए थे। इंग्लिस ने स्कोर नौवें ओवर के बाद 112 रन तक पहुंचा दिया था। ओवर्टन की अगुआई में गेंदबाजों ने 10वें से 15वें ओवर के बीच 35 रन के अंदर चार विकेट झटककर रनगति पर अंकुश लगा दिया। ओवर्टन ने 10वें ओवर में पहले इंग्लिस और फिर कप्तान रिषभ पंत के रूप में लखनऊ को दोहरा झटका दिया। मार्करम भी ज्यादा देर टिक नहीं पाए और डेवाल्ड ब्रेविस ने उन्हें रनआउट किया। ओवर्टन ने अक्षर रघुवंशी के रूप में लखनऊ को एक और झटका दिया और एक समय 91 पर एक के स्कोर से लखनऊ ने 147 के स्कोर तक आते-आते छह विकेट गंवा दिए थे। हालांकि इसके बाद शाहबाज अहमद (नाबाद 43) और हिम्मत सिंह (17) ने सातवें विकेट के लिए 32 गेंद में 50 रन की साझेदारी कर बीच के ओवरों के नुकसान की भरपाई की। शाहबाज अंतिम गेंद पर छक्का जड़कर लखनऊ को 200 के पार ले गए। ओवर्टन ने चार ओवर में 36 रन देकर तीन विकेट लिए।

प्लेयर ऑफ द मैच: ओवर्टन

सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ी

खिलाड़ी	टीम	विरुद्ध	गेंद	साल
जायसवाल	राजस्थान	कोलकाता	13	2023
उर्विल पटेल	चेन्नई	लखनऊ	13	2026
केएल राहुल	पंजाब	दिल्ली	14	2018
पेट कमिंस	कोलकाता	मुंबई	14	2022
रोमारियो शेफर्ड	बेंगलुरु	चेन्नई	14	2025

स्कोर बोर्ड

लखनऊ सुपर जाएंट्स: 203/8 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
इंग्लिस का. सैमसन बो. ओवर्टन	85	33	10	6
मार्श का. ब्रेविस बो. कंबोज	10	10	0	1
पूरन का. सरफराज बो. नूर	1	3	0	0
रिषभ पंत बो. ओवर्टन	15	12	2	0
मार्करम रनआउट	6	7	0	0
अक्षत का. उर्विल बो. ओवर्टन	18	18	1	0
शाहबाज अहमद नाबाद	43	25	3	3
हिम्मत सिंह बो. कंबोज	17	12	1	1
मोहम्मद शमी रनआउट	0	1	0	0
ओवश खान नाबाद	0	0	0	0

अतिरिक्त: 8, **कुल:** 20 ओवर में 8 विकेट पर 203 रन, **विकेट पतन:** 1-77, 2-92, 3-112, 4-115, 5-130, 6-147, 7-197, 8-197, **गेंदबाजी:** अकील हुसैन 4-0-49-0, मुकेश चौधरी 4-0-45-0, अंशुल कंबोज 4-0-47-2, नूर अहमद 4-0-24-1, जेमी ओवर्टन 4-0-36-3.

चेन्नई सुपर किंग्स: 208/5 (19.2 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
संजू सैमसन बो. राठी	28	14	3	2
गायकवाड़ बो. शाहबाज	42	28	3	2
उर्विल का. आवेश बो. शाहबाज	65	23	2	8
कार्तिक का. अक्षत बो. आवेश	20	20	1	0
डेवाल्ड ब्रेविस बो. राठी	10	12	1	0
शिवम दुबे नाबाद	15	7	0	2
प्रशांत वीर नाबाद	17	12	0	2

अतिरिक्त: 11, **कुल:** 19.2 ओवर में पांच विकेट पर 208 रन, **विकेट पतन:** 1-45, 2-126, 3-149, 4-169, 5-169, गेंदबाजी: शमी 4-0-37-0, प्रिंस यादव 4-0-36-0, राठी 4-0-45-2, आवेश खान 4-0-44-1, शाहबाज अहमद 3-0-30-2, मार्करम 0.2-0-14-0.

188 रन पावरप्ले के दौरान इस मैच में बने जो कि चेपॉक पर आईपीएल के एक मैच में पावरप्ले के दौरान बने सबसे ज्यादा रन हैं। इससे पहले चेपॉक पर पावरप्ले में सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा 159 रनों का था, जो कि इन्हीं दोनों टीमों के बीच मुकाबले के दौरान 2023 में बना था।

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

क्लासेन (हैदराबाद)	494
अभिषेक (हैदराबाद)	475
केएल राहुल (दिल्ली)	468

पर्पल कैप (गेंदबाज)

भुवनेश्वर (बेंगलुरू)	21
अंशुल कंबोज (चेन्नई)	19
रबाडा (गुजरात)	18

बाउंड्री मीटर

1021 छक्के
1645 चौके
105 अर्धशतक

50 रन की साझेदारी हिम्मत सिंह और शाहबाज अहमद के बीच सातवें विकेट के लिए हुई, जो लखनऊ की तरफ से इस विकेट के लिए सबसे बड़ी है। उन्होंने कृष्णप्पा और आयुष बदोनी के 39 रन का रिकॉर्ड तोड़ा।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
बेंगलुरु	11	7	4	14	1.103
हैदराबाद	11	7	4	14	0.737
गुजरात	11	7	4	14	-0.228
पंजाब	10	6	3	13	0.571
चेन्नई	11	6	5	12	0.185
राजस्थान	11	6	5	12	0.082
कोलकाता	10	4	5	9	-0.169
दिल्ली	11	4	7	8	-1.154
मुंबई	11	3	8	6	-0.585
लखनऊ	11	3	8	6	-0.907

मैच 54: रोमांचक मुकाबले में बेंगलुरु ने आखिरी गेंद पर मुंबई को दो विकेट से हराया

मुंबई को बाहर कर आरसीबी शीर्ष पर

जेएनएन, रायपुर

गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) रविवार को क्रुणाल पंड्या (73 रन) के अर्धशतक से रोमांच की पराकाष्ठा तक पहुंचे आईपीएल के 54वें मैच में मुंबई इंडियंस को दो विकेट से हराकर तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई। पिछले दो मैच में हार का सामना करने वाली आरसीबी (14 अंक) ने तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार (23 रन देकर चार विकेट) के गेंद से शानदार प्रदर्शन के बाद उनके अंत में दो गेंद में (एक छक्के से) नाबाद सात रन की मदद से शानदार जीत दर्ज की, जिससे मुंबई इंडियंस आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई। यह दूसरा मौका है, जब आरसीबी ने मुंबई को लीग स्टेज में दो बार हराया। क्रुणाल और जैकब बेथेल (27) के बीच चौथे विकेट के लिए 42 गेंद में 55 रन की भागीदारी के दम पर आरसीबी ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 167 रन बनाकर रोमांचक जीत दर्ज की। तिलक वर्मा (57 रन) के अर्धशतक के बावजूद मुंबई इंडियंस भुवनेश्वर की शानदार गेंदबाजी के सामने सात विकेट पर 166 रन ही बना सकी। आरसीबी की शुरुआत खराब रही, जिसने पावरप्ले में विराट कोहली (शून्य), देवदत्त पडिक्कल (12) और कप्तान रजत पाटीदार (08) के विकेट गंवाए। लेकिन क्रुणाल एक छोर पर डटे रहे, उन्होंने बेथेल के साथ मिलकर जिम्मेदारी संभाली। फिर उन्होंने और जितेश शर्मा (18) ने पांचवें विकेट के लिए 22 गेंद में 37 रन जोड़े। लेकिन कोर्बिन बॉश (चार ओवर में एक मेडन, 26 रन देकर चार विकेट) के दोहरे झटकों से आरसीबी की उम्मीदों पर पानी फिरता दिख रहा था।

278 वां मैच रोहित शर्मा और विराट कोहली का यह था। विराट और रोहित आईपीएल में सर्वाधिक मैच खेलने वाले संयुक्त तीसरे खिलाड़ी बन गए। इस क्लब में एमएस धोनी भी शामिल है।

स्कोर बोर्ड

मुंबई इंडियंस: 166/7 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
रिकल्टन का. पाटीदार बो. भुवनेश्वर	2	4	0	0
रोहित का. जितेश बो. भुवनेश्वर	22	10	2	2
नमन धीर बो. सलाम	47	32	5	2
सूर्यकुमार का. कोहली बो. भुवनेश्वर	0	1	0	0
तिलक वर्मा बो. भुवनेश्वर	57	42	3	2
जैक्स का. बेथेल बो. शेफर्ड	10	10	1	0
बावा का. रजत बो. हेजलवुड	16	14	1	0
कॉर्बिन बॉश नाबाद	5	5	0	0
दीपक चाहर नाबाद	1	2	0	0

अतिरिक्त: 6, **कुल:** 20 ओवर में सात विकेट पर 166 रन, **विकेट पतन:** 1-4, 2-28, 3-28, 4-110, 5-132, 6-155, 7-161, **गेंदबाजी:** भुवनेश्वर 4-0-23-4, जोश हेजलवुड 4-0-33-1, रसिख सलाम 4-0-42-1, रोमारियो शेफर्ड 3-0-18-1, क्रुणाल पंड्या 3-0-26-0, सुयश शर्मा 2-0-21-0.

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु: 167/8 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
बेथेल का. तिलक बो. कॉर्बिन	26	27	2	0
विराट कोहली का. बावा बो. दीपक	0	1	0	0
पडिक्कल का. रिकल्टन बो. दीपक	12	11	1	1
पाटीदार का. रिकल्टन बो. कॉर्बिन	8	8	1	0
क्रणाल का. तिलक बो.गजनफर	73	46	4	5
जितेश का. नमन बो. कॉर्बिन	18	12	1	2
डेविड का. रिकल्टन बो. कॉर्बिन	0	1	0	0
शेफर्ड का. तिलक बो. बावा	4	11	0	0
रसिख सलाम नाबाद	3	2	0	0
भुवनेश्वर कुमार नाबाद	7	2	0	1

अतिरिक्त: 16, **कुल:** 20 ओवर में 8 विकेट पर 167 रन, **विकेट पतन:** 1-10, 2-24, 3-39, 4-94, 5-131, 6-131, 7-149, 8-157, **गेंदबाजी:** दीपक चाहर 4-0-33-2, जसप्रीत बुमराह 4-0-20-0, कॉर्बिन 4-1-26-4, जैक्स 2-0-13-0, गजनफर 3-0-32-1, राज बावा 3-0-39-1.

धर्मशाला में दिल्ली के खिलाफ जीत की राह पर लौटने उतरेगी पंजाब

धर्मशाला, जेएनएन। पंजाब किंग्स सोमवार को धर्मशाला के खूबसूरत मैदान में जब खराब फॉर्म से जूझ रही दिल्ली कैपिटल्स की मेजबानी करेगी, तो आईपीएल के आखिरी चरण में अपने प्रदर्शन में आई चौंकाने वाली गिरावट को रोकने की कोशिश करेगी। यह इस सीजन धर्मशाला का पहला मैच है, जो कि पंजाब का दूसरा घरेलू मैदान है। एचपीसीए स्टेडियम में 17 मई तक तीन मैच के साथ पंजाब की टीम अपने घरेलू चरण को समाप्त करेगी। दोनों टीमें हार से इस मैच में उतर रही हैं। जहां पहले सात मैचों में अजेय रहने वाली पंजाब को लगातार तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है, वहीं दिल्ली भी अपने घरेलू मैदान दिल्ली से लगातार दो मैचों में हारकर आ रही है। हालांकि पंजाब 10 मैचों में छह जीत के साथ अंक तालिका में अभी भी तीसरे स्थान पर मजबूती से बनी हुई है, वहीं 11 मैचों में सात में हार का सामना कर चुकी दिल्ली के लिए यह करो या मरो का मुकाबला होगा। दोनों टीमों के बीच अब तक हुए 35 मैचों में बहुत ही कांटे का मुकाबला रहा है, जिसमें पंजाब ने 18 जबकि दिल्ली ने 17 मैच जीते हैं। धर्मशाला में हुए दोनों टीमों के बीच चार मैचों में भी मुकाबला बराबरी का रहा है और दोनों टीमों ने दो-दो मैच जीते हैं। 2023 से धर्मशाला में हुए पांच मुकाबलों में चार में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती है, जहां पहली पारी का औसत स्कोर 209/6 है। ऐसे में कोई भी टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 200+ का स्कोर खड़ा करना चाहेगी।

दिल्ली के सलामी बल्लेबाजों के लिए अर्शदीप बनेंगे बाधा

दिल्ली के सलामी बल्लेबाजों केएल राहुल और पथुम निसंका ने टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया है। उनके प्रदर्शन में निरंतरता तो नहीं है, लेकिन ये दोनों ही दिल्ली के सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। वहीं पंजाब के स्ट्राइक गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने इस सीजन निराश किया है। उनके नाम 10 मैचों में सिर्फ 11 विकेट हैं, जबकि वह 10.42 की इकॉनमी से रन दे रहे हैं। पिछले पांच मैचों में चार में उन्होंने 40 से अधिक रन दिए हैं, जिसमें राजस्थान के खिलाफ मैच में तो उन्होंने चार ओवरों में 68 रन दे दिए थे। हालांकि दिल्ली के खिलाफ भी इस रन लीक पर लगाम लगने की संभावना कम ही है। राहुल और निसंका को उन्होंने दो-दो बार आउट तो किया है, लेकिन दोनों उन पर क्रमशः 169 और 172 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। डेविड मिलर भी उनका दो बार शिकार हो चुके हैं, लेकिन मिलर भी उन पर 156 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं।

सुपर रेपिड एवं ब्लिट्ज: डी गुकेश छठे स्थान पर, नीमैन को खिताब

वारसॉ, जेएनएन। विश्व चैंपियन डी गुकेश को छठे स्थान से संतोष करना पड़ा, जबकि अमेरिका के हेन्स मोके नीमैन ने अंत तक धैर्य बरकरार रखते हुए 'सुपर रेपिड एवं ब्लिट्ज' का खिताब जीत लिया। यह टूर्नामेंट 'ग्रैंड चेस टूर' का हिस्सा है। गुकेश ने 36 संभावित अंक में से 17 अंक हासिल करके अपना अभियान समाप्त किया। खिलाड़ियों ने नौ रेपिड और 18 ब्लिट्ज बाजियां खेलीं। हर रेपिड बाजी जीतने पर दो अंक और ब्लिट्ज बाजी जीतने पर एक अंक निर्धारित था। गुकेश ने रेपिड में नौ और ब्लिट्ज में आठ अंक जुटाए। हालात और भी खराब हो सकते थे, लेकिन गुकेश ने आखिरी दौर में पोलैंड के डूडा यान-क्रिस्टोफ को हराकर वापसी की। गुकेश ने ग्रैंड चेस टूर के मुख्य टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था और इस साल वे केवल रेपिड और ब्लिट्ज प्रारूपों में ही खेलेंगे। सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन गुकेश इस साल के अंत में नार्वे शतरंज टूर्नामेंट के अलावा अमेरिका के जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ विश्व चैंपियनशिप मुकाबला भी खेलने वाले हैं।

तीरंदाजी: भारत ने 2021 के बाद जीता पहला विश्व कप स्वर्ण पदक

दीपिका की अगुआई में महिला रिकर्व टीम ने चीन को हराया

जेएनएन, शंघाई

दीपिका कुमारी, अंकिता भकत और कुमकुम मोहोद की भारतीय महिला रिकर्व टीम ने रविवार को तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में मेजबान और खिताब के प्रबल दावेदार चीन को शूटऑफ में हराकर स्वर्ण पदक जीत लिया। रोमांचक फाइनल में भारत ने पहला सेट जीता, लेकिन चीन ने वापसी करते हुए मुकाबला बराबर कर दिया। निर्धारित चार सेट के बाद स्कोर बराबर रहने के कारण शूटऑफ कराया गया। भारतीय तिकड़ी ने निर्णायक क्षणों में संयम बनाए रखते हुए 5-4 (28-26) से जीत दर्ज की। अनुभवी दीपिका ने दबाव के बीच अंतिम शूटऑफ तीर पर अहम नौ अंक जुटाकर भारत को 2021 के बाद पहला विश्व कप स्वर्ण पदक दिलाया। हालांकि सिमरनजीत कौर के लिए यह दिल तोड़ने वाला अनुभव रहा जब उन्हें सेमीफाइनल में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी और बाद में चैंपियन बनीं दक्षिण कोरिया की कांग चेयांग के खिलाफ सीधे सेट में हार का सामना करना पड़ा।

इसके बाद कांस्य पदक के लिए हुए प्लेऑफ में उन्हें एक और कोरियाई खिलाड़ी जांग मिनही से हार मिली। इस तरह भारत ने अपने अभियान का समापन दो पदक (एक स्वर्ण, एक कांस्य) के साथ किया। शनिवार को पुरुषों के व्यक्तिगत कंपाउंड वर्ग में साहिल जाधव ने कांस्य पदक जीता था। इससे पहले भारतीय महिला रिकर्व टीम ने सेमीफाइनल में रिकॉर्ड 10 बार के ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। ग्वाटेमाला सिटी और पेरिस में 2021 में भारत की विश्व कप जीतने वाली टीम का भी हिस्सा रहीं दीपिका के नाम 2010 से अब तक सात विश्व कप टीम स्वर्ण पदक हो गए हैं। यह भारतीय महिला रिकर्व टीम का तीन साल में पहला विश्व कप पदक भी है। इससे पहले टीम 2023 में पेरिस में चरण चार में पोडियम पर पहुंची थी, जिसमें अंकिता पदक जीतने वाली टीम की सदस्य थीं। शंघाई में भारत अब तक दो पदक जीत चुका है।

सिटी स्पोर्ट्स

प्रारब्ध मिश्रा के अर्धशतक से जीती मयंक क्रिकेट अकादमी

भोपाल, खेप्र। प्लेयर ऑफ द मैच प्रारब्ध मिश्रा के अर्धशतक की बदौलत मयंक चतुर्वेदी क्रिकेट अकादमी ने 14वें स्व. अरविंद चतुर्वेदी क्रिकेट टूर्नामेंट 'रमेश शर्मा गुड्डू भैया ट्रॉफी' में अभय गोस्वामी अकादमी को चार विकेट से शिकस्त दी। ओल्ड कैंपियन मैदान पर अभय अकादमी की टीम ने पहले खेलते हुए 161 रन बनाए। टीम के प्रतीक शुक्ला ने 42, अविनाश ने 28 और जय रघुवंशी 24 का योगदान दिया। मयंक अकादमी के समर्थ तिरखी ने तीन और पीयूष सिंह ने दो विकेट चटकाए। जवाब में मयंक अकादमी ने 28 ओवर में छह विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। प्रारब्ध मिश्रा ने 79, जबकि अरबाज उद्दीन और गौरांग ने एकसमान 20-20 रन बनाए। नीरज ग्रोवर ने 2 विकेट लिए।

सेंट माइकल इंटर हाउस क्रिकेट टूर्नामेंट कल

भोपाल, खेप्र। शहर के बाबेअली स्टेडियम में 12 मई से सेंट माइकल इंटर हाउस क्रिकेट टूर्नामेंट खेला जाएगा। टूर्नामेंट में विभिन्न हाउस की टीमें भाग लेंगी। टूर्नामेंट आयोजन समिति की अध्यक्ष हिबा शकील मोहम्मद एवं सैयद अयान शकील ने बताया की यह टूर्नामेंट वनडे फॉर्मेट में खेला जाएगा। अकादमी के खिलाड़ियों के बीच हाउस बनाकर यह मैच आयोजित किए जाएंगे। 10 दिन तक यह टूर्नामेंट आयोजित किया जाएगा। यह प्रतियोगिता लीग आधार पर तथा रेड बॉल में खेली जाएगी।

प्रीमियर लीग: ब्रेंटफोर्ड को हराकर सिटी ने शीर्ष पर चल रहे आर्सेनल पर दबाव बढ़ाया

मैनचेस्टर, जेएनए। मैनचेस्टर सिटी ने ब्रेंटफोर्ड को एकतरफा मुकाबले में 3-0 से हराकर प्रीमियर लीग अंक तालिका में शीर्ष पर चल रहे आर्सेनल पर दबाव बढ़ा दिया। सिटी की ओर से जेरेमी डोकू, एर्लिंग हेलेंड और ओमार मारमोश ने गोल दागे, जिससे आर्सेनल और दूसरे स्थान पर चल रही इस टीम के बीच अब सिर्फ दो अंक का अंतर रह गया है। आर्सेनल के 35 मैच में 76, जबकि सिटी के इतने ही मैच में 74 अंक हैं। गत चैंपियन लीवरपूल ने चेल्सी के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला और इस दौरान प्रशंसकों ने टीम की हूटिंग भी की। तीसरे स्थान पर चल रहे मैनचेस्टर यूनाईटेड ने सदरलैंड से गोल रहित ड्रॉ खेला, जबकि छठे स्थान पर चल रहे बोर्नेमाउथ ने फुलहम को 1-0 से शिकस्त दी।

चीन पर जीत दर्ज कर फीफा विश्व कप टिकट पक्का करने उतरेगा भारत

सुझोउ (चीन), जेएनएन। भारत की अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम की खिलाड़ी सोमवार को अपने करियर के सबसे बड़े मुकाबले में मेजबान चीन से एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप के क्वार्टर फाइनल में भिड़ेंगी, जहां दांव पर फीफा विश्व कप का टिकट होगा। भारतीय महिला फुटबॉल के इतिहास में यह पहली बार है, जब कोई टीम फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने से सिर्फ एक जीत दूर खड़ी है। भारतीय टीम को यह जीत 2026 फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप में जगह दिला देगी, जिसका आयोजन मोरक्को में होगा। भारत ने इससे पहले 2017 में पुरुष अंडर-17 विश्व कप और 2022 में महिला अंडर-17 विश्व कप की मेजबानी की थी, लेकिन अब तक कोई भी भारतीय टीम क्वालिफाई करके इस मंच तक नहीं पहुंच सकी है। भारत ने अपने अंतिम ग्रुप मैच में लेबनान को 4-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। यह पहली बार है, जब भारत ने एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप के नॉकआउट चरण में जगह पक्की की है।

अंडर-17 एशियाई कप क्वार्टर-फाइनल में आज भिड़ेंगी दोनों टीम

डेब्यू मैच में पाक के अजान का शतक हसन ने कराई बांग्लादेश की वापसी

ढाका, जेएनएन। ऑफ स्पिनर मेहदी हसन के पांच विकेट से बांग्लादेश रविवार को पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में पाकिस्तान को पहली पारी में 386 रन पर आउट कर अपनी कुल बढ़त 34 रन की कर ली। मेहदी ने 102 रन देकर पांच विकेट हासिल किए, जिससे बारिश से प्रभावित तीसरे दिन पाकिस्तान की टीम 386 रन पर ऑलआउट हो गई और बांग्लादेश ने 27 रन की बढ़त हासिल की। स्टंप तक बांग्लादेश ने बिना कोई विकेट खोए सात रन बना लिए। खराब रोशनी के कारण दिन का खेल समय से पहले ही रोकना पड़ा। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज अजान अवैस (103 रन) ने अपने पदार्पण मैच में शतक जड़ा, जबकि तीन अन्य बल्लेबाज अब्दुल्ला फजल (पदार्पण में), सलमान आगा और मोहम्मद रिजवान ने भी अर्धशतक बनाकर उनका बखूबी साथ दिया। लेकिन मेहदी ने यह सुनिश्चित किया कि बांग्लादेश बढ़त हासिल कर ले। पाकिस्तान ने सुबह एक विकेट पर 179 रन से आगे खेलना शुरू किया। टीम बड़े स्कोर बनाने की ओर बढ़ती दिख रही थी। अजन ने 153 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और इसके साथ वह अपने पदार्पण मैच में ही शतक जड़ने वाले पाकिस्तान के 15वें बल्लेबाज बन गए।

सीएम विजय का 'जीरो इंटरफेरेंस' मॉडल, विभागों का होगा ऑडिट

तमिलनाडु में नए युग की शुरुआत, विकास होगी प्राथमिकता, द्रविड़ राजनीति के छह दशक पुराने दबदबे का अंत

चेन्नई, जेएनएन। नवनियुक्त मंत्रियों ने सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलनाडु वेत्री कड़गम (टीवीके) सरकार में रविवार को पारंपरिक शासन से एक स्पष्ट विच्छेद का संकेत दिया। शपथ ग्रहण के बाद नई कैबिनेट ने सभी राज्य विभागों के व्यापक ऑडिट और एक 'जीरो इंटरफेरेंस' प्रशासनिक मॉडल की योजना की घोषणा की।

मुख्यमंत्री विजय की अपनी पहली ही चुनावी जीत को एक ऐतिहासिक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है, जिसने लगभग छह दशकों के द्रविड़ राजनीतिक प्रभुत्व को उलट दिया है। शपथ ग्रहण के बाद बात करते हुए मंत्री आधव अर्जुना ने चुनाव परिणाम को 'जनता की जीत' बताया और विशेष रूप से तमिलनाडु के युवाओं और महिलाओं को इसका श्रेय दिया। अर्जुना ने जोर देकर कहा कि नया प्रशासन पारदर्शिता, धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय पर आधारित होगा। उन्होंने कहा, 'हमारे नेता और सभी मंत्री एक पारदर्शी सरकार प्रदान करेंगे। हम सभी अल्पसंख्यक भाइयों और बहनों के लिए काम करेंगे और विकास को प्राथमिकता देंगे।'

श्वेत पत्र जारी करेंगे: जब पिछली डीएमके नेतृत्व वाली सरकार से बदलाव के बारे में पूछा गया, तो अर्जुना ने आरोप लगाया कि निवर्तमान शासन का 'अनुभव' काफी हद तक 'भ्रष्टाचार' से परिभाषित था, जिसे टीवीके विकास-केंद्रित मंत्रालय के साथ बदलने का इरादा रखती है। मंत्री सी टी आर निर्मल कुमार ने सरकार के तत्काल रोडमैप की पुष्टि की कि मुख्यमंत्री ने प्रत्येक विभाग के व्यापक ऑडिट का निर्देश दिया है। निष्कर्षों को जनता के लिए 'व्हाइट पेपर' के रूप में जारी किया जाएगा ताकि मंत्रालयों की वर्तमान स्थिति और राजकोषीय स्वास्थ्य को उजागर किया जा सके। 'हम एक पूर्ण ऑडिट करेंगे। वहां क्या है, क्या नहीं है, और किसे प्राथमिकता देने की आवश्यकता है।'

राहुल ने विजय को बताया 'भाई' और 'दोस्त'

टीवीके प्रमुख सी. जोसेफ विजय के शपथ ग्रहण में लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भी मौजूद रहे। उन्होंने मंच साझा किया और सेल्फी भी ली। इस दौरान राहुल ने विजय को बताया 'भाई' और 'दोस्त' बताया। साल 2009 में विजय ने राहुल गांधी की पार्टी में शामिल होने की कोशिश की थी। एक बड़े गठबंधन में एक छोटी सहयोगी बनकर रह गई है। विजय की बड़ी जीत के बाद से राहुल गांधी ने उनसे कम से कम तीन बार बात की है। गठबंधन पर विजय ने राहुल गांधी से बात की और उन्हें 'भाई' कहकर संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद को अपने शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया।

समारोह में भावुक हुईं तृषा, वायरल हुईं तस्वीरें

अभिनेत्री तृषा कृष्णन ने रविवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में अपने अच्छे दोस्त और लंबे समय तक सह-कलाकार रहे थलपति विजय के शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचकर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। अभिनेत्री इस ऐतिहासिक क्षण के लिए कार्यक्रम स्थल पर चलते समय स्पष्ट रूप से भावुक और खुश दिख रही थीं। क्रीम रंग के ब्लाउज के साथ शानदार फिरोजी सिल्क साड़ी पहने हुए, तृषा ने अपना लुक शालीन और पारंपरिक रखा। उन्होंने अपने बालों में लिपटी चमेली के गजरे के साथ सामान रखा और न्यूनतम मेकअप किया। शपथ ग्रहण समारोह में अभिनेत्री के मुस्कुराते हुए वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से वायरल हो गईं। तृषा को आयोजन स्थल पर विजय के परिवार के सदस्यों का गर्मजोशी से स्वागत करते देखा गया और उन्होंने नवनियुक्त मुख्यमंत्री की मां शोभा चंद्रशेखर और बहन विद्या से भी मुलाकात की।

मुख्यमंत्री की मां और बहन को तृषा ने लगाया गले

संक्षिप्त समाचार

संजय वात्स्यायन संभालेंगे वेस्टर्न नेवल कमांड

नई दिल्ली, जेएनएन। इंडियन नेवी की सबसे मारक कमान 'वेस्टर्न नेवल कमांड' की कमान वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन संभालेंगे। वर्तमान में वाइस चीफ ऑफ नेवल स्टाफ की जिम्मेदारी संभाल रहे वात्स्यायन की यह नियुक्ति रणनीतिक रूप से पाकिस्तान के लिए एक कड़ा संदेश है, क्योंकि मुंबई स्थित यह मुख्यालय सीधे तौर पर अरब सागर और कराची बंदरगाह की गतिविधियों पर नजर रखता है। पश्चिमी नौसेना कमान को भारतीय नौसेना की स्वोर्ड आर्म यानी 'तलवार वाली भुजा' कहा जाता है। यह भारत की सबसे पुरानी और सबसे शक्तिशाली कमान है, जिसका मुख्य दायित्व पाकिस्तान से लगी समुद्री सीमा की रक्षा करना है। वाइस एडमिरल वात्स्यायन के पास अब गुजरात के सर क्रीक से लेकर दक्षिण भारत तक के विशाल समुद्री क्षेत्र की सुरक्षा का जिम्मा होगा। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि उनकी नियुक्ति से पश्चिमी तट पर भारत की आक्रामक क्षमता में इजाफा होगा।

विक्ट्री डे पर पुतिन ने दिए शांति के संकेत

मॉस्को, जेएनएन। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन युद्ध को लेकर बड़ा बयान देते हुए संकेत दिया है कि यह संघर्ष अब अपने अंतिम चरण की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के साथ किसी तीसरे देश में मुलाकात संभव हो सकती है, लेकिन इसके लिए स्थायी शांति समझौते पर सहमति बनना जरूरी होगा। रूस ने 9 मई को मॉस्को के रेड स्क्वॉयर में विक्ट्री डे समारोह मनाया।

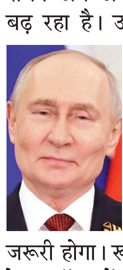

यह आयोजन नाजी जर्मनी पर सोवियत संघ की जीत और द्वितीय विश्व युद्ध में मारे गए लोगों की स्मृति में आयोजित किया जाता है। रूस और यूक्रेन दोनों की ओर से इसकी पुष्टि करते हुए कहा गया था कि 9 मई से 11 मई तक सभी सैन्य गतिविधियों पर रोक रहेगी। उससे पहले राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन युद्ध को लेकर कहा, 'मुझे लगता है कि यूक्रेन की लड़ाई अब अंत की ओर बढ़ रही है।' पुतिन ने यह भी बताया कि स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको ने उन्हें जानकारी दी थी कि जेलेंस्की उनसे मुलाकात के लिए तैयार हैं।

पाकिस्तान में पुलिस चौकी पर हमला, 15 की मौत

नई दिल्ली, जेएनएन। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक पुलिस चौकी पर आत्मघाती हमले में 15 सुरक्षाकर्मी मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। यह घटना बन्नू में देर रात हुई, जहां विस्फोटक से भरी एक गाड़ी पुलिस चौकी की ओर आ रही थी, तभी सुरक्षाकर्मियों ने उस पर गोलीबारी की, जिसके बाद उसमें विस्फोट हो गया। विस्फोट के प्रभाव से आसपास के कई घरों की छतें गिर गईं। पुलिस चौकी की इमारत भी पूरी तरह से ध्वस्त हो गई और कई सुरक्षाकर्मी मलबे के नीचे दब गए। विस्फोट के बाद समूह ने पुलिस चौकी पर हमला कर दिया। बन्नू पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि हमले में 15 सुरक्षाकर्मी मारे गए और कई घायल हो गए। इस घटना में मारे गए हमलावरों की संख्या के बारे में अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री मोहम्मद सोहेल अफरीदी ने हमले की निंदा करते हुए जानमाल के नुकसान पर दुःख व्यक्त किया। उनके कार्यालय ने बताया कि उन्होंने घायलों के लिए सर्वोत्तम चिकित्सा उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

ओप्पो-वनप्लस के बेच रहे थे नकली प्रोडक्ट

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली पुलिस के क्राइम ब्रांच ने तलाशी और जब्ती अभियान के तहत दो नकली प्रोडक्ट बनाने वाली फैक्टरी का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने पाया है कि ओप्पो, वनप्लस और रियलमी ब्रांड की कॉपी करके बड़ी संख्या में नकली प्रोडक्ट बरामद किए हैं। दिल्ली स्थित करोल बाग के रेगरपुरा में दो गोदामों को सील किया है। दिल्ली के मोती नगर में भी एक फैक्टरी को सील किया है, जहां कंपनियों के प्रोडक्ट के पैकिंग बॉक्स बनाए जाते थे। पुलिस ने अवैध कारोबार में इस्तेमाल हो रही 8 मशीनों को भी जब्त कर लिया है। इन गोदामों में बड़े स्तर पर नकली सामान की पैकिंग असली ब्रांड जैसे दिखने वाले डिब्बों में किया जा रहा है। नामी ब्रांड्स के नाम पर बाजार में बेचने के आरोप में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस की एजीएस यूनिट को एक्शन के दौरान एक प्रिंटिंग प्रेस और तीन गोदामों का पता चला। इन गोदामों में मशीनों की मदद से नकली प्रोडक्ट्स की पैकेजिंग और ब्रांडिंग तैयार होती थी। रियलमी, वनप्लस, ओप्पो, ये तीनों चाइनीज ब्रांड हैं और बीबीके इलेक्ट्रॉनिक्स के तहत काम करते हैं।

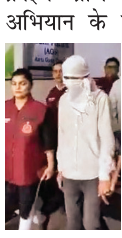

टैंकरों पर हमले के बाद बौखलाया ईरान, कहा- अमेरिकी ठिकानों के लिए लॉक हैं मिसाइल-ड्रोन

रिपोर्ट: ईरान ने समुद्र में बहाया 3,000 बैरल तेल, स्टोर के लिए कम पड़ी जगह

नई दिल्ली, जेएनएन। फारस की खाड़ी में ईरान के खार्ग आईलैंड के पास बड़ा तेल रिसाव देखा गया है। सैटेलाइट तस्वीरों में समुद्र में फैला तेल साफ नजर आया है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह रिसाव अमेरिकी प्रतिबंधों और होर्मुज में बढ़े तनाव के कारण हो सकता है। समुद्र में तेल करीब 51 वर्ग मील से ज्यादा इलाके में फैल चुका है। अनुमान है कि 3,000 बैरल से ज्यादा तेल पानी में बह गया है। बताया जा रहा है कि अमेरिकी प्रतिबंधों और नौसैनिक दबाव की वजह से ईरान के तेल निर्यात पर असर पड़ा है। कई तेल टैंकर फंसे हुए हैं और देश के पास तेल स्टोर करने की जगह कम पड़ रही है। इसी कारण यह एक्स्ट्रा ऑयल समुद्र में छोड़ा जा रहा है।

इधर, पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर खतरनाक मोड़ पर पहुंचता दिख रहा है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने अमेरिका को खुली चेतावनी दी है कि यदि फारस की खाड़ी या होर्मुज स्ट्रेट में ईरानी तेल टैंकरों और व्यापारिक जहाजों पर दोबारा हमला हुआ, तो अमेरिकी सैन्य ठिकानों और युद्धपोतों को निशाना बनाया जाएगा। आईआरजीसी की नौसेना इकाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि ईरान अब और दबाव बर्दाश्त नहीं करेगा। आईआरजीसी की एयरोस्पेस फोर्स ने दावा किया कि उसकी मिसाइलें और ड्रोन अमेरिकी ठिकानों और दुश्मन जहाजों पर 'लॉक' हैं।

होर्मुज स्ट्रेट पर बढ़ा तनाव, बढ़ सकती है महंगाई

होर्मुज स्ट्रेट को दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में माना जाता है। यहां बढ़ते तनाव का असर वैश्विक तेल बाजार पर भी दिखाई दे रहा है। ब्रेंट क्रूड की कीमत 103 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि हालात और बिगड़े तो दक्षिण एशिया समेत कई देशों में ईंधन, खाद्य पदार्थ और आयातित सामान महंगे हो सकते हैं। अमेरिका ने दावा किया है कि उसने 70 से ज्यादा जहाजों को ईरानी बंदरगाहों तक पहुंचने से रोका है। वहीं ईरान ने कहा है कि यदि उस पर दबाव जारी रहा तो क्षेत्र में युद्ध दोबारा भड़क सकता है।

क्षेत्र में ड्रोन और हमलों की घटनाएं तेज: तनाव के बीच खाड़ी देशों में भी सुरक्षा अलर्ट बढ़ा दिया गया है। यूनाइटेड अरब अमीरात ने दावा किया है कि उसने ईरान से आए दो ड्रोन मार गिराए। वहीं कतर ने पुष्टि की कि उसके समुद्री क्षेत्र में एक मालवाहक जहाज पर ड्रोन हमला हुआ, हालांकि उसमें कोई हताहत नहीं हुआ। कुवैत ने भी अपने हवाई क्षेत्र में संदिग्ध ड्रोन देखे जाने की जानकारी दी है।

गाजा और लेबनान में भी हमले जारी

गाजा में युद्धविराम के बावजूद इजराइली हमले जारी हैं। दक्षिणी गाजा के खान यूनिस में ड्रोन हमले में दो लोगों की मौत हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक युद्धविराम लागू होने के बाद भी सैकड़ों लोग मारे जा चुके हैं। वहीं दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह और इजराइल के बीच संघर्ष तेज हो गया है। इजराइली हवाई हमलों में एक दिन में 39 लोगों की मौत की खबर है। जवाब में हिजबुल्लाह ने भी ड्रोन और रॉकेट हमले करने का दावा किया है।

बातचीत की कोशिशें जारी

तनाव के बीच अगले सप्ताह इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच नई वार्ता की संभावना जताई जा रही है। इसके अलावा अमेरिका की मध्यस्थता में 14 और 15 मई को इजराइल और लेबनान के बीच भी बातचीत प्रस्तावित है। हालांकि जमीन पर हालात लगातार बिगड़ते दिख रहे हैं और विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जल्द कूटनीतिक समाधान नहीं निकला, तो यह संकट पूरे मध्य पूर्व को बड़े युद्ध की ओर धकेल सकता है।

क्राइम इन इंडिया 2024 की रिपोर्ट

दहेज उत्पीड़न में बेंगलुरु टॉप पर

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की 'क्राइम इन इंडिया 2024' रिपोर्ट के अनुसार, कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में दहेज निषेध अधिनियम, 1961 के तहत देश में सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। शहर में कुल 878 घटनाएं दर्ज की गईं। देश के प्रमुख महानगरों में दर्ज किए गए कुल 1,008 दहेज संबंधी मामलों में से लगभग 87 प्रतिशत अकेले बेंगलुरु से थे। सूची में दूसरे स्थान पर मौजूद लखनऊ में केवल 48 मामले दर्ज किए गए।

87% दहेज उत्पीड़न के मामले बेंगलुरु में	**48** केस, दूसरे नंबर पर लखनऊ	**25** मौतें हुईं दहेज के कारण बेंगलुरु में	**109** मौतें दहेज के कारण दिल्ली में हुईं
14 मौतें दहेज के कारण हैदराबाद में हुई	**897** केस छेड़छाड़ के, बेंगलुरु नंबर वन	**857** केस, छेड़छाड़ में मुंबई दूसरे स्थान पर	**1,051** केस महिला अपराध के बेंगलुरु में

पत्नी के प्रति क्रूरता के मामले में उप्र नंबर वन

- **21,266** केस उप्र में दर्ज हुए धारा 498ए के तहत
- **10,578** केस राजस्थान में दर्ज किए गए पत्नी को प्रताड़ित करने के
- **10,538** मामले महाराष्ट्र में पंजीकृत हुए पत्नी से विवाद के
- **2,947** प्रकरण पत्नी से मारपीट कर्नाटक में दर्ज हुए

शिल्पा लेकर आ रहीं नया ओटीटी शो, सुनीता आहूजा करेंगी डेब्यू

बॉलीवुड और टीवी की दुनिया में कुकिंग रियलिटी शोज का क्रेज लगातार बढ़ता जा रहा है। अब ऐसा ही एक नया शो जल्द ओटीटी पर दस्तक देने वाला है, जिसकी चर्चा अभी से सोशल मीडिया पर शुरू हो चुकी है। खास बात ये है कि इस शो को होस्ट करने जा रही हैं बॉलीवुड की फिटनेस क्वीन और ग्लैमरस स्टार शिल्पा शेट्टी, जिनका अंदाज हमेशा लोगों को एंटरटेन करता रहा है। बताया जा रहा है कि इस शो में कई सेलिब्रिटी मां और उनके बच्चे हिस्सा लेने वाले हैं। इनमें सुनीता आहूजी और उनकी बेटी टीना आहूजा भी नजर आएंगी, इस शो के साथ सुनीता पहली बार रियलिटी शो की दुनिया में कदम रखेंगी। बता जा रहा है कि शिल्पा शेट्टी जल्द ही नए कॉमेडी-कुकिंग शो 'मां है ना' में बतौर होस्ट नजर आने वाली हैं। ये शो कुकिंग पर नहीं, बल्कि एक अलग कॉन्सेप्ट पर बेस्ड होगा, जहां सिर्फ खाना बनाना ही नहीं, बल्कि मां-बच्चों के रिश्तों, मजेदार नोकझोंक और इमोशनल बॉन्डिंग को भी दिखाया जाएगा। शो को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी जेड पर स्ट्रीम किया जाएगा।

किम जोंग की हत्या पर छोड़ सकते हैं एटम बम

नई दिल्ली, जेएनएन। उत्तर कोरिया ने अपने संविधान में बड़ा बदलाव किया है। अब अगर उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन की हत्या हो जाती है या उनके न्यूक्लियर हथियारों पर कोई खतरा मंडराता है तो बिना किसी आदेश के न्यूक्लियर हमला हो जाएगा। यह कदम ईरान में अमेरिका-इजराइल के हमलों के बाद उठया गया है, जहां सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई की मौत के बाद ईरान ने भी अपने न्यूक्लियर कमांड में बदलाव किए। ये दोनों घटनाएं दुनिया के लिए चेतावनी बन गई हैं। उत्तर कोरिया ने हाल ही में अपने संविधान में संशोधन किया। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी के मुताबिक, अब अगर विदेशी हमले में किम जोंग उन मारे जाते हैं या न्यूक्लियर कमांड सिस्टम पर खतरा होता है तो फौरन न्यूक्लियर हमला लॉन्च हो जाएगा। यह बदलाव मार्च में हुआ था, लेकिन अब सार्वजनिक हो रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि ईरान के सुप्रीम लीडर की मौत ने प्योंगयांग को बहुत डरा दिया है।

योगी कैबिनेट में छह नए मंत्री शामिल, दो को मिला प्रमोशन

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रहीं कृष्णा भी बनीं मंत्री

लखनऊ, जेएनएन। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल का रविवार को दूसरी बार विस्तार किया गया। राजभवन में आयोजित समारोह में 6 नए मंत्रियों ने शपथ ली, जबकि 2 राज्य मंत्रियों को प्रमोशन देकर राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया। समारोह में सबसे पहले भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने शपथ ली। उन्हें कैबिनेट मंत्री बनाया गया है। इसके बाद समाजवादी पार्टी के बागी विधायक मनोज पांडे ने मंत्री पद की शपथ ली। उन्हें भी कैबिनेट में जगह दी गई है। वहीं अजित पाल और सोमेन्द्र तोमर को प्रमोशन देकर राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया। दोनों पहले राज्य मंत्री थे। इसके अलावा कृष्णा पासवान, कैलाश राजपूत, सुरेंद्र दिलेर और हंसराज विश्वकर्मा ने राज्यमंत्री के रूप में शपथ ली। कृष्णा पासवान चौथी बार विधायक बनी हैं और राजनीति में आने से पहले आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के रूप में काम कर चुकी हैं।

आशा मौर्य के बदले सुर

कैबिनेट विस्तार के बाद भाजपा विधायक आशा मौर्य के सुर बदलते नजर आ रहे हैं। मंत्री न बनाने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर नाराजगी जाहिर की थी। अब उनके नए फेसबुक पोस्ट में पार्टी और संगठन के प्रति समर्पण की बात सामने आई है। दरअसल, महमूदाबाद सीट से विधायक आशा का नाम मंत्रिमंडल विस्तार के लिए चर्चा में था। अंतिम सूची में उनका नाम शामिल नहीं हुआ। इसके बाद उन्होंने पोस्ट लिखा कि शायद अब पार्टी को मौर्य समाज की जरूरत नहीं रह गई है।

पति से झगड़े के बाद 8वीं मंजिल से लगाई छलांग

पुणे, जेएनएन। महाराष्ट्र के पुणे में 35 साल की एक महिला ने 8वीं मंजिल से कूदकर सुसाइड कर लिया। घटना तलेगांव एमआईडीसी इलाके की अर्बन लाइफ टावर सोसाइटी की है। मृतका की पहचान प्रतिभा शंकर के रूप में हुई है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक महिला का पति से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद वह फ्लैट की बालकनी में पहुंची और नीचे कूद गई।

एस.के.फाइनेंस लिमिटेड
(CIN : U65923RJ1994PLC009051)
पंजीकृत कार्यालय: जी 1-2, न्यू मार्केट, खासा कोठी सर्किल, जयपुर- 302001 टोल फ्री: 1800 1039 039
ई-मेल: info@sfkin.in
sk FINANCE Saath Aapke... Hamesha

शाखा कार्यालय बंद करने हेतु सार्वजनिक सूचना

सर्वसूचित किया जाता है कि कम्पनी प्रबंधक के निर्णयानुसार हम अपनी उक्त **पांढुरना शाखा** - प्लॉट नं.-120, दुकान नं.-9 व 10, गुरुनानक वार्ड, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के ऊपर, अमरावती रोड, पांढुरना, जिला-छिंदवाड़ा-480334 (मध्य प्रदेश) को 11 अगस्त 2026 की प्रभावी तिथि से बंद कर रहे हैं:-
अतः हम अपने सभी ग्राहकों से अनुरोध करते है कि भविष्य में हमारी किसी भी तरह की लोन सुविधाओं के लिए हमारी अन्य शाखा कार्यालय **मुलताई शाखा** - पहली मंजिल, खसरा नं.-207, अंबेडकर वार्ड-13, बैतूल-नागपुर रोड, मुलताई, जिला-बैतूल-460661 (मध्य प्रदेश) के पते पर संपर्क करें।

महंगाई एफएमसीजी ने दिए संकेत, साबुन, पैकेट बंद खाद्य के बढ़ सकते हैं दाम

ईंधन संकट से बिगड़ जाएगा घर का बजट

दिल्ली, जेएनएन। पैकेजिंग सामग्री और ईंधन लागत में बढ़ोतरी के बीच साबुन, डिटर्जेंट, बिस्किट, पैकेट बंद खाद्य पदार्थ और पेय उत्पादों की कीमतें बढ़ सकती हैं। रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनियां बढ़ती लागत से मुनाफे पर पड़ रहे दबाव को कम करने के लिए चरणबद्ध तरीके से दाम बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं। एफएमसीजी कंपनियों ने हालिया तिमाही नतीजों के दौरान इस बात का संकेत दिया था कि वे पहले ही तीन से पांच प्रतिशत तक कीमतें बढ़ा चुकी हैं और लागत का दबाव जारी रहने पर आगे भी मूल्य वृद्धि की जा सकती है। कंपनियों का कहना है कि पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव से वैश्विक सप्लाई चेन प्रभावित हुई है, जिससे कच्चे माल, लाजिस्टिक्स और पैकेजिंग लागत बढ़ी है। रुपये में कमजोरी ने भी दबाव बढ़ाया है।

उत्पादों में मात्रा कम करने पर विचार

कंपनियां मुनाफा बनाए रखने के लिए कीमतें बढ़ाने के साथ पैकेट बंद उत्पादों में मात्रा कम करने की रणनीति भी अपना रही हैं। हालांकि पांच, 10 और 15 रुपये वाले छोटे पैक बाजार में बनाए रखने की कोशिश की जा रही है ताकि बिक्री पर असर कम पड़े। कंपनियां लागत कम करने के लिए छूट और प्रचार खर्चों में कटौती, भंडार प्रबंधन को मजबूत करने व सप्लाई चेन को अधिक कुशल बनाने जैसे कदम उठा रही हैं।

पैकेजिंग लागत में 20 प्रतिशत वृद्धि : ब्रिटानिया: ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज ने भी संकेत दिया है कि ईंधन और पैकेजिंग लागत में करीब 20 प्रतिशत वृद्धि के कारण जल्द ही कीमतें बढ़ाई जा सकती हैं। कंपनी के एमडी और सीईओ रक्षित हरगेव ने कहा कि कंपनी सीधे दाम बढ़ाने और पैक के वजन में कमी, दोनों विकल्पों पर विचार कर रही है। ब्रिटानिया के पास गुड डे, मेरी गोल्ड, मिल्क बिकीज और टाइगर जैसे ब्रांड हैं।

महंगाई का आठ से 10 प्रतिशत का बोझ बढ़ा: हिंदुस्तान यूनिलीवर हदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड ने भी संकेत दिए हैं कि यदि जिंसों की कीमतों में दबाव बना रहा तो कंपनी आगे और कीमतें बढ़ा सकती है। एचयूएल के मुख्य वित्त अधिकारी निरंजन गुप्ता ने कहा, 'अभी तक हमारे ऊपर महंगाई का आठ से 10 प्रतिशत का बोझ पड़ा है। हमने पोर्टफोलियो दर आधार पर कीमतों में दो से पांच प्रतिशत तक की वृद्धि की है।'

पिडिलाइट ने भी दाम बढ़ाने के संकेत

एडहेसिव और कंस्ट्रक्शन केमिकल्स बनाने वाली कंपनी पिडिलाइट इंडस्ट्रीज कच्चे माल की कीमतों में हुई बढ़ोतरी को देखते हुए एक और बार कीमतें बढ़ाने पर विचार कर रही है। कंपनी के पास फेविकोल, डॉ. फिक्सिट, फेविक्विक और एम-सील जैसे लोकप्रिय ब्रांड हैं। कंपनी ने अप्रैल में कीमतों में बढ़ोतरी का एलान किया था और उसके बाद मई में दूसरी बार कीमतें बढ़ाई गई थीं। कंपनी के प्रबंध निदेशक सुधांशु वत्स ने बताया कि कंपनी को जिस तरह के कच्चे माल की जरूरत होती है, वह काफी हद तक कच्चे तेल से जुड़े हैं। उन्होंने आगाह किया है कि लंबे समय तक चलने वाला भू-राजनीतिक संघर्ष और लगातार बढ़ती महंगाई आखिरकार उपभोक्ता मांग पर असर डालेगी।

हमने महंगाई के असर को थोड़ा कम करने के लिए बिजनेस के अलग-अलग हिस्सों में पहले ही चार प्रतिशत कीमत बढ़ा दी है। हम कीमत को कम करने की कोशिश भी कर रहे हैं।
● **मोहित मल्होत्रा,** सीईओ, डाबर इंडिया

दैनिक जागरण वर्गीकृत
आवश्यकता शिक्षा प्रापर्टी दूरसंचार ऑटो मोबाइल, ट्रेवल्स शॉपिंग बाजार इलेक्ट्रॉनिक्स रेस्टोरेंट

जागरण क्लासीफाइड
डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रनिंग क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹300/-
संपूर्ण म.प्र. संस्करण ₹500/-
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें
9826065324
डिस्प्ले क्लासीफाइड ₹50/- per sqcm.
Email : advtbhopaljagran@gmail.com

अण्डा
BHOPAL EGG RATE 515/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह
पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

प्रहलाद मोदी ने 107 पदाधिकारियों को शपथ दिलाई

जागरण, खरगोन। क्षत्रिय राठौड़ समाज की जिला कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह रविवार दोपहर 1 बजे हरियाली मैरिज गार्डन में आयोजित हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाई प्रहलाद मोदी ने कार्यकारिणी के 107 पदाधिकारियों और सदस्यों को शपथ दिलाई। इस अवसर पर प्रहलाद मोदी ने समाज को फिजूलखर्ची रोकने और बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता देने का संदेश दिया। सम्मान पर खर्च करने के बजाय पैसा बच्चों की पढ़ाई पर लगाना चाहिए।

गर्भवती महिलाओं की जांच में लापरवाही, दो को नोटिस

जागरण, राजगढ़। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की खराब स्थिति को लेकर प्रशासन ने कार्रवाई की है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में कमजोर प्रदर्शन, गर्भवती महिलाओं की समय पर जांच में लापरवाही और स्वास्थ्य केंद्रों की बदहाल व्यवस्थाओं के कारण कई अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई के तहत जिले के दो सीबीएमओ सहित कई स्वास्थ्य कर्मियों को नोटिस जारी किए गए हैं।

भोपाल में सक्रिय 21 गैंग पुलिस के रडार पर कई थाना क्षेत्रों में फैला बदमाशों का नेटवर्क

क्राइम ब्रांच और स्थानीय पुलिस गैंगों की गतिविधियों पर कर रहे विशेष निगरानी

राजधानी में अपराधों पर अंकुश लगाने अन्य थानों में रह रहे बदमाशों पर हो रही प्रतिबंधात्मक कार्रवाई, भरवा रहे डोजियर

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। पुलिस कमिश्नरेट ने शहर में सक्रिय 21 गैंगों की हिस्ट्री शीट खोली है। अपराध पर शिकंजा कसने के लिए पुलिस ने इनकी पूरी कुंडली तैयार की है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि ये गैंग अब केवल अपने स्थानीय इलाकों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि अलग-अलग थाना क्षेत्रों में नेटवर्क बनाकर संगीन वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। यही वजह है कि स्थानीय पुलिस के साथ क्राइम ब्रांच ने इन गैंगों की गतिविधियों पर विशेष निगरानी शुरू कर दी है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक अधिकांश गैंग पुराने भोपाल, कोलार, एमपी नगर और नए शहर के कई हिस्सों में सक्रिय हैं। खास बात यह है कि एक इलाके का गैंग दूसरे थाना क्षेत्र में जाकर वारदात कर रहा है, ताकि पुलिस की पकड़ से बचा जा सके। बदमाशों के बीच आपसी संपर्क और सपोर्ट सिस्टम भी विकसित हो चुका है। कई गैंग सोशल मीडिया और मोबाइल नेटवर्क के जरिए अपने सदस्यों को जोड़कर रखते हैं। पुलिस भी दीगर थानों में रह रहे बदमाशों के लिए प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करने तथा निगरानी के लिए बोल रही है। उनसे डोजियर भरवाए जा रहे हैं। अधिकांश रजिस्टर्ड गुंडे हैं। थाना स्तर पर एक टीम बनाकर इनकी गतिविधियों में नजर रखी जा रही है।

चाकूबाजी, रंगदारी जैसे गंभीर अपराध

सूची में प्रिंस हटे गैंग, दानिश खान गैंग, अरशद बब्बा गैंग, सलमान अहमद गैंग, आमिर उर्फ अम्मू गैंग, फैसल खान गैंग, आकाश बैरागी, तरुण परचे गैंग, प्रदीप उर्फ मोन्टू, असलम चिकना, आकाश नीलकंठ, आदिल गैंग और नदीम उर्फ जिंसी गैंग जैसे नाम शामिल हैं। इन गैंगों के खिलाफ गंभीर अपराध जैसे मारपीट, चाकूबाजी, रंगदारी, अवैध वसूली, हत्या के प्रयास, जमीन विवाद आदि दर्ज हैं।

दूसरे क्षेत्रों में जाकर करते हैं हमला

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि गैंग के सदस्य अक्सर भीड़भाड़ वाले इलाकों, बाजारों और कमजोर निगरानी वाले क्षेत्रों को निशाना बनाते हैं। कई मामलों में गैंग के सदस्य दूसरे क्षेत्रों में जाकर हमला करते हैं और फिर अपने इलाके में लौट आते हैं, जिससे जांच प्रभावित होती है। इसी पैटर्न को देखते हुए पुलिस ने अब थाना स्तर के बजाय शहर स्तर पर इन गैंगों की गतिविधियों की मॉनिटरिंग शुरू कर दी है।

आपराधिक इतिहास का खंगाला डाटा

इन गैंगों के सक्रिय सदस्यों, करीबी सहयोगियों, आर्थिक गतिविधियों और आपराधिक इतिहास का डाटा भी पुलिस ने तैयार किया है। कई के खिलाफ जिला बदर, गुंडा एक्ट और एनएसए जैसी सख्त कार्रवाई की गई है और कुछ की तैयारी चल रही है। पुलिस ने बदमाशों की निगरानी भी बढ़ा दी है।

गश्त बढ़ाई और कर रहे सत्यापन

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा। जिन इलाकों में गैंग एक्टिव हैं वहां रात की गश्त बढ़ाई गई है और हिस्ट्रीशीटर बदमाशों का सत्यापन भी किया जा रहा है। कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

> *गैंग हिस्ट्री शीट खोली है। इन गैंग के सरगना समेत सदस्यों की निगरानी की जा रही है। इनकी गतिविधियों, आर्थिक स्त्रोत, आपराधिक इतिहास पर ध्यान में रखते हुए नजर रखी जा रही है।*
> ● **संजय कुमार**, पुलिस कमिश्नर, भोपाल

ये हैं शहर की 21 गैंग

थाना	गैंग का नाम
● अरेरा हिल्स, श्यामला हिल्स, टीटीनगर	प्रिंस हटे गैंग
● कोहेफिजा, टीला जमालपुरा	दानिश खान गैंग
● हनुमानगंज, गौतमनगर, टीला जमालपुरा	अरशद बब्बा गैंग
● निशातपुरा, हबीबगंज, टीटीनगर	सलमान अहमद गैंग
● निशातपुरा	आमिर उर्फ अम्मू गैंग
● श्यामला हिल्स, टीटीनगर	फैसल खान गैंग
● हबीबगंज, एमपी नगर	आकाश बैरागी गैंग
● एमपी नगर, ऐशबाग	दानिश उर्फ सलमान कुरैशी गैंग
● अरेरा हिल्स	निज्जू उर्फ निजामुद्दीन गैंग
● अरेरा हिल्स, शाहजहांनाबाद	हसीन उर्फ पप्पू चटका गैंग
● कमला नगर	सुमित उर्फ मोंटी
● शाहपुरा, कोलार, मिसरोद	तरुण परचे गैंग
● कमला नगर, बागसेवनिया	प्रदीप उर्फ मोंटू गैंग
● कमला नगर, जहांगीराबाद, अरेरा हिल्स	असलम चिकना गैंग
● टीटीनगर, शाहजहांनाबाद	आकाश नीलकंठ गैंग
● कोलार रोड	दुर्गेश यादव उर्फ जीतू गैंग
● कोहेफिजा, अशोका गार्डन	आदिल गैंग
● हनुमानगंज, शाहजहांनाबाद	नदीम उर्फ जिंसी गैंग
● टीला जमालपुरा, शाहजहांनाबाद	प्रियांश गैंग
● तलैया, गांधीनगर	रेहान उर्फ बिट्टू गैंग
● गोविंदपुरा, कोहेफिजा	शाबी मलिक गैंग

नाबालिगों को जोड़ कर भय का माहौल

कुछ गैंग युवाओं के अलावा नाबालिग लड़कों को भी साथ जोड़ रहे हैं। सोशल मीडिया पर दबदबा दिखाने, हथियारों के साथ फोटो और वीडियो डालने तथा भय का माहौल बनाने की कोशिश करते हैं। पुलिस अब मॉनिटरिंग के जरिए ऐसे अकाउंट्स पर नजर रख रही है।

"ट्वीट ऑफ द डे"

शिवराज सिंह चौहान
केंद्रीय कृषि मंत्री

गांव की सड़क केवल रास्ता नहीं, बल्कि समृद्धि, सम्मान, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, बाजार और अवसर का प्रवेश-द्वार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार गांव, गरीब, किसान और बहनों के जीवन में ठोस बदलाव लाने के लिए संकल्पबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत वैभवशाली, गौरवशाली, आत्मनिर्भर, संपन्न और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। विदिशा संसदीय क्षेत्र में 500 करोड़ रुपए से अधिक की सड़कें बनेंगी और उनकी प्राथमिकता है कि कोई भी गांव सड़क से वंचित न बचे।

संक्षिप्त खबरें

अभिनेता अर्जुन ने किए बाबा महाकाल के दर्शन

जागरण, उज्जैन। फिल्म अभिनेता अर्जुन रामपाल ने रविवार को श्री महाकालेश्वर मंदिर में बाबा महाकाल के दर्शन किए। वे सुबह करीब 4 बजे मंदिर पहुंचे और दो घंटे नंदी हॉल में बैठकर भस्मारती में शामिल हुए। इस दौरान वे शिव साधना में लीन दिखाई दिए। आरती के बाद अभिनेता ने चांदी द्वार पर माथा टेककर भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया। इसके बाद पंडितों द्वारा विधि-विधान से देहरी पूजा कराई गई। इस बार भी वे सफेद कुर्ते में नजर आए। मंदिर प्रबंध समिति की ओर से उप प्रशासक एसएन सोनी ने अर्जुन रामपाल का 'महाकाल' लिखे दुपट्टे से स्वागत किया। अर्जुन रामपाल ने मंदिर व्यवस्थाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां बहुत बेहतरीन व्यवस्थाएं हैं। उन्होंने सिंहस्थ की तैयारियों का भी जिक्र किया। अर्जुन रामपाल ने फिल्म धुरंधर: द रिवेंज में पाकिस्तानी मेजर इकबाल का किरदार निभाया था। वह इससे पहले भी 15 मार्च 2025 को एक कार्यक्रम के सिलसिले में उज्जैन आ चुके हैं। तब उनकी पूजा पुजारी यश पुजारी द्वारा कराई गई थी।

ट्रकों की टक्कर से चालक की हुई मौत, दो घायल

जागरण, दतिया। एनएच-44 पर रविवार दोपहर सोनागिर तिराहे के पास दो ट्रकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर में एक चालक की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हो गए। हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया। जानकारी के मुताबिक मृतक की पहचान परशुराम यादव निवासी रजपुरा जिला ललितपुर के रूप में हुई है। वह अपने साथी सुनील रजक के साथ खाली ट्रक लेकर तालबेहट से दिल्ली सामान लेने जा रहा था। इसी दौरान सोनागिर तिराहे के पास सामने से आ रहे दूसरे ट्रक से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में चालक परशुराम यादव गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे में मृतक का साथी सुनील रजक घायल हुआ है, जबकि दूसरे ट्रक चालक को भी मामूली चोटें आई हैं।

बेतवा को पुनर्जीवित करने उद्गम स्थल पर जुटे लोग

भोपाल। राजधानी के पास ग्राम झिरी स्थित बेतवा नदी के सूखे उद्गम स्थल को पुनर्जीवित करने और नदी को प्रदूषण से बचाने के लिए रविवार से पहल शुरू हो गई। यहां पर बड़ी संख्या में भोपाल, इंदौर के रिटायर्ड अफसर और एक्सपर्ट जुटे। बेतवा अध्ययन एवं जनजागरण ग्रुप के बैनरतले पुनर्जीवित करने के लिए मंथन किया। मप्र-छत्तीसगढ़ के पूर्व आयकर आयुक्त आरके पालीवाल के नेतृत्व में रविवार को बेतवा उद्गम स्थल कोलार डेम के नजदीक बैठक हुई। इसमें निर्णय लिया गया कि भोपाल से कुरवाई तक नदी में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। जनभागीदारी से बीते साल 55 चेक डेम बनाए गए थे। इस बार वन समितियां भी जुड़ गई हैं। वहीं, वन विभाग के कई रिटायर्ड अफसर जुड़े हैं। इसलिए उद्गम से ऊपर और बीते साल से अधिक चेक डेम बनाए जाएंगे। इस मुहिम में मप्र हाईकोर्ट से जल संरक्षण के लिए नियुक्त एडवोकेट मनीष विजयवर्गीय, डॉ सुरेश गर्ग, कई वन अधिकारी शामिल हुए।

खुलासा: गेहूं की क्वालिटी जांचने वाली कंपनी चलवा रही थी बरगी डेम में क्रूज

अनुभव न होने के बाद भी क्रूज चलाने का मिल गया ठेका

बोट क्लब से रिसॉर्ट तक आउट सोर्स का स्टॉफ

जागरण, भोपाल। बरगी डेम हादसे में 13 लोगों की मौत के जिम्मेदार क्रूज के संचालन में बड़ी लापरवाही सामने आई है। पर्यटन निगम क्रूज का संचालन भी आउट सोर्स कर्मचारी से करा रही थी। इसमें भी हैरान करने वाली बात यह है कि क्रूज चलाने के लिए पायलट उपलब्ध कराने वाली कंपनी के पास इस कार्य का कोई अनुभव ही नहीं है। यह कंपनी गेहूं की क्वालिटी जांचने के साथ ही फसल सर्वे के लिए कर्मचारी उपलब्ध कराती है। उसके बाकी काम भी कृषि से संबंधित ही हैं। मगर पर्यटन निगम ने फसल जांचने वाली कंपनी को बिना जांचे पर्यटकों से जुड़ी जिम्मेदारी सौंप रखी थी। प्रदेश के जलाशयों और बांधों में चल रहे बोट क्लब पर सैलानियों की सुरक्षा को लेकर बड़ी चूक सामने आई है। चपरासी, सुरक्षा कर्मियों और कार्यालय व रिसॉर्ट में बावर्ची व वेटर्स जैसे काम के साथ ही बोट और क्रूज संचालन की जिम्मेदारी भी आउट सोर्स कंपनी के भरोसे ही थी। पर्यटन निगम की जिम्मेदारी सुरक्षा व गुणवत्ता मानकों की निगरानी तक ही सीमित थी। मगर बरगी बांध हादसे में लगभग हर कदम पर लापरवाही की परतें खुलती जा रही है। इसमें नीचे से ऊपर तक मिलीभगत, बंदरबांट जैसी कार्यशैली भी सामने आई है। जिला प्रशासन की टीम द्वारा की जा रही पड़ताल और पूछताछ में खुलासा हुआ है कि पर्यटन निगम में क्रूज की कमान भी आउटसोर्स कर्मचारी के हाथ में ही थी। पायलट महेश पटेल भी भोपाल की आरबी एसोसिएट ग्लोबल कनेक्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा ही यहां भेजा गया था। हालांकि हादसे के बाद सरकार ने पायलट महेश और क्रूज सहायक की सेवाएं समाप्त कर दी हैं।

कंपनी का यह है प्रोफाइल

निगम को आउट सोर्स पर स्टॉफ उपलब्ध कराने वाली आरबी एसोसिएट मानव संसाधन ही उपलब्ध कराती है। हाालांकि कृषि क्षेत्र में भी कंपनी को लंबा अनुभव नहीं है, क्योंकि इसकी स्थापना ही 2022 में हुई है। लोगों की सुरक्षा और जान से सीधे जुड़े काम का तो उसे कोई अनुभव ही नहीं है। ऐसे सार्वजनिक स्थलों और खान-पान की सेवाओं से भी उसका कोई वास्ता नहीं है। यह कंपनी मूलतः कृषि क्षेत्र में सक्रिय है। सोशल प्लेटफार्म्स पर भी कंपनी अपनी पहचान कृषि क्षेत्र से दिखाती है। खासकर गेहूं के लिए सर्वेयर इस कंपनी द्वारा उपलब्ध कराए जाते हैं। साथ ही गेहूं की गुणवत्ता परखने में भी कंपनी का अनुभव है।

पर्यटन निगम पर उठ रहे सवाल

हादसे के बाद पिछले आठ दिनों से चल रही जांच में यह बात सामने आई कि बरगी स्थित मेकल रिसोर्ट में अधिकांश कर्मचारी आउटसोर्स के थे। पर्यटन स्थलों की जिम्मेदारी का कोई अनुभव न होने के बाद भी कंपनी को ठेका देने से पर्यटन निगम पर ही सवाल उठ गए हैं। हालांकि निगम के अधिकारी क्रूज पायलट को अनुभवी बता रहे हैं। मगर हादसे के समय क्रूज यात्रियों को मुसीबत में छोड़कर भागने से उस पर भी सवाल उठ रहे हैं। निगम की ओर से इन कर्मचारियों को यात्री सुविधा और व्यवहार को लेकर क्या प्रशिक्षण दिया गया? इनको लेकर भी मृतकों के परिजन सवाल उठा रहे हैं।

तकनीकी खामियां भी हुई हैं उजागर

इसके पहले पायलट महेश पटेल खुद ही क्रूज की हालत को लेकर निगम प्रबंधन को निशाना बना चुका है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा की गई पूछताछ में वह खुद को बेकसूर बताते हुए निगम प्रबंधन पर लापरवाही के आरोप लगा चुका है। पायलट का कहना है कि क्रूज का इंजन सात माह से खराब था, लिखित में इसकी जानकारी दी गई थी। एक ही इंजन पर काम चल रहा था। मगर भोपाल तक अधिकारी मौन बैठे थे। खराब मौसम के अलर्ट की जानकारी भी निगम के अधिकारियों को ही मिलता है। ऐसे मौसम में क्रूज न चलाने के निर्देश भी अधिकारी ही देते हैं।

ये कैसी चैकिंग: रात 12 बजे चालान काटती रही पुलिस, लड़कियों को भी रोककर रखा

भोपाल में सख्ती के बीच संवेदनशीलता गायब

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। पुलिस कमिश्नर संजय कुमार द्वारा टीटी नगर क्षेत्र में चेकिंग के दौरान लापरवाही बरतने पर एक सब इंस्पेक्टर सहित पांच पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किए जाने के बाद शहर की पुलिस अचानक एक्शन मोड में आ गई। कार्रवाई का भय इतना अधिक था कि रात बारह बजे भी प्रमुख चौराहों और लिंक रोड्स पर बड़े पैमाने पर बैरिकेडिंग कर चेकिंग अभियान चलाया गया। जो भी दिखा उसे रोक दिया गया। इसमें लड़कियों और महिलाओं को भी नहीं छोड़ा। इससे वाहन चालकों की संख्या इतनी ज्यादा हो गई कि रात 12 बजे भी लोग अपने नंबर का इंतजार करते रहे। बिना हेलमेट, तीन सवारी और शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई के नाम पर सख्ती दिखाई गई, लेकिन इस दौरान आम नागरिकों को खासी परेशानी झेलनी पड़ी। खासकर देर रात काम से लौट रहीं महिलाओं और युवतियों को भी रोककर पूछताछ की गई, जिससे कई अकेली महिला वाहन चालक असहज महसूस करती रहीं। महिला चालकों का कहना है कि उन्हें बिना ठोस कारण बार-बार रोका गया, दस्तावेजों की लंबी जांच की गई और अनावश्यक देरी हुई। कुछ जगहों पर पुलिसकर्मियों का व्यवहार भी कठोर बताया गया, जिससे महिलाओं में असुरक्षा की भावना पैदा हुई। वहीं, शहर के व्यस्त इलाकों में बैरिकेडिंग के चलते ट्रैफिक व्यवस्था भी बिगड़ गई। लिंक रोड-1, एमपी नगर, न्यू मार्केट और बोर्ड ऑफिस चौराहे पर रात 9 से 11 बजे के बीच लंबी कतारें लग गईं और वाहन चालकों को जाम का सामना करना पड़ा।

मशीन खराब हुई तो रात 12 बजे महिलाओं को छोड़ा

लिंक रोड नंबर 3 पर वाहन चालकों को मैनिट चौराहे के पास एक बाड़े में खड़ा कर दिया गया। वहां से एक-एक गाड़ी निकलवा कर रसीद काटी जा रही थी। यहां तैनात जवान महिलाओं को रोककर पुरुषों का चालान बनाते रहे। फिर रात 11 बजे के बाद रसीद काटना बंद कर दिया गया। एक घंटे तक लोग नंबर का इंतजार करते रहे। फिर रात 12 बजे बाद महिलाओं को छोड़ दिया। युवाओं को देर रात तक नहीं छोड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रसीद काटने वाली एक ही मशीन थी, वह भी खराब हो गई तो महिलाओं को छोड़ दिया गया। जबकि कई महिलाओं के परिजन सूचना मिलने पर एकत्रित होते रहे। इस कार्रवाई ने यह सवाल भी खड़ा कर दिया है कि क्या चेकिंग के दौरान आम लोगों, विशेषकर महिलाओं की सुविधा और गरिमा का पर्याप्त ध्यान रखा जा रहा है।

बड़ा सवाल: कानून का पालन जरूरी है, लेकिन क्या इसे लागू करने का तरीका उतना संतुलित और संवेदनशील होना चाहिए? यही मुद्दा अब चर्चा में है।

गर्मी के बीच दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत में आंधी-बारिश का अलर्ट

राजस्थान-गुजरात में लू का कहर

नई दिल्ली, जेएनएन। भीषण गर्मी के बीच मौसम ने फिर बदलाव देखा जा सकता है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आज से उत्तर भारत, मध्य भारत और दक्षिण भारत के कई राज्यों में तेज आंधी के साथ बारिश हो सकती है। दिल्ली-एनसीआर, यूपी, पंजाब, हरियाणा और पहाड़ी राज्यों में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई गई है, जबकि राजस्थान, गुजरात और पश्चिम मप्र में गर्मी का असर बना रहेगा। दिल्ली और आसपास के एनसीआर क्षेत्रों में रविवार देर शाम या रात तक मौसम बदलने के संकेत हैं। हल्की से मध्यम बारिश, तेज हवाएं और गरज-चमक का अनुमान जताया है। हवा की रफ्तार 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। दिन में गर्मी बनी रहेगी लेकिन शाम के बाद तापमान में गिरावट आ सकती है। नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद में भी आंधी के साथ हल्की बारिश संभव है।

शेयर बाजार | एफपीआई की रिकॉर्ड निकासी, मई में भी बिकवाली का दौर जारी

अब तक विदेशी निवेशकों ने निकाले 2 लाख करोड़

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों के निकलने (एफपीआई सेल ऑफ) का सिलसिला लगातार जारी है। इनकी बेरुखी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस साल सिर्फ फरवरी महीने को छोड़कर अब तक जबरदस्त बिकवाली देखने को मिली है और निकासी का आंकड़ा 2 लाख करोड़ रुपये के पार निकल गया है। इसमें सबसे बड़ा रोल ग्लोबल टेंशन का रहा है, जिसके चलते निवेशक सतर्क मोड में हैं। और बिकवाली की रफ्तार को और भी तेज कर दिया है। रिपोर्ट में डिपॉजिटरी के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया गया है कि चालू मई महीने में अब तक भारतीय बाजार से एफपीआई सेल ऑफ का आंकड़ा 14,231 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। इससे पहले अप्रैल महीने में भी विदेशी निवेशकों की तगड़ी बिकवाली देखने को मिली थी और उन्होंने भारतीय इक्विटी मार्केट से 60,847 करोड़ रुपये निकाले थे।

- **ग्लोबल टेंशन और अमेरिका-ईरान युद्ध का असर**
- **रिपोर्ट में डिपॉजिटरी के आंकड़ों से खुलासा**
- **मई माह विदेशी निवेशों ने अब तक 14,231 करोड़ निकाले**

फरवरी छोड़, हर माह बिकवाली

इस साल का महीनेवार आंकड़ा देखें, तो सिर्फ फरवरी 2026 में विदेशी निवेशकों द्वारा खरीदारी की गई थी, जबकि इसके अलावा बाकी सभी महीनों में इनका मूड खराब रहा है। फरवरी में एफपीआई ने 22,615 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

महीना	एफपीआई बिकवाली
● जनवरी	35,962 करोड़
● मार्च	1.17 लाख करोड़
● अप्रैल	60,847 करोड़
● मई	14,231 करोड़

निवेशकों के भागने की वजह

आखिर क्यों विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक भारतीय बाजार से भागते जा रहे हैं। तो इसके पीछे सबसे बड़ी वजह जियो पॉलिटिकल टेंशन है। बढ़ती ग्लोबल अनिश्चितता के चलते उभरते बाजारों के प्रति विदेशी निवेशकों का मोहभंग हो रहा है। अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते पश्चिम मध्य में बढ़े तनाव ने निकासी की रफ्तार को और भी बढ़ाने का काम किया। इसका उदाहरण है मार्च महीने में रिकॉर्ड एफपीआई बिकवाली। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के चीफ मैनेजर हिमांशु श्रीवास्तव (रिसर्च) ने कहा कि ग्लोबल टेंशन और क्रूड की कीमतों में बढ़ोतरी के चलते महंगाई का जोखिम लगातार बढ़ा है। उस पर ब्याज दरों का दबाव भी बढ़ा है, जिसके चलते उनका सेंटिमेंट खराब हुआ और लगातार बिकवाली देखने को मिली है।

टेक्नोलॉजी पार्क शुरू, उद्यमियों को नई तकनीक समझाएगा भोपाल

परमाणु ऊर्जा विभाग के सचिव ने किया उद्घाटन

जागरण, भोपाल। तकनीकी के क्षेत्र में भोपाल भी अब मुख्य भूमिका निभाएगा। भोपाल के आचारपुरा में स्थित रेयर अर्थ्स एंड टाइटोनियम टेक्नोलॉजी पार्क (आरईटीटीपी) न केवल खुद नई-नई तकनीकों पर रिसर्च करेगा, बल्कि नए उद्यमियों को भी ट्रेनिंग देगी मजबूत बनाएगा। इस टेक्नोलॉजी पार्क का रविवार को परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष व परमाणु ऊर्जा विभाग के सचिव डॉ. अजीत कुमार मोहंती ने उद्घाटन किया। इस पार्क को बनाने का मुख्य उद्देश्य *भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र द्वारा लैब में बनाई गई तकनीकों को बड़े स्तर पर (पायलट स्केल) लाकर दिखाना है। यह केंद्र दुर्लभ मृदा और टाइटेनियम के क्षेत्र में नई तकनीकों का प्रदर्शन करेगा और उद्योगों के लिए एक ट्रेनिंग सेंटर की तरह काम करेगा। यह पार्क रिसर्च और व्यापार के बीच के अंतर को कम करने के लिए एक जरूरी माध्यम बनेगा। डॉ. मोहंती ने इस मौके पर कहा कि स्वदेशी तकनीकों को बढ़ावा देने, आत्मनिर्भर भारत अभियान को सफल बनाने और नए उद्यमियों की मदद करने में बड़ी भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम में इ्क्रश्वरु (इंडिया) लिमिटेड के सीएमडी एस. बी. मोहंती, निदेशक (तकनीकी) ए. मिश्रा सहित कई वैज्ञानिक, प्रतिनिधि और कई उद्यमी शामिल हुए।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त**, संपादक : **राजीव मोहन गुप्त**, स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या.** : 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।